जन औषधि केंद्रों से दवाइयां खरीदकर मरीजों... 12

सरकारी जमीनों पर मंडलायुक्त रोशन जैकब ने... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 15 | अंकः 290
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
शनिवार | 03 अगस्त, 2024

सीबीआई करेगी दिल्ली कोचिंग हादसे की जांच

कोर्ट की पुलिस को फटकार, बेवजह एसयूपी ड्राइवर को अरेस्ट किया, शुक्र है पानी का चालान नहीं किया

- दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर के कोचिंग सेंटर में हुआ था हादसा
- बेसमेंट में पानी भर जाने की वजह से तीन छात्रों की हुई थी मौत
- कोचिंग सेंटर हादसे की जांच को हाई कोर्ट ने सीबीआई को सौंपा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राजेंद्र नगर में आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबने से सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दी। अदालत ने पीठ ने एमसीडी व पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा एमसीडी अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है और यह एक सामान्य बात हो गई है। वहीं एसयूवी के चालक को गिरफ्तार करने का जिक्र करते हुए अदालत ने कहा शुक्र है कि आपने बेसमेंट में घुसने के लिए बारिश के पानी का चालान नहीं काटा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जांच के संबंध में जनता को कोई संदेह न हो। यह घटनाक्रम एक जनहित याचिका के संदर्भ में आया है, जिसमें दिल्ली के पुराने राजेंद्र नगर में एक आईएएस कोचिंग सेंटर में बाढ़ के पानी से भरे बेसमेंट में डूबने से तीन अभ्यर्थियों की मौत की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की मांग की गई है।

6 पॉइंट में राजिंदरनगर हादसे की वजह

- 27 जुलाई की रात को बिल्डिंग में पावर कट के कारण बेसमेंट में बनी लाइब्रेरी का बायोमेट्रिक गेट जाम हो गया। स्टूडेंट अंधेरे में लाइब्रेरी के अंदर फंस गए।
- गेट बंद होने के कारण पानी शुरुआत में बेसमेंट में नहीं घुसा था, लेकिन कुछ मिनट बाद ही पानी का प्रेशर तेज हुआ और गेट टूट गया।
- चश्मदीद ने बताया कि गेट टूटने के बाद पानी तेजी से बेसमेंट में भरने लगा। बहाव इतना तेज था कि सीढ़ियां चढ़ना मुश्किल हो रहा था।
- कुछ सेकेंड में ही घुटनों तक पानी भर गया। ऐसे में स्टूडेंट बेंच पर खड़े हो गए। महज 2-3 मिनट में ही पूरे बेसमेंट में 10-12 फीट पानी भर गया।
- स्टूडेंट को बचाने के लिए रस्सियां फेंकी गईं, लेकिन पानी गंदा था, इसलिए रस्सी दिखाई नहीं दी। पानी में बेंच भी तैर रही थीं। इसलिए रेस्क्यू में दिक्कतें हुईं।
- देर रात 3 छात्रों के शव मिले। 14 को रस्सियों के सहारे निकाला गया। रेस्क्यू जब आखिरी चरण में था, तब भी 7 फीट तक पानी अंदर भरा हुआ था।

कोर्ट ने कहा, दिल्ली के बुनियादी ढांचे 75 साल पुराने, इन्हें बदलने की जरूरत

अदालत के आदेशों पर अमल नहीं, अफसर जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल रहे

बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए सिविल एजेंसियों के पास कोई पैसा नहीं है। दिल्ली में भौतिक बुनियादी ढांचा 75 साल पहले बना था। जो नाकाफी है, बल्कि इसका रखरखाव भी ठीक से नहीं किया गया है। हाल ही में हुए हादसों से पता चलता है कि अदालत के आदेशों का पालन नहीं किया जाता है। उनकी उपेक्षा की जाती है। दिल्ली में कई अधिकारी केवल जिम्मेदारी दूसरे पर डाल रहे हैं। एमसीडी कमिश्नर 5 करोड़ रुपए से ज्यादा का कोई भी ठेका नहीं दे सकता, क्योंकि कोई स्थायी समिति नहीं है।

नालियां जाम न हों, उनकी क्षमता बढ़ाई जाए

एमसीडी कमिश्नर सुनिश्चित करें कि नालियां जाम न हों। उनकी क्षमता बढ़ाई जाए। अतिक्रमण के साथ-साथ बारिश के पानी को निकालने वाली नालियों पर बने घरों, दुकानों और अवैध निर्माण को तुरंत हटाया जाए। दिल्ली शहर में एक बुनियादी समस्या यह है कि भौतिक, वित्तीय और प्रशासनिक बुनियादी ढांचे सभी पुराने हो चुके हैं और मौजूदा जरूरतों के मुताबिक नहीं हैं।

एमसीडी की वित्तीय सेहत ठीक नहीं

3 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाली दिल्ली को ज्यादा मजबूत वित्तीय और प्रशासनिक ढांचे की जरूरत है। सब्सिडी योजनाओं के कारण दिल्ली में पलायन और आबादी बढ़ रही है। एमसीडी की वित्तीय सेहत ठीक नहीं है। जीएनसीटीडी के लिए भी किसी नए प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाना आसान नहीं है, क्योंकि महीनों से कैबिनेट की कोई बैठक नहीं हुई है। कोई हैरानी की बात नहीं है कि दिल्ली एक संकट से दूसरे संकट की तरफ जा रही है। एक दिन सूखा पड़ता है तो दूसरे दिन बाढ़ आ जाती है। समय आ गया है कि दिल्ली के प्रशासनिक, वित्तीय और भौतिक ढांचे पर पुनर्विचार किया जाए।

पिछली सुनवाई में याचिकाकर्ता के वकील ने 3 दलीलें दी थीं...

- राजेंद्र नगर में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण से भी अधिक है। 2019 में एक होटल में आग लगने से एक आईआरएस और एक विदेशी की मौत हो गई थी। अनाज मंडी केस, मुखर्जी नगर अग्निकांड, मुनरेका घटना और बेबी केयर अग्निकांड भी हमने देखे। ऐसा लगता है कि हम जंगल में रह रहे हैं, जहाँ लोग आग और पानी से मर रहे हैं।
- इस साल 26 जून को राउ आईएएस कोचिंग के अवैध संचालन के संबंध में एक लेटर भेजा गया था, उसके बाद दो रिमाइंडर भेजे गए, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया। अगर समय रहते कार्रवाई की जाती तो उन तीन लोगों की जान बच सकती थी। इसके लिए हाई लेवल कमेटी की जरूरत है, ताकि पता चल सके कि अधिकारियों को कार्रवाई करने से किसने रोका।
- कई लाइब्रेरी रिहायशी इलाकों में बेसमेंट में चल रही हैं। एमसीडी चुप है, पता नहीं क्यों। कई मौजूदा कमिश्नरों की वहां प्रॉपर्टी है। यह एक कड़वी सच्चाई है। पटेल नगर, करोल बाग, राजेंद्र नगर में कई मल्टीस्टोरी बिल्डिंग हैं। एक बिल्डिंग में करीब 50-60 छात्र रह रहे हैं। यहां तक कि बेसमेंट को पीजी के तौर पर चलाया जा रहा है।

घटना के बाद से अब तक प्रशासन का एक्शन...

कोचिंग मालिक अभिषेक गुप्ता और कॉर्डिनेटर देशपाल सिंह सहित 7 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने के आदेश दिए। उधर एमसीडी ने 25 संस्थान सील कर दिए हैं। 35 बंद कराए गए। 75 कोचिंग सेंटर को नोटिस जा चुका है। उधर दृष्टि कोचिंग सेंटर ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख की सहायता राशि देने का ऐलान किया। एमसीडी ने चार लाइब्रेरी का नाम मृतक स्टूडेंट के नाम पर रखने का ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री ने दुष्कर्म पीड़िता की मां को दिया भरोसा, बख्शे नहीं जाएंगे दरिंदे

सीएम योगी ने अयोध्या की दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मां से की मुलाकात

- दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, उन पर कठोरतम कार्रवाई होगी: सीएम
- बच्ची की मां ने बताया, मुख्यमंत्री ने मोईन खान की संपत्तियों की जांच, और अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाने का दिया भरोसा
- मुख्यमंत्री से मिलकर पीड़ित बच्ची की मां ने की दोषियों को फांसी की सजा दिलाने की मांग

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या की दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मां को आश्वस्त किया है कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है। बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा उनपर कठोरतम कार्रवाई होगी। शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां ने मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। सीएम से मिलने के बाद पीड़िता की मां ने मीडिया को बताया कि उनकी बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों के लिए उन्होंने सरकार से फांसी की सजा की मांग की है, इसपर मुख्यमंत्री जी ने भी आश्वस्त किया है कि बच्ची को हर कीमत पर न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। बच्ची की मां ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस बात को लेकर भी आश्वस्त किया है कि आरोपित सपा नेता मोईन खान की संपत्तियों की जांच कराई जाएगी और अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलेगा। मुख्यमंत्री आवास पर शुक्रवार को पीड़िता की मां से सीएम योगी की मुलाकात के दौरान बीकापुर के विधायक अमित सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

सपा सांसद का करीबी है आरोपित मोईन खान

बता दें कि अयोध्या के पूरा कलंदर थानाक्षेत्र में घटी शर्मनाक घटना में पिछड़ा वर्ग की 12 वर्षीय बच्ची के साथ सपा नेता मोईन खान और उसके नौकर पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप है। आरोपित मोईन खान फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है। एक दिन पहले ही सीएम योगी ने विधानसभा में इस मामले पर बोलते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने इस मामले में समाजवादी पार्टी की ओर से आरोपितों को लेकर सॉफ्ट कॉर्नर रखने के लिए सपा नेताओं की कड़े शब्दों में भर्त्सना की थी।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य को बच्ची से मिलने भेजा

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को पीड़ित बच्ची की मां से मिलने के बाद अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बच्ची के स्वास्थ्य और उसकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंधन किये जाएं। सीएम योगी ने राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल को अयोध्या जिला महिला चिकित्सालय में दुष्कर्म पीड़ित बालिका से मुलाकात करने के निर्देश भी दिये। वहीं अयोध्या पहुंचीं आयोग की सदस्य ने पीड़ित बच्ची का हाल-चाल जाना तथा उसके परिजनों से विशेष मुलाकात करते हुए उनको न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 12 वर्षीय की बालिका के साथ दरिंदगी निंदनीय घटना है। परिजनों द्वारा अवगत कराया गया है की बच्ची अक्सर खेतों में काम करने जाती थी। बहला फुसला कर उसके साथ हैवानियत की गई है। दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, इसके लिए आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है।

बच्ची की सुरक्षा का रखा जाएगा विशेष ध्यान

आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया की सर्वप्रथम पीड़िता को जनरल वार्ड से प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया जाए तथा किसी भी अनजान व्यक्ति को उससे मिलने ना दिया जाए। उन्होंने जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से कहा कि पीड़िता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय एवं उसके आवास पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिया कि बच्ची का बैंक में खाता खोलकर उसको शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाया जाए।

सदन में सपा की हो चुकी है फजीहत

महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। एक दिन पहले ही महिला संबंधी अपराध के मामलों पर भी सीएम ने समाजवादियों को आईना भी दिखाया था। सपा सरकार के दौरान जहां दुष्कर्मियों का यह कहकर बचाव किया जाता था, कि लड़के हैं, लड़कों से गलतियां हो जाती हैं, वहीं इस मामले में योगी सरकार की कठोर नीतियों का ही प्रतिफल है कि प्रदेश में महिला अपराधों में अप्रत्याशित कमी दर्ज की गई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में दहेज मृत्यु दर में 17.43, बलात्कार में 25.30, शीलभंग में 16.56, अपहरण में 0.17 फीसदी की कमी आई है।

लगातार तीसरे दिन मेरठ और बागपत में शिवभक्तों पर हुई पुष्प वर्षा

- योगी सरकार द्वारा समूचे कांवड़ यात्रा मार्ग पर की गई व्यवस्थाओं के लिए सीएम योगी का जताया आभार

जन एक्सप्रेस। मेरठ/बागपत

योगी सरकार के निर्देश पर लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को मेरठ और बागपत में कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की गई। गुरुवार को मेरठ में जहां डीएम और एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों पर फूल बरसाए थे तो वहीं शुक्रवार को श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर मेरठ मंडल की

मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे और आईजी नचिकेता झा ने मेरठ में बाबा औघड़नाथ मंदिर और बागपत में पुरा महादेव मंदिर में कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की। दोनों अधिकारियों ने पुष्प वर्षा के साथ ही मंदिर परिसर का सर्वेक्षण भी किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होते देख कावंडिये खुशी से झूम उठे और बोल बम बोल बम के नारे लगाने लगे। इससे पूर्व गुरुवार को मेरठ के डीएम दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताड़ा ने भी मेरठ के ऐतिहासिक औघड़नाथ मंदिर, दिल्ली देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग, पल्लवपुरम, सिवाय टोल प्लाजा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की थी। बुधवार को भी मेरठ में कांवड़ियों पर बुलडोजर से पुष्प वर्षा की गई थी। पुष्प वर्षा के साथ समूचे कांवड़ यात्रा मार्ग पर योगी सरकार के द्वारा की गई व्यवस्था पर कांवड़ियों ने खुशी जताई और सीएम योगी का धन्यवाद भी दिया।

गोरखपुर मंडल को बनाया चिकित्सा शिक्षा का हब

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

- मंडल में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए एम्स और पांच मेडिकल कॉलेज
- इस साल एमबीबीएस की 675 सीटों पर पढ़ाई होगी इस मंडल में

जिस गोरखपुर मंडल में इलाज और चिकित्सा शिक्षा के लिए एकमात्र मेडिकल कॉलेज था, बीते सात साल में योगी सरकार ने उसे हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल एजुकेशन का हब बना दिया है। इस मंडल में इस साल एमबीबीएस की 300 नई सीटों पर दाखिला शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही गोरखपुर मंडल में एमबीबीएस की 675 सीटों पर पढ़ाई शुरू हो जाएगी। सरकार के प्रयास से इस मंडल में सात साल में एमबीबीएस की करीब सात गुना सीटें बढ़ गई हैं। सात साल पहले तक गोरखपुर को केंद्र मानकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के माथे पर बदहाली की पहचान चस्पा थी। चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में तो और भी। गोरखपुर समेत आसपास के कई मंडलों, सीमाई बिहार और नेपाल तक के लोगों के इलाज के लिए उम्मीद की एकमात्र किरण बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर ही था। इस पूरे अंचल में एमबीबीएस की पढ़ाई का भी एकमात्र केंद्र यही था। अव्यवस्था के चलते बीआरडी मेडिकल कॉलेज खुद बीमार नजर आता था तो कई बार इसकी एमबीबीएस की मान्यता पर तलवार लटकती रही। पर, सिर्फ सात साल में ही गोरखपुर मंडल चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के लिहाज से रोल मॉडल बनता जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को लेकर अपने संसदीय कार्यकाल से ही बेहद संवेदनशील और रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूं तो पूरे प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल एजुकेशन की तस्वीर बदल दी है लेकिन गोरखपुर मंडल में आया बदलाव कभी-कभी अकल्पनीय लगता है।

गोरखपुर में मेडिकल एजुकेशन की नवीनतम स्थिति

कॉलेज	एमबीबीएस सीट
बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर	150
एम्स गोरखपुर	125
देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया	100
श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज गोरखपुर	50
राज्य स्वा. मेडिकल कॉलेज कुशीनगर	100
केएमसी मेडिकल कॉलेज महराजगंज	150

कानपुर एक्सप्रेस

कानपुर और उन्नाव की खबरों को पढ़ने के लिए देखें पेज 3और11

जन एक्सप्रेस फाइटर जी कहिन को इस Qr-code के माध्यम से सर्च करें

रिपोर्ट 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के धरातल पर उतरने से बढ़ा योगी सरकार का आत्मविश्वास

योगी सरकार 'दस के दम' से साधेगी वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का लक्ष्य

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

- वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी से भी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मास्टर प्लान तैयार
- सरकार 10 सेक्टर के जरिए साधेगी देश की सबसे बड़े अर्थव्यवस्था वाले राज्य का लक्ष्य
- पीएम मोदी के संकल्पों को पूरा करने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने झोंकी ताकत
- अनुपूरक बजट के दौरान सीएम योगी ने की थी 10 सेक्टर की संक्षिप्त चर्चा

अनुपूरक बजट के बाद प्रदेश को इस साल ऐतिहासिक साढ़े सात लाख करोड़ के बजट की सौगात देने के बाद अब योगी सरकार का लक्ष्य अगले चार कुछ साल में सूबे को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्य के रूप में स्थापित करने का है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए %दस का दम% लगाने पर जोर देते हुए विस्तार से कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं। एक दिन पहले ही सदन में प्रदेश के अनुपूरक बजट पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लिए 10 सेक्टर में कार्य किये जाने की चर्चा की थी। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के बड़े लक्ष्य को साधने के लिए मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने इन 10 सेक्टरों पर विशेष जोर देने के निर्देश सभी अधिकारियों को पहले ही दे दिये हैं। बीते फरवरी माह में आयोजित हुए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के जरिए प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश धरातल पर उतरने से योगी सरकार का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए योगी सरकार ने पूरी ताकत झोंकते हुए 10 सेक्टरों को चिह्नित किया है। इसमें प्रदेश के आर्थिक विकास से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विभागों के बीच समन्वय कायम करते हुए कार्य करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। जिन 10 सेक्टर पर मुख्यमंत्री ने सबसे अधिक फोकस करने के निर्देश दिये हैं उनमें कानून व्यवस्था, कृषि उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, नगरीय विकास, ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन एवं संस्कृति और राजस्व संग्रह को लेकर अगले तीन साल तक मिशन मोड में कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। इन प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी एक-एक कैबिनेट मंत्री को दी गई है, जिन्हे अपर मुख्य सचिव स्तर के अनुभवी अधिकारी संभालेंगे। मुख्यमंत्री की ओर से निर्देश दिये गये हैं कि प्रत्येक सेक्टर के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं मॉनीटरिंग होगी।

बड़े लक्ष्य के लिए सरकार के पास है बड़ा आधार

योगी सरकार अपना 7 साल का कार्यकाल पूरा कर चुकी है। बीते 7 वर्षों में प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर, कानून व्यवस्था, यातायात कनेक्टिविटी और रोजगार के मोर्चे पर उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली योगी सरकार ने अब आगामी तीन साल के लिए बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर दिया है। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के विशाल लक्ष्य के लिए योगी सरकार के पास बड़ा आधार भी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के रूप में देखा जा सकता है, जोकि बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में 25.48 लाख करोड़ रुपए रहा है। जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह 22.58 लाख करोड़ रुपए था। वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। राज्य सरकार के विगत सात वर्षों के नियोजित प्रयासों के परिणामस्वरूप इसमें और वृद्धि की संभावना है। इसके अलावा देश में सबसे उर्वर भूमि, प्रचुर जल संसाधन, युवा आबादी, देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता और श्रम बाजार होने के साथ ही उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान देता है। यही नहीं देश की कुल 12 प्रतिशत कृषि भूमि और खाद्यान उत्पादन में यूपी करीब 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में भारत अगर आज दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो यूपी भारत के ग्रोथ को ड्राइव करने में एक अहम रोल निभाने जा रहा है।

इन 10 सेक्टर पर है फोकस

1- कानून व्यवस्था
2- कृषि उत्पादन
3- सामाजिक सुरक्षा
4- अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास
5- नगरीय विकास
6- ग्राम्य विकास
7- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
8- शिक्षा
9- पर्यटन एवं संस्कृति
10- राजस्व संग्रह

तमंचे के बल पर व्यापारी से हुई लूट से व्यापारियों में दहशत, नगर में फैली सनसनी

24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली, आजाद घूम रहे लुटेरे

जन एक्सप्रेस। कालपी

नगर में तमंचे के बल पर सर्राफा व्यापारी के साथ हुई लूट की घटना में 24 घण्टे बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। काफी हाथ पैर मारने के बाद भी ऐसा कुछ भी नहीं मिला है, जिससें खुलासे की उम्मीद हो। जिसके चलते व्यापारियों में भय के साथ आक्रोश भी पनप रहा है। नगर के मुहल्ला सदरबाजार निवासी विश्वनाथ गुप्ता एडवोकेट 78 वर्ष पुत्र स्व. श्याम लाल प्रतिदिन की तरह गुरुवार शाम पांच बजे टरननगज स्थित अपनी सराफा की दुकान को बन्द कर ई रिक्शा से घर के लिए निकले थे। जैसे ही उनका रिक्शा सन्तोषी माता मन्दिर के पास पंहुचा। तभी पीछे से आये तीन पल्सर बाईक सवार अज्ञात बदमाशों ने तमंचा सटाकर उनका झोला छीन लिया था और भाग गए थे। जिसमे लगभग 3 लाख कीमत के सोने के आभूषण 50 हजार नगद के साथ चांदी के भी आभूषण थे। तभी सर्राफा व्यापारी के साथ हुई लूट की घटना की सूचना पुलिस के साथ नगर में भी पंहुच गई थी। सर्राफा व्यापारी के साथ हुई लूट की बारदात से लोग हतप्रभ थे। हालाकि मौके पर पहुची पुलिस भी घटना को नकार नही सकी थी। पुलिस ने सर्राफा व्यापारी की तहरीर पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ लूट की धारा 309 (4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया था और लुटेरो की तलाश शुरू कर दी थी। इतना ही नहीं व्यापारियों को आश्वासन दिया था कि घटना का शीघ्र खुलासा होगा। लेकिन घटना हुए लगभग 24 घण्टे बीत गए हैं, लेकिन पुलिस को ऐसा कुछ भी नहीं मिला। जिससे खुलासे की उम्मीद हो। लेकिन सूत्रो की माने तो नगर के बीच में हुई इस घटना ने पुलिस की साख पर सवाल खडे कर दिए हैं। जिससे नगर के व्यापारी सकते में है और उन्हें अपनी सुरक्षा का भय सता रहा है।

बाईक चोरी की घटनाओं का भी नही हो सका है खुलासा

कालपी। नगर में चोरी की घटनाओं पर भी पुलिस का अंकुश नही है वह जब और जहा चाहते हैं अपना काम कर देते हैं। सूत्रो की माने तो जुलाई माह में ही सरसेला गांव में चोरो ने परचून की दुकान में अपने जौहर का इस्तेमाल किया था। इसके बाद चोरो ने लमसर गांव में एक ग्रामीण का माल पार कर दिया था। इतना ही नहीं बल्कि वनखण्डी देवी मन्दिर दर्शन को गये उदनपुरा के बलराम की बाईक चोरी हो गई थी। वहीं एक दिन पहले सीताराम यादव की ट्रैक्टर ट्राली भी बन्द पडे पेट्रोल पम्प से गायब हो गई थी। यह सिलसिला यही नही रूका था बल्कि चौरासी गुम्बद गए कोंच निवासी व्यक्ति की बाईक भी अभी तक लापता है। इसके बाद कागजीपुरा से धर्मेन्द्र सिंह के दरवाजे से एक बाईक और एक स्कूटी भी गायब हो चुकी है। लेकिन अभी तक सभी मामलो में पुलिस के हाथ खाली है। जिससे कोतवाली पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को आईना दिखा गए लुटेरे

कालपी। शासन ने अपराध और अपराधियों पर नियन्त्रण के लिए पुलिस को हाईटेक भी किया है। जिसके तहत नगर में दो कोबरा मोबाइल के साथ 3 चौकी इंचार्ज अपने अपने क्षेत्रों में भ्रमण करते हैं। इसके अलावा नगर में डायल 112 की दो बाईक और दो चार पहिया वाहनो के अलावा कोतवाली पुलिस की दो वाहन भ्रमण पर रहकर अपराध और अपराधियो पर नजर रखते हैं। इसके बाद भी गुरूवार को लुटेरे सर्राफा व्यापारी को लूटकर सुरक्षित फरार हो गये हैं।

तीसरी आख से निगहबानी का फण्डा भी नहीं आया काम

कालपी। शासन ने अपराध और अपराधियो पर नजर रखने के लिए पुलिस को महत्वपूर्ण स्थानो पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए थे। जिसके चलते तत्कालीन कोतवाली प्रभारी शिवकुमार राठौर ने विभिन्न तरीको से अच्छी किस्म के कैमरे विभिन्न तरीके से लगवाए थे। लेकिन उनके जाने के बाद यह व्यवस्था भी धड़ाम हो गई है। विभिन्न महत्वपूर्ण जगहो के कैमरे रखरखाव सही न होने के अभाव में किसी काम के नही बचे हैं। जिससे घटना होने के बाद उनसे कुछ भी हासिल नहीं हो रहा है, अब वह सिर्फ शोपीस बनकर नगर की सुन्दरता बनाये हुये हैं।

एक शाम-श्याम खाटू के नाम का रंगारंग कार्यक्रम आज

जन एक्सप्रेस/कालपी। श्री श्याम मित्र मंडल कालपी के तत्वावधान में द्वितीय श्याम महोत्सव का भव्य आयोजन आगामी 3 अगस्त को रात 8 बजे से किया जाएगा। जिसमें देश के नामी ग्रामी कलाकारों द्वारा धूमधामपूर्वक प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम के सयोंजक तथा उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष नमन अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर के रामवाटिका सभागार में आयोजित होने वाले श्याम महोत्सव का भव्य आयोजन में शर्मा सिस्टर, सुनील स्नेही, विष्णु मिश्रा, अभिषेक शुक्ला, पंकज आशु आदि कलाकारों के द्वारा अपने-अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे। श्री श्याम मित्र मंडली के पदाधिकारियों के द्वारा कार्यक्रम को लेकर प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने श्याम भक्तों तथा नागरिकों से कार्यक्रम में शिरकत करने की अपील की है।

दो लोगों को सात-सात वर्ष का कारावास, 27 हजार का लगा जुर्माना

जन एक्सप्रेस। उरई

न्यायालय में करीब 6 वर्ष बाद अपहरण के मामले में आरोप सिद्ध हो जाने के बाद न्यायाधीश ने दो लोगों को सात-सात वर्ष की सजा सुनाई।

गोहन थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने थाना पुलिस को तहरीर दी। जिसमें आरोप लगाते हुए बताया था कि 28 अप्रैल 2018 को वह अपने खेत पर गेहूं काटने गया था। जब वह खेत से वापस घर आया तो पता चला कि उसकी बेटी और भाई की पत्नी को रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम हुसेपुरा जागीर निवासी नागेश बहला फुसलाकर कर ले गया है। पुलिस ने नागेश के खिलाफ अपहरण सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज विवेचना शुरू कर दी। विवेचना में थाना बकेवर निवासी राहुल जिला इटावा का नाम प्रकाश आया था। और पुलिस ने महिला सहित किशोरी को बरामद करने दबिश की। पूछताछ में किसी ने कुछ न बताया। 17 मई 2018 को महिला व किशोरी सहित राहुल और नागेश को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने महिला और किशोरी के न्यायालय में कलमबंद बयान दर्ज कराए। जहां पर राहुल के खिलाफ छेड़खानी सहित अपहरण की बात कही और नागेश के खिलाफ अपहरण की बात कही गई थी, और धाराओं में बढ़ोतरी कर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया था। करीब 6 वर्ष पॉक्सो एक्ट कोर्ट में चले ट्रायल के बाद बुधवार को सुनवाई पूरी हुई। जिसमें दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस गवाहों के बयान और सबूतों के आधार पर पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश मोहम्मद कमर ने राहुल और नागेश को दोषी पाते हुए सात सात साल की सजा सुनाई। जबकि 27 हजार रूपये का जुर्माना भी लगाया।

डीआईजी ने किया पुलिस लाइंस का वार्षिक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

पुलिस उप महानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा अजय कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को पुलिस लाइन्स में भ्रमण कर वार्षिक निरीक्षण किया।

पुलिस लाइन्स में निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने क्वार्टर गार्द में सलामी ली। साथ ही जवानों को स्टैण्ड-टू की कार्यवाही कराकर जवानों से आर का फायर पूंछा गया। स्टोर में भ्रमण कर कण्डम सामान चेक किया गया। सभी समान व्यवस्थित ढंग से पाया गया। उन्होंने प्रतिसार निरीक्षक को बताया कि स्टोर में रखे दंगा नियंत्रण उपकरणों को अधिक से अधिक थानों में वितरित किया जाये। इसके बाद आर्मरी का निरीक्षण कर शस्त्रों की जांच की। जिसमें शस्त्रों का रख-रखाव सही पाया गया। परिवहन शाखा का निरीक्षण कर वाहनों के उपकरण चेक किये गये, वाहनों के मीटर देखे गये। मेस का निरीक्षण कर सप्ताहित मेन्यू देख, भोजन की गुणवत्ता परखी। साथ ही प्रति जवान पर आने वाली डाइट के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने सीपीसी कैन्टीन में भ्रमण किया। साथ ही कैंटीन प्रभारी से प्रति जावन को एक माह में कितने तक की खरीदारी करने की सीमा पूंछी गयी। आवासीय परिसर का भ्रमण कर प्रतिसार निरीक्षक को साफ-सफाई के लिए निर्देशित किया। अर्दली रुम में जाकर अनुसाशन रजिस्टर, डिफाल्टर रजिस्टर व हिन्दी आदेश पुस्तिका का अवलोकन किया गया।

इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी नगर कार्यालय राज कमल, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, पीआरओ डीआईजी मिथिलेश कुमार सिंह, सीए डीआईजी महेश प्रसाद सिन्हा, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

नहर में उतराता मिला युवक का शव, ससुरालियों ने जताई हत्या की आशंका

जन एक्सप्रेस। उरई

कोंच क्षेत्र में नहर में डूब कर लापता हुए युवक का शव 12 किलोमीटर दूर उतराता हुआ मिला। युवक के ससुरालयों ने उसकी हत्या की आशंका जताई है।

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चादनी निबासी 28 वर्षीय शैलेंद्र पाठक उर्फ शीलू अपने छोटे भाई नीलू के साथ बुधबार को बाइक से कोंच आया था। रास्ते में दोनों भाइयों का वाद विवाद किसी बात को लेकर हो गया, जिसके बाद छोटा भाई पैदल ही घर बापस पहुच गया था। रात को जब शैलेन्द्र पाठक शीलू घर नही पहुचा तब उसके पिता ने गुरुवार को पुत्र की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी पुलिस को उसकी बाइक चादनी के पास गुजरी नहर के किनारे खड़ी मिली थी। जिसके बाद से ही पुलिस नहर के पानी में उसकी तलाश कर रही थी। शुक्रवार को घटना स्थल से 12 किलोमीटर दूर ग्राम छानी और ताहरपुरा के बीच नहर के पानी में उसका शव उतराता हुआ गांव बालों को दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसके शव को बाहर निकाला तो उसकी शिनाख्त शैलेन्द्र पाठक उर्फ शीलू 28 वर्ष के रूप में हुई। बताया गया है कि मृतक शादीशुदा था, उसके दो बच्चे है, जिसमें लड़का छोटू 5 वर्ष लड़की मानसी 7 वर्ष है। मृतक के ससुराल बाले उसकी मौत की खबर सुनकर ग्राम अर्जुनपुरा से वहां पहुच गये, और उन्होंने अपने दामाद की हत्या की आशंका भी जताई है। फिलहाल मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। देर शाम समाचार लिखे जाने तक ससुराली पक्ष द्वारा तहरीर नहीं दी गई है।

कलश यात्रा का नगर भ्रमण कर तुलसी जन्मोत्सव की शुरुआत

* तुलसीमय हुए नगरवास महोत्सव को लेकर भरी उत्साहित

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर में शुक्रवार को दस दिवसीय तुलसी जयंती महोत्सव का शुभारंभ हो गया। ओम नमः शिवाय गौशाला वंशीवट वृन्दावन के रामदास जी महाराज की अगुवाई में पहले दिन सुबह पूजन के बाद झांकियों संग मानस कलश यात्रा निकाली गई। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों भक्त शामिल हुए। दस दिवसीय आयोजन में रामायण का पाठ, कथा और तुलसीदास के जीवन पर लीला होगी।

कलश यात्रा तुलसी घाट यमुना किनारे से चलकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस तुलसी कुटीर जाकर पूरी हुई। इस दौरान सुंदर झांकियों, भजन कीर्तन, ढोल नगाड़ों की धुन, ध्वजा पताका और मंगलगीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया। लोगों ने जगह-जगह झांकियों की आरती उतारी। कलश यात्रा राधा कृष्ण मंदिर, तुलसी स्मारक, सभी शिव मंदिरों, संकट मोचन हनुमान मंदिर, राम चरित मानस मंदिर से होते हुए तुलसी जन्म कुटीर मंदिर में पूरी हुई।

11 अगस्त को मनाई जाएगी जयंती

गोस्वामी तुलसीदास की जयंती 11 अगस्त को मनाई जाएगी। जिसके पहले तुलसी जयंती महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत हो गई। ओम नमःशिवाय गोशाला वंशीवट वृद्धाधाम वृन्दावन के संत रामदास महाराज के नेतृत्व में महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। विधि विधान से पूजा पाठ किया। वेद मंत्रों व रामधुन के साथ मानस कलश यात्रा निकली गई। गोस्वामी तुलसीदास का 527वां अवतरणोत्सव 11 अगस्त को मनाया जाएगा।

पत्नी से हुआ झगड़ा, पति ने फांसी लगाकर दी जान

जन एक्सप्रेस/उरई। कुठौंद थाना क्षेत्र के हदरुख में पत्नी से हुई मामूली कहा सुनी के बाद पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कुठौंद थाना ग्राम हदरुख निवासी मुहम्मद शहीद 42 वर्ष अपनी पत्नी फातिमा बानो व दो पुत्र और दो पुत्रियों के साथ रहता था। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। शराब का आदी होने के कारण उसका आय दिन पत्नी से झगड़ा होता था। जो मजदूरी में कमाए हुए रुपये शराब में खर्च कर देता था। इसी वजह से पत्नी घर खर्च के लिए परेशान रहती थी। शुक्रवार को भी उसका पत्नी से झगड़ा हुआ था। इसके बाद बच्चे व पत्नी काम में व्यस्त हो गए। तभी उसने मौका पाकर घर के कमरे में रस्सी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। जब पत्नी व बच्चे कमरे में गए, तो उन्होंने उसे फांसी के फंदे पर लटका देखा तो पत्नी जोरों पर चीखने लगी। तभी मुहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए। मौजूद लोगों की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में कब्जे में ले लिया।

अज्ञात चोर घर के बाहर बंधी आठ भेड़ व एक बकरी लेकर हुए फरार

जन एक्सप्रेस/जालौन। घर के बाहर बंधी आठ भेड़ व एक बकरी अज्ञात चोर खोलकर ले गए। पीड़ित पशुपालक ने कोतवाली में तहरीर देकर बरामद कराने की गुहार लगाई है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पनेहरा निवासी पशुपालक प्रमोद कुमार पुत्र मंगल प्रसाद ने पुलिस को बताया कि वह भेड़ व बकरी पालन का काम करता है। 31 जुलाई की रात घर के बाहर उसकी आठ भेड़ और एक बंकरी बंधी थी। रात में अचानक बारिश होने लगी। उस समय वह अस्वस्थ भी महसूस कर रहा था। इसलिए वह बारिश होने पर घर के अंदर सोने के लिए चला गया। तभी रात में कोई व्यक्ति घर के बाहर बंधी आठों भेड़ और एक बकरी खोलकर ले गया। सुबह जब वह घर के बाहर आया तो सभी भेड़ व बकरी गायब थीं। पीड़ित ने पुलिस से उसके पशु बरामद कराने की गुहार लगाई है। वहीं, पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिलाधिकारी ने की नीति आयोग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन की अध्यक्षता में शुक्रवार को नीति आयोग के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा कराए गए विकास कार्यों के इंडिकेटर्स के प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्टरेट सभागार में हुई।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, उद्यान, पशु पालन, बाल विकास, कौशल विकास मिशन, विद्युत, वित्तीय समावेशन, दूरभाष आदि विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नीति आयोग के जिन बिंदुओं पर प्रगति कम हुई है, उसमें सम्बन्धित विभाग प्रगति कराए ताकि जनपद की रैंकिंग अच्छी रहे। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो नीति आयोग की धनराशि से कार्य कराए जा रहे हैं, उन्हें तत्काल पूर्ण कराया जाए। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देश दिए कि नीति आयोग के बिन्दुओं के अंतर्गत किन विभागों द्वारा क्या कार्य कराए जा रहे हैं और कितनी धनराशि प्राप्त हुई है विवरण सहित उपलब्ध कराए। साथ ही जिन विभागों के जो कार्य पूर्ण हो गये हैं, उनसे उपभोग प्रमाण पत्र भी लिया जाए, सभी बिंदुओं का डाटा समय से पोर्टल पर अपलोड कराए। इसमें कोई भी विभाग लापरवाही नहीं करेगा। मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि धनराशि के अभाव में जो कार्य शेष हैं, उन्हें पूर्ण कराने के लिए धनराशि की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने उप निदेशक कृषि से कहा कि फसल बीमा योजना का कवरेज बढाया जाए ताकि अधिक से अधिक किसानों को लाभ दिलाया जा सके। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ बंदना श्रीवास्तव, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, उप निदेशक कृषि राजकुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी इन्द्र नारायण सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीके शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड सत्येंद्र नाथ, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजदीप वर्मा आदि मौजूद रहे।

ट्रेन से कटकर मौत

जन एक्सप्रेस/उरई। कोतवाली क्षेत्र में ओवर ब्रिज के पास युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिला हमीरपुर थाना चिकासी के ग्राम बडेरा निवासी बृजराज उर्फ पप्पू 35 वर्ष शहर के मोहल्ला इंदिरा नगर में अपनी पत्नी इंद्र कुमारी और 11 साल के बेटे गगन के साथ रहता था। जो गुरुवार को अपनी पत्नी और बच्चे को गांव छोड़कर उरई आ गया था। तभी गुरुवार देर रात को राठ रोड ओवर ब्रिज के नीचे ट्रेन से कटकर उसकी मौत हो गई। मौजूद लोगों ने सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही आरपीएफ पुलिस मौके पर पहुंची और उन्होंने सूचना जीआरपी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लिया और शिनाख्त कराकर खबर उसके परिजनों को दी। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। मृतक के पिता भानु प्रताप राजपूत व अन्य पारिवारिक जनों ने बताया कि आत्महत्या जैसी कोई वजह नहीं थी। रेलवे लाइन पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। मामला आत्महत्या का है या दुर्घटना का यह अभी साफ नहीं हो पाया है।

सृष्टि का सार तत्व है परमात्मा : प्रपन्नाचार्य

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

श्रीमद् भागवत कथा के चोथे दिन कथा व्यास ने भगवान कृष्ण के जन्म एवं बाल लीलाओं की कथा सुनाई। जिसे सुन श्रोता आनंदित रहे। शुक्रवार को तरौंहा स्थित रामलीला मैदान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चैथे दिन कथा व्यास बदरी प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि परमात्मा ही परम सत्य है। जब वृत्ति परमात्मा में लगेगी तो संसार गायब हो जाएगा। संसार की कोई भी वस्तु भगवान से अलग नहीं है। कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के घरों से माखन चोरी की। इस घटना के पीछे भी आध्यात्मिक रहस्य है। दूध का सार तत्व माखन है। उन्होंने गोपियों के घर से केवल माखन चुराया अर्थात सार तत्व को ग्रहण किया और असार को छोड़ दिया। प्रभु समझाना चाहते हैं कि सृष्टि का सार तत्व परमात्मा है। बताया कि वास्तविकता में श्रीकृष्ण केवल ग्वाल बालों के सखा भर नहीं थे, बल्कि उन्हें दीक्षित करने वाले जगद्गुरु भी थे। श्रीकृष्ण ने उनकी आत्मा का जागरण किया और फिर आत्मिक स्तर पर स्थित रहकर सुंदर जीवन जीने का अनूठा पाठ पढ़ाया। इस मौके पर मुख्य यजमान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीलम करवरिया, राष्ट्रीय रामायण मेला के कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत करवरिया, राजाबाबू पांडेय, माधेन्द्र द्विवेदी, आत्माराम करवरिया, मनोज गर्ग, संतोष कुमार, दद्दू आदि श्रोतागण मौजूद रहे।

तमंचा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी उपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक गौरव तिवारी एवं आरक्षी पवन राजपूत द्वारा आशिफ खां निवासी शिवरामपुर को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली कर्वी में आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

योग से तात्पर्य स्वयं को पंचतत्वों से है जोड़ना : साधना लौहरिया

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

धन्वन्तरि पीठ आयुष ग्राम ट्रस्ट के आयुष ग्राम चिकित्सालय में ए.के.एस. यूनिवर्सिटी सतना एमए योग के छात्र-छात्राओं ने योग का एक माह का आवासीय कर्माभ्यास प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। इस दौरान विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व विक्रय कर आयुक्त बांदा सतीश चन्द्र द्विवेदी ने कहा कि विश्वविद्यालय के योग के स्नातकोत्तर छात्राओं के प्रशिक्षण के लिए आयुष ग्राम ट्रस्ट वरदान है। यहाँ का वातावरण सात्विक और आयुर्वेदीय है। यहाँ आते ही नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने हुए कहा कि आप जीवन में चाहे जिस क्षेत्र में जायें उस क्षेत्र में सफलता के लिए पूर्ण समर्पण आवश्यक है। जब तक आप पूर्ण रूप से समर्पित होकर अपना सर्वश्रेष्ठ उस कार्य के लिए समर्पित नहीं करेंगे, तब तक उस क्षेत्र में सफलता मिल पाना सम्भव नहीं है। आयुष ग्राम चिकित्सालय प्रमुख परिचारिका एवं योग प्रशिक्षिका साधना लौहरिया ने बताया कि योग का अर्थ है जोड़ना। हमारा शरीर पंचतत्व से मिलकर बना है। इसलिए योग से तात्पर्य स्वयं को पंचतत्वों से जोड़ना ही है। उन्होंने कहा कि हमारा शरीर और आहार दोनों ही पंचतत्वों से मिलकर बने हैं। इसलिए हमें भोजन भूमि पर बैठकर पृथ्वीतत्व के सम्पर्क में रहकर करना चाहिए। आयुष ग्राम गुरुकुलम् के साहित्याचार्य रंजन प्रसाद शुक्ल ने कहा कि विदाई का पल अत्यन्त भावुक कर देने वाला होता है जो कण्व जैसे महर्षि को भी भाव विह्वल कर देता है। इसलिए यह विदाई समारोह हम सभी के लिए भावुक कर देने वाला है।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

जन एक्सप्रेस/उरई। कोतवाली क्षेत्र में राहिया के पास लोडर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें बाइक पर सवार दो युवक घायल हो गए। जिन्हें राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया।

शहर के मुहल्ला राजेंद्र नगर निवासी पंकज 39 वर्ष व राधे 19 वर्ष गुरुवार की रात गोविंदम होटल हाईवे पर खाना खाने के लिए गए हुए थे। जो खाना खाने के बाद घर लौट रहे थे। तभी बारिश होने के कारण सड़कों पर कीचड़ फ़ैल गया था। जैसे ही उनकी बाइक राहिया के पास पहुंची। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार लोडर ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। मौके का फायदा उठाकर लोडर चालक भाग निकला। राहगीरों ने उन्हें एम्बुलेंस के जरिए इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

जिलाधिकारी ने जन चौपाल लगाकार सुनी फरियादियों की समस्याएं

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास खण्ड रामनगर की ग्राम पंचायत बसिंहा के मजरा डढिया के प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में जन चैपाल कार्यक्रम का आयोजन कर गांव की समस्या गांव में समाधान किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामों में जन चैपाल लगाकर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए इस पर आज सभी विभागों के अधिकारियों ने अपनी योजनाओं के बारे में आप लोगों को बताया अगर उनका आप लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है तो सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों से मिलकर आवेदन करवाएं। उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं से जुडे अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस गांव में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने उप जिलाधिकारी मऊ से कहा कि जो भूमि सम्बन्धी मामले हैं, उनका सीमांकन तथा निस्तारण कराया जाए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी रामनगर से कहा कि इस गांव में जनसंख्या के अनुसार यहां के लोगों को पेंशन, राशन कार्ड, किसान सम्मन निधि, किसान क्रेडिट कार्ड अनेकों जो योजनाएं भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित है उनका लाभ तत्काल दिलाया जाए। आंगनबाडी केन्द्र जो अधूरा पडा है, उसका भी निर्माण कराया जाए। जल जीवन मिशन का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है, जिसमें गांव के लोगों को हर घर जल नल योजना से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने कहा कि जन चैपाल में सभी अधिकारियों ने अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। योजनाओं के बारे में जो अधिकारियों ने बताया है, अगर उन योजनाओं का लाभ आप लोगों को नहीं मिल रहा है तो उसका लाभ लें। उन्होंने महिलाओं से कहा कि छोटे बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में आप लोग विशेष ध्यान दें। छोटे बच्चों को आंगनवाडी केन्द्र भेज कर शिक्षा ग्रहण कराए। इसके अलावा बच्चों को शिक्षा प्रदान के लिए विद्यालय में भी भेजे। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं एवं धात्री महिलाओं तथा छोटे बच्चों को टीकाकरण अवश्य कराया जाए। स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था जो शासन द्वारा लागू है, उसका आप लोग लाभ अवश्य लें।

जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा ब्लॉक प्रमुख ने आंगनबाडी कार्यकत्री के माध्यम से ममता देवी गर्भवती महिला की गोद भराई एवं दिव्यांश बच्चे को अन्नप्राशन भी कराया गया।

डीसीएनआरएलएम ओम प्रकाश मिश्रा ने स्वयं सहायता समूह के गठन सीसीएल ग्रेडिंग रिवाल्विंग फंड सीआईएफ से कहा कि इस योजना का लाभ आप लोग अधिक से अधिक लेकर रोजगार से जुडे। जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह ने राज्य वित्त 15वां वित, स्वच्छ शौचालय, अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक शौचालय, कॉमन सर्विस सेंटर, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी दी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने बताया कि इस गांव में तीन विद्यालय संचालित है। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के आधार कार्ड अभी तक आप लोगों ने नहीं बनवाया है, उन बच्चों के तत्काल आधार कार्ड बनवा लें ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके। उपनिदेशक कृषि राजकुमार ने किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना, बीज वितरण, गोल्डन कार्ड, बैंक खाता की ई-केवाईसी आदि योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा ने निराश्रित महिला पेंशन योजना, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना की जानकारी दी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया ने वृद्धा पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, अभ्युदय कोचिंग सेंटर, आश्रम पद्धति, विद्यालयों संचालन आदि के बारे में जानकारी दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी आभा सिंह ने बताया कि आंगनबाडी केन्द्र में जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों को पंजीकृत किया जाता है। इसके अलावा गर्भवती, धात्री महिलाओं तथा किशोरियों को भी पंजीकृत कर उन्हें लाभान्वित कराया जाता है।

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

कानपुर नगर एक्सप्रेस

www.janexpresslive.com/epaper हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस । लखनऊ । शनिवार । 03 अगस्त 2024

मौसम पूर्वानुमान

पूर्वानुमान

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार,अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहने के कारण दिनाँक 02 से 04 अगस्त, 2024 के मध्य तेज हवाओं एवं गरज चमक के साथ स्थानीय स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं।

अधिकतम (डिग्री0से0) : 33.8 (+1.1)
न्यूनतम तापमान (डिग्री0से0) : 25.6 (+0.8)
सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम : 90 प्रतिशत
सापेक्षिक आर्द्रता न्यूनतम : 68 प्रतिशत
हवा की औसत गति : 9.0 कि0मी0/घंटा
हवा की दिशा- उत्तर पश्चिम
वर्षा (मि0मी0) : 3.0

- कृषि मौसम वैज्ञानिक

पत्रकार अवनीश दीक्षित पर दर्ज मुकदमों की संख्या हुई आधा दर्जन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

पत्रकार अवनीश दीक्षित पर शुक्रवार को भी एक मुकदमा थाना बादशाही नाका में दर्ज किया गया है। इस मुकदमे को आईपीसी की धाराओं में पंजीकृत किया गया है। वहीं दूसरी ओर कानपुर कोर्ट की एडीजे छह में कल अवनीश दीक्षित की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 9 अगस्त की अग्रिम तारीख तय की है।

आपको बताते चलें कि बीते रविवार से लेकर आज शनिवार तक थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित एक ईसाई मिशनरी के स्कूल मैरी एन मैरी की जमीन कब्जाने को लेकर पहले दिन दो एफआईआर दर्ज की गई थीं और उसके बाद ही अवनीश दीक्षित को सोमवार को भोर के समय ही डीजे के आवास पर पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई थी। जिसके बाद से ही अवनीश दीक्षित समेत कई अन्य पत्रकारों पर मुकदमे दर्ज होने का दौर जारी हो गया था। जिसके मोहम्मद मुफीद खान की तहरीर पर अनवरगंज, सौरभ भदौरिया की तहरीर पर नजीराबाद, चकेरी में और फिर शुक्रवार को छठी एफआईआर थाना बादशाही नाका में शशि सैनी की तहरीर के आधार पर आईपीसी की धाराओं 147, 452, 323, 504, 506, 307, में अवनीश दीक्षित समेत मनोज यादव आदि के विरूद्ध दर्ज़ की गई है।

शुक्रवार को एडीजे छह में अवनीश दीक्षित की जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी। लेकिन सुनवाई टल गई है।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया है कि मुकदमे की जांच कर रहे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक के द्वारा कोर्ट को यह बताया गया है कि संगठित गिरोह की धारा बढ़ाई जानी है जिसके लिए उन्होंने समय मांगा है। इसके बाद कोर्ट ने आगामी 9 अगस्त की तारीख नियत कर दी है।

महिला ने चट्टा संचालक पर लगाया मारपीट का आरोप

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

रावतपुर हाउसिंग सोसाइटी आवास विकास में रहने वाली स्नेहलता शुक्ला ने उनके पड़ोसी सुनील यादव और धमेन्द्र पाल पर अवैध रूप से चट्टे का संचालन करने के कारण गोबर और बदबू फैलने का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए घर में घुसकर हमला करने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता स्नेहलता शुक्ला ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि सुनील यादव और धमेन्द्र पाल अवैध रूप से चट्टे का संचालन कर रहे हैं, जिससे उनके घर के बाहर गोबर और बदबू फैल रही है। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो सुनील यादव, धमेन्द्र पाल, सुभाष, सुमित, भीम, अभिषेक, हर्षित, अंशू, घनश्याम, व कुछ अज्ञात लोगों घर के बाहर आये और ईट पत्थर चलाने लगे। जिसके सूचना जब डायल 112 को दी तो पुलिस को आता देख यह सब चले गए। लेकिन कुछ दिन बाद सुनील यादव, आकांक्षा, अमन यादव उर्फ रवीश, संगीता यादव, धमेन्द्र पाल, अनुराग पाल, अर्पित पाल, अंकित पाल, हरिपाल पाल, मीरा पाल, अरविन्द पाल, गोविन्द पाल, सुमित यादव, भीम यादव, अभिषेक पाल, रामलखन पाल, अंशू पाल व 10-15 अज्ञात व्यक्ति लाठी-डण्डों व ईंट पत्थरों से लैश होकर घर में जबरियन घुस आये और गालियों देते जमकर मारपीट की और कपड़े फाड़ दिया। आरोपियों ने उनके घर के बाहर खड़े वाहन, गेट और अन्य चीजों को भी तोड़ दिया।

पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

थाना प्रभारी रावतपुर ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पाक्सो एक्ट के आरोपी को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

पनकी पुलिस ने गौतमबुद्धनगर निवासी वारण्टी बाबू को गिरफ्तार किया है। वारण्टी बाबू पर पाक्सो एक्ट के सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था। पनकी पुलिस ने वारण्टी बाबू को उसके घर के बाहर से गिरफ्तार किया है।

वारण्टी बाबू के खिलाफ पनकी पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने वारण्टी बाबू को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम का गठन किया था।

पुलिस टीम ने वारण्टी बाबू के घर के बाहर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद वारण्टी बाबू को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने डीसीपी सेन्ट्रल को सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल के नाम सम्बोधित ज्ञापन ए.सी.पी. स्वरूप नगर को सौंप कर दिव्यांगजन अधिनियम 2016 सभी थानों में लागू करने, थानों में रैम्प बनाने व दिव्यांग उत्पीड़न कि रिपोर्ट थानों में दर्ज करने के मांग की है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि अधिकारियों को दिव्यांगजन अधिनियम की जानकारी नही है जिसके कारण दिव्यांगजन अधिनियम के तहत दिव्यांगजन की रिपोर्ट थानों में नहीं दर्ज हो पा रही है। अधिकतर थानों में रैम्प न होने की वजह से दिव्यांगजन अपने उत्पीड़न की रिपोर्ट थानों में दर्ज करने नहीं जा पाते है। वीरेन्द्र कुमार कुमार ने कहा कि थानों में दिव्यांगजन के साथ सम्मान जनक व्यवहार होना चाहिए। सम्मान जनक व्यवहार न होने से दिव्यांगजन अपने को उपेक्षित महसूस करते हैं। पुलिस उपायुक्त (सेन्ट्रल) ने सभी मांगों पर कार्यवाही करने का भरोसा दिया है।

ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के जिला अध्यक्ष अलावा राहुल कुमार, प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी, अल्पना कुमारी, गुड्डी दीक्षित, वैभव दीक्षित, तृप्ति खरे, सीमा कुशवाहा, याश्मीन, सरला, जौहर अली आदि शामिल थे।

कांग्रेसियों ने किया पुष्पांजलि सभा का आयोजन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व बाल गंगा धर कि पुण्यतिथि पर तिलक मेमोरियल सोसाइटी के द्वारा पुष्पांजलि सभा का आयोजन अशोक लाइब्रेरी तिलक हाल में अध्यक्ष पं भूधर नारायण मिश्र कि अध्यक्षता में किया गया तथा उनके तैल चित्र पर मलार्पण उपरांत मौजूद लोगो ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

पुष्पांजलि सभा में मौजूद लोगो को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक एवं तिलक मेमोरियल सोसाइटी के अध्यक्ष पं भूधर नारायण मिश्र ने स्व बाल गंगा धर तिलक कि जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह आजादी कि लड़ाई लड़ने वालों में मजबूत स्तम्भ थे तथा शिक्षा, समाज सुधारक, एक वकील के रूप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थीं।

उ प्र कांग्रेस कमेटी के महासचिव हरप्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी अनुरणीय भूमिका रहीं स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गीता रहस्य के अलावा कई पुस्तके लिखी जो मराठी, हिंदी, अंग्रेजी में प्रकाशित हुई।

पुष्पांजलि सभा का संचालन निजामुद्दीन खा ने किया। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से इक़बाल अहमद, पवन गुप्ता आनंद मेहरोत्रा, अतहर नईम कृपेश त्रिपाठी, इखलाक अहमद डेविड संदीप शुक्ला ध्रुव नारायण तिवारी, रितेश यादव, मदन गोपाल राखरा, फहद अब्बाशी, राज कुमार यादव, वीरेंद्र चतुर्वेदी, सतीश दीक्षित, शशी कांत दीक्षित, राम चंद्र गुप्ता बैतुल खा मेवाती, पूर्व पार्षद श्रीमती सुमन तिवारी, ज़ीशान अंसारी, चंद्र मणि मिश्रा, नदीम सिद्दीकी, सैमअल लकी सिंह, आशुतोष त्रिपाठी, स्नेह लता लाल विजय गुप्ता, भूपिंदर सिंह भदौरिया, बंटू बाजपेई, सुनील ओमर, अमिताभ मिश्रा ब्रजभान राय, विजय त्रिवेदी, बाबा राकेश शुक्ला राजू कश्यप मो रफीक, मेवालाल कठेरिया अमित मिश्रा आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

छात्रवृत्ति योजना परिक्षा के लिए पांच अगस्त से होंगे प्रारम्भ

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2025- 26 प्रदेश के सभी जनपदों के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर 10 नवंबर 2024 को आयोजित की जाएगी। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन 5 अगस्त से प्रारंभ होकर 5 सितंबर तक किए जा सकेंगे। परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम से किए गए आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। मंडलीय मनोविज्ञान केंद्र के मंडलीय मनोवैज्ञानिक डॉ.नरेश चंद्र ने बताया कि इस छात्रवृत्ति योजना मे सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थी को शैक्षिक सत्र 2023 -24 में कक्षा 7 की परीक्षा न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की होनी चाहिए जबकि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए पांच प्रतिशत की छूट मान्य है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2025-26 में सम्मिलित होने से संबंधित जानकारी वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम्य विकास मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के सभी पदों पर निर्विरोध हुआ निर्वाचन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

उत्तर प्रदेश ग्राम्य विकास मिनिस्टीरियल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश कानपुर नगर का द्विवार्षिक अधिवेशन/चुनाव विकास भवन सभागार रावतपुर में शुक्रवार को मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी गजेन्द्र प्रताप सिंह की उपस्थिति में कराया गया। चुनाव अधिकारी राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने बताया कि ग्राम्य विकास मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। जिसमें नीलम तिवारी अध्यक्ष, प्रमोद कुमार कुरील मन्त्री, अजय श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शिव सिंह उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष मनीष गौतम, प्रचारमन्त्री फूल कुमारी, संगठन मन्त्री अरविन्द कुमार त्रिपाठी, संयुक्त मंत्री प्रशांत पाठक व सांस्कृतिक मन्त्री सुमित निर्वाचित हुए।

सभी निर्वाचित लोगों को जिला विकास अधिकारी ने शपथ ग्रहण कराई। इस अवसर पर मुख्य रूप से विकास अस्थाना, शरद मिश्रा व सुशील चन्द्र श्रीवास्तव मौजूद रहे।

फास्ट फॉरवर्ड

करंट लगने से युवक की हुई मौत

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ई-रिक्शा चार्ज करने के दौरान करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है। इस दौरान घटना की जानकारी कल्याणपुर पुलिस को दी जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच शव की जांच पड़ताल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

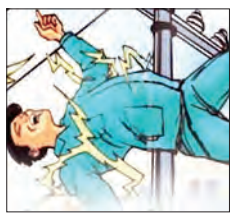

बारासिरोही निवासी प्रमोद कुमार पाल (36) ई रिक्शा चालक है परिवार में पत्नी व तीन बेटी है प्रमोद कुमार ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता था रोजाना कि तरह वह शुक्रवार की सुबह ई रिक्शा चार्ज कर रहा था बैटरी फुल चार्ज होने के बाद उसने तार हटाई इसी दौरान पैर फिसल गया और वह घर में बनी नाली पर गिर गया अचानक से बैटरी चार्ज की तार उसके ऊपर गिर गई करंट लगने से वह तड़पने लगा परिजनों ने यह घटना देख आनन फानन में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई वहीं परिजनों ने 112 नंबर डायल कर दी जानकारी मिलने पर कल्याणपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच शव की जांच पड़ताल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मोटर साइकिल चालक पर मुकदमा

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। कल्याणपुर थाने एक दुर्घटना के मामले में न्यायालय के आदेश पर मुक़दमा दर्ज किया गया है। वादी सुनीता पत्नी रंजीत कुमार ने अपने पति के साथ हुई दुर्घटना के संबंध में न्यायालय से कल्याणपुर थाने में मुकदमा दर्ज करने की गुहार लगाई थी। न्यायालय ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। सुनीता के अनुसार, उनके पति रंजीत कुमार 14 अगस्त 2023 को शाम लगभग 5 बजे आई.आई.टी. गेट के पास जी.टी. रोड पर खड़े थे, तभी मोटर साइकिल सं. यू.पी. 78 जी.एच. 8706 के चालक ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में रंजीत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बताया कि दुर्घटना के बाद मोटर साइकिल चालक मौके से भाग गया था और थाना कल्याणपुर में शिकायत करने के बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ था। जिसके बाद पुलिस आयुक्त कानपुर नगर को प्रार्थनापत्र भेजा था, लेकिन फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। न्यायालय ने इस मामले में थानाध्यक्ष कल्याणपुर को आदेश दिया है कि वे पीड़िता का मुकदमा मोटरसाइकिल चालक के विरुद्ध पंजीकृत करके विवेचना करें। वहीं थाना प्रभारी ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो महिलाओ की आपस मे मारपीट

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। रावतपुर थाना क्षेत्र में महिला के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला सदफ कौशर ने बताया कि वह अपने घर के गेट पर खड़ी थी, तभी रेशमा बानो ने उन्हें धक्का दिया और मारपीट की है। बताया कि यह घटना शाम 6.30 बजे की है, जब वह अपने घर के गेट पर खड़ी थीं। तभी रेशमा बानो ने उन्हें धक्का दिया और मारपीट शुरू कर दी। सदफ कौशर के अनुसार, रेशमा बानो ने उनके साथ गाली गलौज भी की और जान से मारने की धमकी दी है। इस घटना में सदफ कौशर के सीधे हाथ में चोट लग गई और सूजन आ गई। उन्होंने बताया कि यह पहली बार नहीं है, जब उनके साथ ऐसी घटना घटित हुई है। पहले भी रेशमा बानो और फैजानुल हक ने उनके साथ मारपीट और गाली गलौज की थी। सदफ कौशर ने पुलिस से शिकायत की है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गैस एजेंसी के चौकीदार को बंधक बना लुटेरों ने किया लूट कांड

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर के साढ़ में छह बदमाशो पर इंडियन गैस एजेंसी के चौकीदार को बंधक बनाकर 40 सिलेंडर समेत रेगुलेटर और गाड़ियों की बैट्री खोलकर ले जानें का आरोप लगा है। चौकीदार की सूचना पर पहुंचे एजेंसी मालिक ने साढ़ थाने पहुंचकर एजेंसी में लूट होने की शिकायत की है। मौके पर पहुंची साढ़ पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस रमईपुर जहानाबाद मार्ग पर स्थित दुकानों के सीसी टीवी कैमरे की फुटेज जांच रही है।

सिविल लाइन निवासी प्रमोद तिवारी ने शुक्रवार सुबह साढ़ थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि साढ़ थाना क्षेत्र में दौलतपुर गांव के किनारे उनकी बाला जी इंडियन गैस सर्विस के नाम से गैस एजेंसी स्थित हैं। देर रात गैस एजेंसी में चौकीदार दौलतपुर गांव के रहने वाले महादेव पाल थे, जो एजेंसी की देखरेख कर रहे है। इस दौरान एक लोडर से आए छ बदमाश गैस एजेंसी की बाउंड्री वॉल फांदकर अंदर दाखिल हुए। जिसके बाद बदमाशो की झड़प चौकीदार महादेव पाल से हुई। जिसके बाद बदमाशो ने चौकीदार को बंधक बनाकर मारपीट की है। जिसके बाद बदमाशो ने गैस एजेंसी का ताला तोड़कर अंदर रखे 40 सिलेंडर समेत (100 पीस) प्रेशर रेगुलेटर खोलकर ले गए। जिसके साथ ही बदमाशो ने गैस एजेंसी के अंदर खड़े तीन लोडरों के शीशे तोडकर तीनों गाड़ियों की बैटरी खोलकर अपने साथ लूटकर ले गए है। जैसे तैसे चौकीदार ने खुद को खोलकर मालिक को फोनकर गैस एजेंसी में लूट होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचे एजेंसी मालिक ने साढ़ थाने पहुंचकर एजेंसी में लूट होने की तहरीर दी है। जानकारी मिलते मौके पर पहुंची साढ़ पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है। साढ़ थाना प्रभारी केपी सिंह ने बताया की घटना की जांच की जा रही है। जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा। साढ़ पुलिस रमईपुर जहानाबाद मार्ग पर स्थित दुकानों की सीसी टीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। हालाकि पुलिस के साथ अभी कुछ अहम सुराग नहीं लगा है। वही पुलिस मामले का जल्द खुलासा करने का दावा भी कर रही है।

ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को मिले 500 रेनकोट

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर की कानून व्यवस्था को चुस्त दु रुस्त रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के इन प्रयासों को गति देने के लिए शहर के उद्यमी व बिजनेसमैन भी अपना पूरा सहयोग करने का जो वादा करते हैं उसे पूरा करते हैं। इसी कड़ी में शहर के उद्यमी केडीएमए स्कूल के प्रबंधक संजय कपूर द्वारा बारिश के मौसम में सिपाहियों को भीगने से बचने के लिए रेनकोट उपलब्ध कराए जाने का वादा किया गया था उस वादे कल उन्होंने पूरा किया है तथा पुलिस कमिश्नर को 500 सिपाहियों के लिए रेनकोट उपलब्ध कराए हैं। पुलिस कार्यालय में पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार को रेनकोट उपलब्ध कराते हुए संजय कपूर ने शहर की पुलिसिंग व्यवस्था को बनाने के लिए उन्हें बधाई दी साथ ही अपराधियों पर नकेल किस तरह से कसी जाए इसके लिए भी उन्होंने उनसे चर्चा की। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने बताया कि बारिश के मौसम में सिपाहियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। बारिश होने पर सिपाही भीग जाते थे तथा बीमार होते थे अब उद्यमी संजय कपूर ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर सिपाहियों को जो रेनकोट उपलब्ध कराए हैं उससे उन्हें काफी लाभ होगा और कानून व्यवस्था भी चुस्त दुरुस्त रहेगी बारिश के दौरान भी सिपाही अपने कर्तव्यों का ठीक ढंग से पालन कर सकेंगे।

प्रपत्रों की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की न वेबसाइट पर करें क्लिक

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2024 (यूपी कैटेट 2024) के माध्यम से स्नातक, परास्नातक एवं पी एचडी पाठ्यक्रमों में रिपोर्टिंग के समय प्रपत्रों को छात्रों द्वारा स्वयं भरकर साथ में लाना आवश्यक है जिससे किसी भी प्रकार की सुविधा से बचा जा सके। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलसचिव डॉ. पी.के. उपाध्याय ने कही। उन्होंने छात्रों को मूल प्रमाण पत्रों के अतिरिक्त सभी प्रपत्रों की दो-दो छाया प्रतियां रिपोर्टिंग समय अवश्य प्रस्तुत करने को कहा। विश्वविद्यालय के डॉ. खलील खान ने छात्र-छात्राओं को सलाह दी है कि सभी प्रपत्रों की आवश्यक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की निर्धारित वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उपाध्यक्ष के औचक निरीक्षण पर केडीए से भागे दलाल

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शुक्रवार को के.डी.ए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल द्वारा प्राधिकरण के समस्त कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष द्वारा प्रत्येक तल के इण्ट्री रजिस्टर का परीक्षण किया गया तथा रजिस्टर में अंकित नाम का उस अनुभाग में उपस्थित आगुन्तकों से मिलान किया गया। अनुभागों में उपस्थित व्यक्तियों की संख्या उस अनुभाग के प्रवेश द्वार पर इण्ट्री हेतु रखे रजिस्टर में दर्ज संख्या के समान पायी गयी। चेकिंग के दौरान इन अनुभागों में उपस्थित व्यक्तियों से व्यक्तिगत रूप से जानकारी की गयी कि वह किस उद्देश्य से कार्यालय आये हैं। जानकारी करने पर यह पाया गया कि इन अनुभागों में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वयं के कार्य से ही सम्बन्धित अधिकारी अथवा स्टाफ से मिलने आया है। दलाल के रूप में कार्य करने वाला कोई व्यक्ति नहीं पाया गया। प्राधिकरण अनुभागों के अतिरिक्त प्राधिकरण के परिसर के अन्दर भी निरीक्षण किया गया। यहां भी प्राधिकरण के ड्राइवर, अधिकारियों के गनर तथा प्राधिकरण के विभिन्न कार्यो हेतु आये आवंटी/आवेदक ही पाये गये। उपाध्यक्ष द्वारा निरीक्षण के दौरान समस्त कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे दलाल प्रवृत्ति के किसी भी व्यक्ति से दूरी बनाकर रखें तथा प्राधिकरण में आने वाले आवंटियों के कार्यो का ससमय निस्तारण करें।

आवारा कुत्तों के हमले से हिरन की मौत

जन एक्सप्रेस कानपुर नगर

साढ़ थाना क्षेत्र के महानीपुर गाँव किनारे घूम रहे दो हिरनो को कुत्तो ने दौडाया जिनमे से एक जान बचा कर भागा तो दूसरे को कुत्तो ने शिकार बना लिया जिससे उसकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

शुक्रवार दोपहर के समय दो हिरन गाँव किनारे घूम रहे थे तभी आवारा कुत्तों की नजर हिरणों पर पड़ गई तो कुत्तो ने दौड़ाना शुरू कर दिया कुत्तो के दौड़ाने पर एक हिरन जान बचाते हुए जंगल की ओर भाग गया और दूसरा हिरन साथी कुत्तो के झुंड में फस गया जिसे कुत्तो ने शिकार बनाते हुए उसके गुतांग को नष्ट कर दिया जिससे हिरन की मौत हो गई ।

लोगो ने काफी बचाने की कोशिश की लेकिन हिरन की जान न बच सकी मामले की जानकारी संबधित विभाग को दी गई तो मौके पर पहुची अधिकारियों ने हिरन के शव को कब्जे में लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आशुलिपिको का व्यक्तिगत सहायक ग्रेड 2 के पद पर हुआ प्रमोशन

जन एक्सप्रेस । प्रदीप शर्मा। उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग में विभागीय चयन समिति के माध्यम से 437 आशुलिपिको का व्यक्तिगत सहायक ग्रेड 2 के पद पर प्रमोशन हुआ। उत्तर प्रदेश राज्य कर वैयक्तिक सहायक आशुलिपिक सेवा संघ कानपुर से प्रदेश महामंत्री आर.के.पाल ने बताया कि प्रांतीय कार्यकारणी एवं संपूर्ण जोनल कार्यकारिणी के सहयोग एवं प्रयासों से प्रमोशन समय से हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य कर विभाग में आशुलिपिक संवर्ग के विभाग के इतिहास में इतनी बड़ी पदोन्नति कभी नहीं हुई। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कानपुर नगर के पदाधिकारी एवं राज्य कर विभाग के जोनल कार्यकारिणी के पदाधिकारी द्वारा प्रमोशन पाने वाले साथियों को बधाई दी गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रोहित शर्मा, सुरेश कुमार, अंकित कुमार, दीपिका पाल, शैफाली बाजपेई, अंकिता दीक्षित, संदीप यादव, मनोज कुमार, सुशील पाल, प्रवीण उमराव,अंकित कुमार, संगम कुमार,सत्येंद्र साहू, आयुष उमराव, आदर्श सिंह, अंजना सिंह आदि मौजूद रहे।

संजय गांधी अस्पताल में गरीब जनता से हो रही धन की उगाही

- बेटे के इलाज के लिए अस्पताल का ही सफाई कर्मी पैसों के लिए मोहताज
- संजय गांधी अस्पताल के ट्रस्टी है राहुल गांधी

जन एक्सप्रेस। अमेठी

संजय गांधी अस्पताल को लेकर अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी यह कहा करती थी की गांधी खानदान ने इस अस्पताल को अमेठी की सेवा के लिए नहीं बल्कि धन कमाने की नियत से खोल रखा है। जो आज उनका बयान सही साबित हो रहा है। संजय गांधी अस्पताल हो कर लौटे लोगों की मानें तो गेट से ही जाने वाली गरीब जनता से धन की उगाई शुरू हो जाती है।अंदर तमाम सारी जांचों और वहां के चार्ज की तुलना यदि बाहर से की जाए तो दो गुना का फर्क नजर आता है। वहीं जांच बाहर के प्राइवेट क्षेत्र मेंएक सौ रूपए में होती है। तो संजय गांधी अस्पताल उसे दो सौ रूपए में करता है। संजय गांधी अस्पताल के हुक्मरान यह दावा करते हैं, कि गरीब जनता और गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों का वह निशुल्क इलाज करते हैं। राहुल गांधी लोकसभा में दलितों पिछड़ों शोषितों की बात करते हैं। लेकिन संजय गांधी अस्पताल जो उनकी संस्था कही जाती है, वहां गरीब जनता को इलाज के नाम पर ठगा जाता है। अस्पताल अपने ही सफाई कर्मचारी के बेटे के इलाज के लिए तैयार नहीं है। अस्पताल को पैसा चाहिए। जिस व्यक्ति ने अपना जीवन संजय गांधी अस्पताल को समर्पित कर दिया। उसे पन्द्रह दिन की ड्यूटी दी जाती है। और सूत्रों के मुताबिक उसे 4500 से 5000 रुपए तक वेतन दिया जाता है। जिसमे उसे अपना परिवार चलाना है। परिवार का इलाज कराना है। जीवन यापन करना है।यह कोई कल्पना नहीं है। हकीकत है।

पहली अगस्त गुरुवार को संजय गांधी अस्पताल का एक सफाई कर्मचारी जिसका नाम दिलीप

कुमार है, अमेठी के जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि के पास पहुंचता है। और बताता है कि उसका बेटा संजय गांधी अस्पताल में जीवन मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। उसके पास पैसे नहीं है। और पैसे के अभाव में इलाज नहीं हो पा रहा है। संजय गांधी अस्पताल में पैंसठ हजार का बिल बना दिया गया है। और कहा गया कि पहले पैसा जमा करो फिर इलाज होगा। उसकी बात सुनकर राजेश अग्रहरी दंग रह गये कि अस्पताल अपने ही सफाई कर्मचारी के बेटे के इलाज के लिए पैसे मांग रहा है। तो उन्होंने संबंधित डाक्टर से बात की। और पीड़ित की बात सही निकली। उन्होंने तत्काल दिलीप के बेटे के इलाज के लिए मदद की।अब अमेठी में कांग्रेस का सांसद है। संजय गांधी अस्पताल कांग्रेस की संस्था है। इसके बाद भी संजय गांधी अस्पताल के कर्मचारियों को अपने बेटे के इलाज के लिए बाहर निकल कर मदद मांगनी पड़ रही है। यह एक बड़ा सवाल है! क्या संजय गांधी अस्पताल की स्थापना जनता की सेवा के लिए हुई है? अथवा अमेठी की गरीब जनता की जेब काटने के लिए हुई है। और आज उसका प्रमाण दिलीप कुमार है। दिलीप कुमार ही नहीं, ऐसे तमाम सारे लोग हैं जो प्रतिदिन अस्पताल मे लूट का शिकार बन रहे हैं।

सीएम के निर्देश पर राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य ने दुष्कर्म पीड़िता से की मुलाकात

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने शुक्रवार को यहां जिला महिला चिकित्सालय में दुष्कर्म पीड़ित बालिका से मुलाकात की। उन्होंने बच्ची का हाल-चाल जाना तथा उसके परिजनों से विशेष मुलाकात करते हुए उनको पूर्ण न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 12 वर्षीय की बालिका के साथ दरिंदगी की गई है, जो की निंदनीय घटना है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित बच्ची की मां से लखनऊ में मुलाकात करते हुए उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया है। वहीं राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य को तत्काल पीड़ित बच्ची से मिलने और वर्तमान स्थिति की समीक्षा के निर्देश दिये, जिसके बाद आयोग की सदस्य अयोध्या पहुंचीं।

दरिंदों को मिलेगी कड़ी से कड़ी सजा

आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने बताया कि परिजनों द्वारा उन्हें अवगत कराया गया है की बच्ची अक्सर खेतों में काम करने जाती थी। बहला फुसला कर उसके साथ हैवानियत की गई है। दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, इसके लिए आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। इसको लेकर जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा भी हमें आश्वस्त किया गया है। गौरतलब है कि अयोध्या के पूरा कलंदर थानाक्षेत्र में घटी इस शर्मनाक घटना में पिछड़ा वर्ग की 12 वर्षीय बच्ची के साथ सपा नेता मोईन खान और उसका नौकर राजू आरोपित हैं। इनपर बच्ची से दुष्कर्म और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप है।

बच्ची की सुरक्षा का रखा जाएगा विशेष ध्यान

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया की सर्वप्रथम पीड़िता को जनरल वार्ड से प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया जाए तथा किसी भी अनजान व्यक्ति को उससे मिलने ना दिया जाए। उन्होंने जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से कहा कि पीड़िता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय एवं उसके आवास पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं।

जिला चिकित्सालय में स्थापित होंगे डेंटल लैब, बनेंगे दांत-डेंटल मरीजों को बड़ी सौगात

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

देश में अबतक किसी भी सरकारी अस्पताल में डेंटल लैब नहीं था, जिसे सरकार ने प्राथमिकता में रखते हुए उत्तर प्रदेश के 18 मंडल के जिला अस्पताल में पहली बार डेंटल लैब बनाने का निर्देश दिया है। इसी कड़ी प्रदेश के सभी 18 मंडल के जिला अस्पतालो में डेंटल लैब बनाने की पहल शुरू कर दी हैं जिसमें मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले अयोध्या जिला अस्पताल में भी डेंटल लैब स्थापित करने की घोषणा किया है जिसे लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया है कि जिला अस्पताल में लैब हेतु स्थान चिन्हित कर तत्काल लैब बनाने की व्यवस्था करें। यही नहीं लैब सुचारू रूप से क्रियाशील करने के लिए लैब का संचालन करने के लिए समुचित स्टाफ की तैनाती की भी व्यवस्था कराएं। इसी कड़ी में गुरुवार को सीएमओ अयोध्या डॉ. संजय जैन जिला चिकित्सालय पहुंचकर लैब हेतु स्थान चिन्हित कर सीएमएस डॉ. उत्तम कुमार को जल्द

ही लैब बनाने के निर्देश देते हुए सभी प्रक्रिया पूर्ण कर सूचित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं जिला चिकित्सालय में तैनात डेंटल विशेषज्ञ डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि इससे पूर्व किसी भी राज्य के सरकारी अस्पतालों में डेंटल लैब नही थे पर अब लैब बनाने से दांत के मरीजों को जो दांत बनवाने के लिए बाहर का रुख करना पड़ता था जिसके लिए उन्हें खासी रकम भी खर्च करना पड़ता था अब उन्हें सरकारी खर्च में ही मुंह के सभी दांतो का निर्माण लैब में ही कर मरीजों को लगाया जा सकता हैं। सरकार की इस पहल से जिले की जनता में काफी खुशी भी देखने को मिल रहा हैं। इस लैब में मुंह के सभी 32 दांतो का निर्माण किया जा सकेगा और जरूरत मंद को लगाया जाएगा। उक्त विषय पर जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. उत्तम कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य महकमे के निर्देश पर जल्द ही अस्पताल परिसर में ही एक डेंटल लैब का निर्माण किया जाएगा, जिसमें अब मरीजों को कम खर्च में ही दांत लगाने की व्यवस्था होगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल इसके लिए अभी किसी भी प्रकार का शुल्क निर्धारित नहीं किया गया हैं जैसे ही ऐसा कोई निर्देश होगा तो वह सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

अवनीश दीक्षित की रिहाई को लेकर इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस ने दिया ज्ञापन

जन एक्सप्रेस। अयोध्याधाम

इंडियन कौंसिल आफ प्रेस के बैनर तले पत्रकारों ने सिटी मजिस्ट्रेट राजेश तिवारी से मिलकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि बढ़ते अपराधों पर रोक लगा पाने मे असफल कानपुर पुलिस द्वारा पत्रकारों का मनोबल तोड़ने के लिए फर्जी मुकदमा बनाकर पत्रकार अवनीश दीक्षित को फंसा गया है। इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस संगठन इस घटना की निंदा करता है हम लोग यह मांग करते हैं कि प्रकरण के संबंध में पत्रकार अवनीश दीक्षित को तुरंत रिहा किया जाए और निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दी जाए इस मौके पर जिला अध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव ने कहा की पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न पर रोक लगाई जाए वही प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव ने कहा संगठन पीड़ित परिवार के साथ है और पीड़ित की रिहाई के लिए मांग करता रहेगा। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव सुबोध श्रीवास्तव, संरक्षक कुशल चंद्र मिश्र, राजेंद्र दुबे, नवनीत कौशल, अमित कुमार, लव पांडेय, अरविंद गुप्ता, ब्रजेश सोनकर, मो गुलजार,नरेंद्र मिश्रा, के साथ दर्जनों की संख्या में इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस के पदाधिकारी एवम पत्रकार शामिल रहे।

भ्रष्टाचारी के 'मददगार' बने 'कृषि विभाग' के साहब: शिवेंद्र सिंह

जन एक्सप्रेस। पूरा बाजार - अयोध्या

विकास खंड पूराबाजार में शुक्रवार को आयोजित मिनी किट बीज वितरण कार्यक्रम को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। जिला प्रमुख संघ अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि गोदाम इंचार्ज राम यश गुप्ता ने बिना किसी किसान को सूचित किए, अपने चहेते किसानों को ही बीज वितरित किए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने जिला कृषि अधिकारी ओपी मिश्रा से पहले भी शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। शिवेंद्र सिंह का कहना है कि मिनी किट वितरण कार्यक्रम में केवल ज्वार, बाजरा और रागी के बीज ही वितरित किए गए, जबकि विभाग ने सभी प्रकार के दलहनी, तिलहनी और श्री अन्न (मिलेट्स) के मिनीकिट का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। कृषि गोदाम इंचार्ज राम यश गुप्ता ने अपने मनमाने तरीके से केवल कुछ किसानों को बीज वितरित कर कोरम को पूरा किया और कुछ किसानों को अरहर के बीज दिए जाने की बात कहकर अंगूठा लगवाया। राम अवतार, प्रदीप, बंसीलाल, राम जन्म, सुरेश ने बताया कि हम लोगों को अरहर का बीज कहकर अंगूठा लगवाया गया और बाद में सावां और कोदौ का बीज दे दिया गया किसानों ने इस मुद्दे पर नाराजगी जताई है।

7, 8 सितम्बर को अवध विवि. में होगी इण्टरनेशनल कांफ्रेंस

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में सितम्बर माह में संस्टेनेबल प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग विषय पर इण्टरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित होगा। 7, 8 सितम्बर को भारत सरकार के सहयोग से विश्वविद्यालय व ऑफसेट प्रिंटिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित कांफ्रेंस में विदेशों के कई प्रतिनिधिगण शामिल होंगे। इसके अलावा भारत के 60 से अधिक विशेषज्ञों का जमावड़ा विश्वविद्यालय में होगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर गुरूवार को दोपहर में मदन मोहन मालवीय केन्द्रीय पुस्तकालय में ऑफसेट प्रिंटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो0 कमल चोपड़ा व पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला के बीच कांफ्रेंस की तैयारियों को लेकर वृहद चर्चा की गई। प्रो0 चोपड़ा ने बताया कि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय इण्टरनेशनल कांफ्रेंस में 7, 8 सितम्बर को इंडोनेशिया से अहमद नुरानी, नेपाल से बिष्णु तिवारी, श्रीलंका से अनिल करियावासन व पिटर डेकर, बंग्लादेश से हसीना नेवाज, जुल्कर साहीन, सीएन अशोक, दीपेन्दु चौधरी, बीर बहादुर सिंह सहित भारत के 60 से अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्रिंटिंग के विद्वानों के साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद व छात्र-छात्राएं रहेंगी। इस बैठक में प्रो0 गंगाराम मिश्र, प्रो0 नीलम पाठक, डॉ0 विनोद चौधरी, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 महिमा चौरसिया, डॉ0 अरविन्द वाजपेयी, डॉ0 सुधीर सिंह, डॉ0 संजीव श्रीवास्तव, डॉ0 रूद्र प्रताप, हिमांशु तिवारी सहित अन्य कांफ्रेंस के पदाधिकारी मौजूद रहे।

फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज में स्मार्टफोन पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी स्मार्टफोन / टैबलेट वितरण योजनान्तर्गत स्थानीय फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज रायबरेली में कालेज प्रबंध मंत्री इंजी. अतुल भार्गव व कालेज प्राचार्य प्रो मनोज कुमार त्रिपाठी के कर कमलों से परास्नातक मनोविज्ञान अर्थशास्त्र संस्कृत व बी. एस. सी. के छात्र/छात्राओं को टेबलेट वितरण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। परास्नातक मनोविज्ञान के छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन/ टैबलेट वितरण डा शामिनी श्रीवास्तव डॉ सोनम डा विष्णु शरण डा शुभम खरवार डॉ राजेंद्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। अर्थशास्त्र विभाग के

परास्नातक छात्रों को स्मार्टफोन टैबलेट वितरण प्रो अरविंद प्रकाश, प्रो शैलेन्द्र त्रिपाठी द्वारा तथा संस्कृत विभाग के परास्नातक के विद्यार्थियों को स्मार्टफोन टैबलेट वितरण डॉ विभा मिश्रा प्रो संजय सिंह व डॉ दब्बे भारती आदि द्वारा किया गया। बी. एस. सी. के छात्र/छात्राओ को स्मार्टफोन डॉ. पुनीत गुप्ता, डॉ. धनंजय सिंह, डॉ गुलाब सिंह, डॉ. बिजेंद्र आदि प्रोफेसर्स व तकनीकी सहायक शुभांषी व अरविंद कुमार आदि द्वारा स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

''कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर मनोज कुमार त्रिपाठी ने यह भी सूचना दी की अन्य विभागों के छात्राएं अपने विभाग से संपर्क स्थापित कर अपने स्मार्टफोन वितरण की तिथि सुनिश्चित करके अपना टैबलेट/ स्मार्टफोन शीघ्र प्राप्त कर लें।''

-डा. आजेन्द्र प्रताप सिंह
मीडिया प्रभारी फीरोज गांधी कॉलेज रायबरेली।

विकास भवन में स्थित कार्यालयों का जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। अमेठी

जिलाधिकारी निशा अनंत ने शुक्रवार को विकास भवन में स्थित सभी कार्यालयों का स्थलीय निरीक्षण कर शासन द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा किया।

तथा सभी अधिकारियों को नियमित रूप से अपने-अपने कार्यालय में बैठने एवं योजनाओं का सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, डीपीआरओ मनोज त्यागी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने विकास भवन में स्थित पंचायती राज विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, लघु सिंचाई, मनरेगा, डीआरडीए,

समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण कर अभिलेखों के रखरखाव का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को कार्यालय में पर्याप्त साफ-सफाई रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने उपस्थित सभी अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालय में नियमित रूप से बैठने, जनता की समस्याओं को सुनने तथा उनका समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी के निर्देश पर समस्त उप जिलाधिकारियों द्वारा भी विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया गया। एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से करें आच्छादित: डीएम

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

रायबरेली जिला श्रम बंधु की बैठक बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में हुई बैठक में श्रम बंधु के सदस्यों ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाए उपलब्ध कराने में प्रायः देरी की जाती है। जिस पर जिलाधिकारी ने श्रम विभागके अधिकारियोंको फटकार लगाते हुए कहा कि श्रमिक बंधुओं को मिलने वाली सरकारी योजनाओं से ना केवल आच्छादित किया जाए अपितु उनका गोल्डन कार्ड भी बनाया जाए। जिससे कि उनको स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि जिन भी कल कारखानों,ईंट भट्ठे आदि औद्योगिक संस्थाओं में श्रमिक कार्य कर रहे है। उनकी समय-समय पर मॉनिटरिंग भी की जाए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि श्रमिकों के अधिकारों का हनन ना हो। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि कार्यस्थल पर दिव्यांग हुए श्रमिकों को समय से मुआवजा दिया जाए श्रमिकों की भुगतान राशि आरटीजीएस के माध्यम से सीधे उनके खाते में हो। यह सुनिश्चित हो कि श्रमिकों को निर्धारित न्यूनतम मजदूरी अवश्य मिले।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, ई ओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, सहायक श्रम आयुक्त आरएल स्वर्णकार के अतिरिक्त जिला श्रम बंधु के सदस्यगण उपस्थित रहे।

कहां हैं पीडीए का नारा देने वाले, भदरसा में और भी लड़कियों से हुए दुष्कर्म: अभय सिंह

जन एक्सप्रेस/अयोध्याधाम। सपा के पीडीए पर उठाए सवाल, कहा क्या यही पीडीए है, क्या निषाद समुदाय पीडीए में नहीं आता है, आज पीडीए का कोई भी व्यक्ति इस बालिका के साथ नहीं है, अभय सिंह ने कहा, 12 वर्ष की बालिका के साथ दरिंदगी की गई है, आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है, मुख्यमंत्री ने भी सदन में यह बात कही है, इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी,ये बच्ची खेतों में काम करने जाती थी, बहला फुसला कर उसके साथ हैवानियत की गई, दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, जिला प्रशासन इस बात का पता करें कि उनके पास कौन सी अवैध प्रॉपर्टी है, कौन सा धंधा करते थे यह लोग, यह भी पता चला है यह पहली लड़की नहीं है इसके पहले भी कई लड़कियां दुष्कर्म का शिकार हुई है, इन आरोपियों ने कई लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया है, इस मामले को दबा दिया गया, उनकी शिकायत सुनी नहीं गई, पीडीए वाले लोग थे, क्या निषाद समुदाय पीडीए में नहीं आता है।

घर के नजदीकी डाकघर में बनवाएं आधार: डाक अधीक्षक

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

डाक अधीक्षक डाकघर मण्डल राकेश कुमार अवस्थी ने अवगत कराया कि रायबरेली मण्डल में आधार पंजीकरण एवं नवीनीकरण हेतु रायबरेली के निवासियों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होने यह भी अवगत कराया कि आधार पंजीकरण एवं नवीनीकरण के लिए पूरे रायबरेली डाक मण्डल में विभिन्न आधार केंद्र संचालित हैं जिनमें समस्त नागरिकों के लिए आधार पंजीकरण एवं नवीनीकरण किया जा रहा है। इसके लिए प्रधान डाकघर रायबरेली में आकर परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। रायबरेली के अतिरिक्त आधार सेवाएँ फुरसतगंज, लालगंज, मुराई का बाग, नसीराबाद, परशदेपुर, सरेनी, जायस, सलोन, आईटीआई, डीह, सेमरौता, शिवगढ़, मुस्तफाबाद, महाराजगंज, रेल कोच फैक्ट्री, गुरबक्सगंज, बछरावा, जगतपुर, तिलोई उपडाकघर आधार केन्द्रों में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 5 वर्ष तक की उम्र के बच्चो के लिए चिन्हित उप डाकघर एवं शाखा डाकघर के पोस्टमैन एवं सहायक शाखा डाकपाल इस कार्य के लिए अधिकृत किए गए हैं। जिनके माध्यम से घर बैठे ही 5 वर्ष तक के बच्चो का आधार पंजीकरण कराया जा सकता है। इसके लिए डाकघर की Post info app द्वारा घर बैठे सेवा प्राप्त की जा सकती है। यद्यपि आमजन की समस्याओं को देखते हुए एवं सुचारू रूप से आधार अद्यतन एवं नए आधार बनने की सहूलियत के लिए अधीक्षक डाकघर ने घंटाघर रायबरेली में आधार का एक और काउंटर चालू करवा दिया है।

संकल्प दिवस के रूप में मनायी गयी उमराई यादव की 52वीं पुण्य तिथि

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी श्रीमती उमराई यादव की 52वीं पुण्य तिथि संकल्प दिवस के रूप में जलकल विभाग कैनाल रोड रायबरेली में प्रकाश चेतना समिति के तत्वाधान में मनायी गयी। इस अवसर पर फलदार एवं सायादार पौधे भी रोपित किये गये। बाद में एक गोष्ठी का आयोजन सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश चन्द्र पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संचालन उमराई यादव के कनिष्ठ पुत्र एवं सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओपी यादव ने किया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के चेयरमैन शत्रोहन सोनकर ने कहा कि देश से ब्रिटिश हुकूमत को हटाने के लिए उमराई यादव ने 12 वर्ष की उम्र में तिरंगा थामा था और वानर सेना में शामिल होकर जेल गयी थी। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष इं. वीरेन्द्र यादव ने कहा कि उमराई यादव के पिता महावीर यादव 7 जनवरी 1921 को मुंशीगंज गोलीकांड में घायल हुए थे और जेल गये थे। नगर पालिका परिषद के पूर्व चेयरमैन हाजी मो0 इलियास ने कहा कि जिस उम्र में लड़कियाँ गुड्डे-गुड़िया का खेल खेलती हैं, उस उम्र में आन्दोलन करना देश के लिए गौरव की बात है। श्रमिक संघ के

जिलाध्यक्ष पं0 वी.के. शुक्ला ने कहा कि उमराई यादव के ससुर सद्धू प्रसाद यादव, सास श्रीमती इंदिरा यादव एवं 9 वर्षीय पति 6 जनवरी 1921 को उन्डवा ग्राम थाना जगतपुर से किसान आन्दोलन में जेल गये थे। शिक्षाविद् डा0 शशिकांत शर्मा ने कहा कि पूर्वजों को स्मरण करने से हम सभी को नयी ऊर्जा एवं प्रेरणा मिलती है। सपा महामंत्री अरशद खान ने कहा कि उमराई यादवमहिला सशक्तिकरण की एक मिसाल थीं।

डीह व्यापार मण्डल के अध्यक्ष पवन अग्रहरि ने कहा कि उमराई यादव के तीन पुत्र रामनरेश यादव, स्व0 रामबहादुर यादव, ओपी यादव एवं एक पुत्री राजकुमारी यादव है। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री विजय बाजपेयी ने कहा कि उमराई यादव 2 अगस्त 1972 को ब्रह्मलीन में विलीन हो गयीं, तब से प्रत्येक संकल्प दिवस के रूप में उनकी पुण्यतिथि संकल्प दिवस के रूप में मनायी जाती है। समाजवादी अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि उमराई यादव के नाम पर एक इण्टरमीडिएट कालेज चल रहा है।

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

लखनऊ एक्सप्रेस

तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	33°C	27°C
कानपुर	33°C	27°C
देहरादून	31°C	25°C
नई दिल्ली	33°C	27°C

www.janexpresslive.com/epaper हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस। लखनऊ । शनिवार । 03 अगस्त 2024

गांवों के ओपन जिम साकार करेंगे 'कैच देम यंग' का सपना

- अनुपूरक बजट में भी जिम के लिए 100 करोड़ का प्रावधान
- 7 साल में खेल क्षेत्र का हुआ कायाकल्प
- बदलाव का होगा दूरगामी और बहुआयामी असर

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

खेलों में भी उत्तर प्रदेश सिरमौर बने। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की मंशा है। इसके लिए सबसे प्रभावी फॉर्मूला है, कैच देम यंग। मसलन बचपन से होनहार प्रतिभाओं को पहचानकर उनको उसी तरह की बुनियादी सुविधाएं, प्रशिक्षण और एक्सपोजर दिलाना। इसमें गांव गांव में खुलने वाले ओपन जिम की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसीलिए अनुपूरक बजट में भी सरकार में ग्रामीण क्षेत्रों में ओपन जिम खोलने के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। ओपन जिम में ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाएं निखरेंगीं वहीं सरकार द्वारा संचालित खेलो इंडिया सेंटर और सभी सुविधाओं से आवासीय स्पोर्ट्स कॉलेज में इंटरनेशनल स्तर के कोच के प्रशिक्षण से इनको और निखारा जाएगा। सरकार एक जिला एक खेल वन डिस्ट्रिक्स,वन स्पोर्ट्स पर भी गंभीरता से काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि हर जिले में कुछ खास खेल अपेक्षाकृत अधिक प्रचलित होते हैं। संबंधित जिले में उन खेलों को खास प्रोत्साहन देने और उसी अनुसार बेहतरीन बुनियादी सुविधाएं और प्रशिक्षण देने की भी योजना है। मेरठ में युद्ध स्तर पर बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी योगी सरकार की खेल प्रतिभाओं को निखारने में मील का पत्थर बनेगी।

सात साल में हुआ खेल क्षेत्र का कायाकल्प

सच तो यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खेलों के प्रति निजी रुचि के कारण पिछले सात वर्षों में खेल जगत का पूरा परिदृश्य ही बदल गया है। आज प्रदेश में कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, गाजियाबाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम हैं। कानपुर और लखनऊ में तो लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच भी होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में बनने वाला क्रिकेट स्टेडियम

बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश का एकमात्र स्टेडियम होगा। कुछ दिनों पहले गोरखपुर में भी इंटरनेशनल स्तर के क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की घोषणा मुख्यमंत्री कर चुके हैं। युवा खिलाड़ी नामचीन खिलाड़ियों से प्रेरणा ले सकें इसलिए उनका भी सम्मान किया जा रहा है। हाकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यान चंद के नाम से बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के बाद मुख्यमंत्री ने अनुपूरक बजट में बाराबंकी स्थित पद्म श्री बाबू केडी सिंह के बाराबंकी स्थित पैतृक निवास को संग्रहालय घोषित करना भी एक ऐसा ही प्रयास है। इस बाबत सरकार ने अनुपूरक बजट में 19.34 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया है। गोरखपुर के रामगढ़ झील में नौकायन प्रतियोगिता के लिए पूरी सुविधा मौजूद है। राष्ट्रीय स्तर की एक सफल प्रतियोगिता वहां हो भी चुकी है। खेलो इंडिया के तहत उत्तर प्रदेश इंटर यूनिवर्सिटी गेम, नोएडा में मोटो जीपी के तहत पहली बार इंटरनेशनल बाइक रेस का आयोजन इस बात का सबूत है कि उत्तर प्रदेश में खेल संबंधी सुविधाओं के विस्तार के साथ यहां का पूरा परिदृश्य बदल चुका है।

इस बदलाव का होगा दूरगामी और बहुआयामी असर

बदलाव की यह प्रक्रिया लगातार जारी है। इसके नतीजे भी दूरगामी और बहुआयामी होंगे। मसलन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों से हास्पिटलिटी और इससे संबंधित सेक्टर्स को लाभ होगा। खेल सामग्री की मांग बढ़ने से संबंधित इंडस्ट्री को भी लाभ होगा। स्थानीय स्तर पर रोजी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। युवाओं में जीत का जज्बा और अनुशासन का बढ़ना बोनस होगा।

सरकारी जमीनों का मंडलायुक्त रोशन जैकब ने किया निरीक्षण

- बीकेटी राजस्व टीम को दिए कार्रवाई के निर्देश, एसडीएम, तहसीलदार अन्य अधिकारी रहे मौजूद

जन एक्सप्रेस। पीयूष द्विवेदी

बीकेटी, लखनऊ। लखनऊ के बख्शी का तालाब तहसील क्षेत्र में अधिकांश गांवों में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। बता दें कि शुक्रवार दोपहर में मंडलायुक्त ने रामपुर देवराई,उनई गांव एवं सौतल झील का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ बीकेटी एसडीएम सतीश चंद्र त्रिपाठी तहसीलदार विजय सिंह राजस्व टीम के मौजूद रहें। आपकों बता दें कि मंडलायुक्त लखनऊ रोशन जैकब ने सौतल झील का अचानक निरीक्षण किया। क्षेत्रफल में फैली हुई है। यह झील उसरना, जलालपुर, गणेशपुर, अलदमपुर गांवों से जुड़ी है। लखनऊ मंडलायुक्त ने उपजिलाधिकारी बख्शी का तालाब सतीश चंद्र त्रिपाठी को निर्देश दिया कि इस झील से कब्जे तुरंत हटाया जाएं और जिसकी सूचना हमें दी जाए। वहीं कई बार इस झील का अधिकारियों द्वारा सीमांकन कराया गया पर इसके बाद भी सौतल झील पर कब्जा कर धान की रोपाई कर दीं गई, यह देखकर मंडलायुक्त अधिक नाराज दिखाई दीं। इस झील में प्रवासी पक्षी सारस, हंस, बगुला, कौवा व अनेक पक्षी यहां पर बसेरा लेते हैं। कई बार सरकार शासन व प्रशासन ने सौतल झील को पक्षी विहार बनाने की योजना पर यह सपना तांख पर धरा रह गया।इसके बाद मंडला आयुक्त उनाई गांव पहुंची जहां पर सरकारी जमीन का निरीक्षण किया।

नवनियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों को दिया जा रहा आधारभूत प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

केन्द्रीय सचिवालय के विभिन्न मंत्रालयों में नवनियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों को 12 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब लखनऊ में दिया जा रहा है।इन्हें %ग्रामीण लगाव एवं भारत दर्शन÷ विषय पर व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं ग्रामीण अध्ययन भ्रमण कराया जा रहा है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान के प्रभारी अपर निदेशक बीडी चौधरी ने बताया कि आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार के संघ लोक सेवा आयोग, जल संसाधन, भूतल परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग, सूचना एवं प्रसारण, संचार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस,रक्षा, नीति आयोग, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विकास, नागरिक उड्डयन, पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, कृषि एवं कृषक कल्याण, विधि मामले, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आवास एवं शहरी कार्य तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इत्यादि मंत्रालयों से सम्बद्ध सहायक अनुभाग अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।प्रशिक्षण सत्र के दौरान संस्थान के प्रभारी अपर निदेशक बीडी चौधरी द्वारा प्रतिभागी अधिकारियों को सम्बोधित करते हुये संस्थान के संस्थागत ढाँचा, संकायों से सम्बद्ध कार्यों तथा प्रशासनिक नियंत्रणाधीन प्रदेश के क्षेत्रीय ,जिला ग्राम्य विकास संस्थानों की कार्यशैली तथा प्रशिक्षण विधा के अन्तर्गत आने वाली समस्त गतिविधियों तथा प्रशिक्षकों की भूमिकाओं से, विधिवत व विस्तृत रूप से परिचित कराया गया ।प्रशिक्षण क्या है? प्रशिक्षण क्यों? प्रशिक्षण कब ? इन विषयों पर भी व्याख्यान दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान प्रदेश के विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे जनहित के कार्यों के परिप्रेक्ष्य में, यथा- ग्राम विकास, आईसीडीएस, पंचायती राज, पुलिस विभाग, वित्त विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति तथा अन्य उपयोगी विभागों से सम्बन्धित राज्य जिला स्तरीय प्रबुद्ध अधिकारियों द्वारा विभागों की कार्यशैली, योजनाएँ एवं कार्यक्रम, संसाधन तथा अधिकारियों कार्मिकों की भूमिका तथा कार्यशैली एवं ग्रामीण समुदाय हेतु उपयोगिता इत्यादि विषयों पर प्रासंगिक वार्ता प्रदान की जा रही हैं।

लखनऊ श्री हरि फिलिंग सेंटर में बड़े सुधार

नए आरटीओ के निर्देश पर अवकाश सिंह और अंकुश राय ने कराया फिटनेस सेंटर सुंदरीकरण

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

लखनऊ के श्री हरि फिलिंग वाहन परीक्षण केंद्र में हाल ही में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं, जो प्रबंधन और कर्मचारियों की समर्पण और कुशलता को दर्शाते हैं। परीक्षण केंद्र पर बेहतरीन प्रगति हासिल की गई है और यह समुदाय और हितधारकों के लाभ के लिए उल्लेखनीय है। उक्त क्रम में वाहन प्रवेश को प्रबंधित करने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया लागू की गई, जिससे भीड़ कम हुई और प्रवाह में सुधार हुआ। व्यवस्थित और कुशल वाहन निरीक्षण के लिए एक समर्पित शेड का निर्माण किया गया है। उन्नत निगरानी व्यवस्था में सुधार हेतु सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने के लिए 25× जूम के साथ स्पीड डोम पीटीजेड कैमरे स्थापित किए गए जबकि पार्किंग हेतु बेहतर संगठन और वाहन आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट रूप से चिह्नित और प्रबंधित पार्किंग क्षेत्र बनाए गए हैं।

ड्राइवर स्वास्थ्य सुविधाएं व सुरक्षा घोषणाएं

ड्राइवरों की फिटनेस और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए साथ ही ड्राइवरों को शिक्षित और सूचित करने के लिए सड़क सुरक्षा और निरीक्षण नियमों की नियमित घोषणाएं की जाती हैं। ड्राइवरों की सुविधा के लिए वाटर कूलर, बैठने की व्यवस्था और छाया से सुसज्जित आरामदायक प्रतीक्षा क्षेत्र प्रदान किए गए।

नवीनतम फैब्रिकेशन कार्य की पूर्णता

श्री हरि फिलिंग वाहन परीक्षण केंद्र में सभी फैब्रिकेशन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं। इसमें विभिन्न संरचनात्मक घटकों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण शामिल है, जो केंद्र की अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है। पार्किंग क्षेत्र की पेंटिंग की गयी। पार्किंग क्षेत्र के पेंटिंग कार्य को सटीकता के साथ पूरा किया गया है। अब पार्किंग स्थान स्पष्ट रूप से चिह्नित हैं, जो समग्र संगठन और उपस्थिति को बढ़ाते हैं। बागवानी गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे आई एंड सी वाहन परीक्षण केंद्र की सौंदर्य अपील में काफी सुधार हुआ है।

चालकों के लिए सुविधाओं में सुधार

वाहन चालकों की सुविधा के लिए भी कई सुधार किए गए हैं। चालकों के लिए ठंडी हवा के लिए कूलर और बैठने की व्यवस्था में सुधार किया गया है। वाहन चालकों के लिए प्रतीक्षालय का विकास किया गया है, जिससे उन्हें आरामदायक वातावरण में इंतजार करने का अवसर मिलता है। टोकन क्षेत्र में सड़क सुरक्षा पर जानकारीपूर्ण वीडियो और मैदान क्षेत्र में ऑडियो घोषणाएँ की जाती हैं, जिससे चालकों को सड़क सुरक्षा और ड्राइविंग निर्देशों के बारे में जागरूक किया जा सके। 100 लीटर के पानी ठंडा करने की सुविधाओं वाला आरओ लगाया गया है और विभिन्न स्थानों पर मिट्टी के घड़े रखे गए हैं, जिससे चालकों को आसानी से पानी मिल सके। फिटनेस सेंटर में कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध है, जहां चालकों को स्नैक्स और रिफ्रेशमेंट्स मिलते हैं।

विशेष शिविर: चालकों की सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए विशेष शिविर लगाए गए हैं, जिससे उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में शिक्षित किया जा सके। इन पहलों से यह सुनिश्चित होता है कि लखनऊ श्री हरि फिलिंग सेंटर में वाहन फिटनेस प्रक्रियाएं कुशल, सुरक्षित और ड्राइवर-हितैषी हैं, जिससे सभी आगंतुकों के लिए एक व्यापक समर्थन प्रणाली प्रदान की जाती है। इन सभी सुधारों का श्रेय केंद्र के प्रबंधक अवकाश सिंह और अंकुश राय को जाता है, जिनकी कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता ने इन सुधारों को संभव बनाया।

शैक्षिक आउटरीच का बेहतर प्रबंध प्राथमिकता सहायता सेवाएं

सारथी साथी पुस्तिकाएं वितरित की गईं और ड्राइवरों के कल्याण के लिए योग, व्यायाम और जीवन कौशल पर कार्यशालाएं आयोजित की गई। महिलाओं, शारीरिक रूप से विकलांग और बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए विशेष सेवाएं प्रदान की गईं ताकि उनकी पहुंच और समर्थन सुनिश्चित हो सके। वायु गुणवत्ता में सुधार और परिसर के आसपास के वातावरण को बढ़ाने के लिए इक्यावन पौधे लगाए गए।

आरक्षण कोटे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करती है निषाद पार्टी: संजय

जन एक्सप्रेस/लखनऊ। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश आरक्षण में कोटे में कोटे का निषाद पार्टी स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि आज भारत रत्न बाबा भीम राव अम्बेडकर की अवधारणा को सुप्रीम कोर्ट ने पूर्णत: धरातल पर लागू करने का आदेश दिया है। इससे भारतीय जनता पार्टी, निषाद पार्टी और मोदी, योगी की जो सोच है समाज के पिछले और निचले पायदान पर रह रहे गरीब तबके को लाभ मिले इससे वो परिकल्पना पूर्ण होगी।

मनरेगा श्रमिकों के लिए खुला सरकारी खजाना

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

- श्रमिकों का हित सर्वोपरि: केशव
- केंद्र ने जारी की 3600 करोड़ से भी ज्यादा धनराशि
- बहुत जल्द ही श्रमिकों के खाते में पहुंचेगी पारिश्रमिक की धनराशि

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि मनरेगा श्रमिकों के पारिश्रमिक का भुगतान शीघ्र ही किया जायेगा, उनके प्रयासों से भारत सरकार द्वारा पर्याप्त धनराशि उत्तर प्रदेश के लिए जारी की गयी है ।महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के मजदूरों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों के लिए एक राहत भरी खबर है। इन लोगों के बकाये का अब बहुत जल्द ही भुगतान होगा। सरकार ने उत्तर प्रदेश मनरेगा के लिए अपना खजाना खोल दिया है। श्रमांश, सामग्री और प्रशासनिक मद की बात करें ,तो केंद्र सरकार से करीब 3,667 करोड़ से भी ज्यादा की धनराशि जारी कर दी गई है। इसमें श्रमांश की बात करें ,तो करीब 2,517 करोड़ रुपए जारी किये गये हैं, सामग्री मद में 1,100 करोड़ की धनराशि जारी कर दी गई है, इसके अलावा प्रशासनिक मद हेतु भी करीब 50.41 करोड़ की धनराशि केंद्र ने जारी की है। जारी धनराशि से बकायेदारी भी दूर होगी। अब बहुत जल्द ही श्रमिकों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों तक यह धनराशि पहुंचेगी। धनराशि से जहां मजदूरों को उनका श्रमांश मिलेगा, वहीं मनरेगा में निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों को भी उनका बकाया भुगतान किया जा सकेगा। इस धनराशि के मिलने से मनरेगा कार्यों में भी तेजी आएगी। ऐसे में आपूर्तिकर्ता एजेंसियों के साथ-साथ मजदूर भी पूरी ऊर्जा के साथ मनरेगा कार्यों में अपना योगदान देंगे।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए लगातार काम कर रही है। श्रमिकों की मजदूरी उनके खाते में समय से पहुंचे, इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। मनरेगा के लिए जारी धनराशि के लिए केंद्र सरकार का श्रमिकों की ओर से आभार जताया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 26 करोड़ मानव दिवस सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक प्रदेश द्वारा 13.50 करोड़ से ज्यादा मानव दिवस सृजित कर लिये गये हैं। ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा योजना के लिए मांग के अनुरूप केंद्र द्वारा श्रमांश, सामग्री एवं प्रशानिक मद हेतु करीब 3,667 करोड़ ,जिसमें श्रमांश करीब 2,517 करोड़, सामग्री मद में 1,100 करोड़, और प्रशासनिक मद हेतु भी करीब 50.41 करोड़ की धनराशि केंद्र ने निर्गत की है। इस धनराशि से श्रमिकों का बकाया भुगतान किया जा सकेगा। बहुत जल्द ही यह धनराशि श्रमिकों और निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ता एजेंसियों तक पहुंचेगी।

कांवड़ यात्रा मार्गों, धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों में 24 घंटे होगी विद्युत आपूर्ति: शर्मा

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

- उमस भरी गर्मी में सभी क्षेत्रों और कृषि कार्यों के लिए मिले पर्याप्त बिजली
- बार-बार ट्रांसफार्मर जलने और ओवरलोड फीडर की लगातार करें निगरानी
- विद्युत कार्मिक ईमानदारी और निष्ठा के साथ करें कार्य

उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में भगवान भोलेनाथ का गंगाजल से अभिषेक करने के लिए शिवभक्त दूर-दूर से कावड़ लेकर चलते हैं, श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, कावड़ यात्रा मार्गों और प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जाए। बरसात की उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिले और कृषि कार्यों के लिए किसानों को पर्याप्त बिजली मिले, सभी क्षेत्रों को निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप बिजली आपूर्ति की जाए, अनावश्यक कटौती न हो। ट्रांसफार्मर के जलने पर निर्धारित समय पर बदलने का प्रयास किया जाए। विद्युत कार्मिक पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करें, अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से संवाद बनाए रखें, सभी के फोन उठाए, उपभोक्ताओं की समस्याओं का तत्काल समाधान करें।ऊर्जा मंत्री शुक्रवार को शक्ति भवन में विद्युत व्यवस्था और कार्यों की वर्चुअल समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिए कि बार-बार ट्रांसफार्मर के जलने, किसी एक फीडर पर बार-बार विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही, फीडर के ओवर लोड होने और लो वोल्टेज की समस्याओं की लगातार मॉनिटरिंग करें। ऐसी जगहों पर विद्युत चोरी करने, कटिया लगाने की संभावना रहती है, इसकी नियमित जांच की जाए और विद्युत चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी करें। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर जलने पर अगर उस क्षमता का ट्रांसफार्मर उपलब्ध न हो तो उससे ज्यादा क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाए, उन्होंने इसके लिए एसओपी जारी करने के भी निर्देश दिए। ट्रांसफार्मर के जलने और उसके बदलने की जानकारी को सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को उपलब्ध कराए और मुख्यालय को भी इसकी जानकारी दें। किसी फीडर में रिकॉर्ड से ज्यादा लोड होने पर तत्काल इसकी विजिलेंस जांच कराए। सभी डिस्कॉम के एमडी निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए मैनेजमेंट और प्लानिंग पर फोकस करें तथा अपनी टेक्निकल टीम को सतर्क रखें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बेहतर प्रबंधन और कार्मिकों की मेहनत के कारण ही 30 से 31 हजार से अधिक मेगावाट बिजली देने में हम सक्षम हुए हैं। फिर भी बिजली न आने की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने लोड मैनेजमेंट पर ध्यान देने तथा माइक्रो मैनेजमेंट के तहत कार्य करने को कहा। विद्युत आपूर्ति को लेकर कई जनप्रतिनिधियों ने शिकायतें की हैं, मऊ से शिकायत है की बिजली न आने से इंसुलिन के इंजेक्शन खराब हो गए। सभी डिस्कॉम अपनी क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर कार्य योजना बनाएं और उसी के तहत आरडीएसएस और बिजनेस प्लान के तहत कार्य कराए। ऊर्जा मंत्री ने मऊ जनपद में बुधवार को हुई बारिश से 152 पोल एलटी लाइन के 11 पोल एचटी लाइन के तथा एक पोल 33 केवी लाइन का गिरने की जांच कराकर संबंधित कंपनी पर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विद्युत पोल की ग्राउंडिंग ठीक से कराई जाए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसानों के निजी नलकूप संबंधी विद्युत कनेक्शन के लिए दी जाने वाली सामग्री का समय से प्रबंध किया जाए। उन्होंने एचडी मध्यांचल को निर्देश दिए कि लखनऊ की विद्युत व्यवस्था को ट्रिपिंग मुक्त बनाने के लिए समुचित प्रबंध किए जाएं। गोमती नगर, इंदिरा नगर से ट्रिपिंग की ज्यादा शिकायतें आ रही हैं, इसका भी समाधान किया जाए। उन्होंने एमडी पूर्वांचल को बनारस की विद्युत् आपूर्ति को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक दी जाने वाली विद्युत के सापेक्ष राजस्व प्राप्त करने का भी प्रयास करें, बड़े बकाएदारों से लगातार संपर्क करें, विद्युत चोरी पर पूर्ण अंकुश लगाए तभी प्रदेश की विद्युत व्यवस्था सुधरेगी। प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री नरेंद्र भूषण ने कहा कि विद्युत सामग्री की आपूर्ति करने वाली कंपनियों से लगातार संपर्क में रहे और जरूरत के अनुसार सामग्री की आपूर्ति करने का प्रयास करें। ट्रांसफार्मर जहां पर ज्यादा फुंक रहे हैं, उसका लोड चेक कराए, किसी भी ट्रांसफार्मर में 80 प्रतिशत से ज्यादा लोड आने पर वहां पर दूसरा ट्रांसफार्मर लगाने का प्रयास किया जाए। सभी एमडी अपने-अपने क्षेत्र में विद्युत कार्यों में लगी एजेंसियों और ठेकेदारों के साथ नियमित मीटिंग करें।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

क्या है भारतीय ज्ञान परंपरा

यहाँ प्रश्न यह उपजता है कि, भारतीयता क्या है?! या जब शिक्षा का भारतीयकरण ही हमारी शैक्षिक व्यवस्था की मूल आवश्यकता है तो ये शिक्षा का भारतीयकरण है क्या?! जीवन के विविध, विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयता की स्थापना या उनमें देशज तत्व को स्थापित कर देना ही भारतीयता है। इस कार्य में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका के तत्त्व का बना रहना ही शिक्षा का भारतीयकरण है। भारतीयता के अनिवार्य व मूल तत्त्व हैं, भूमि, जन, संप्रभुता, भाषा एवं संस्कृति। हमने यहाँ इन पाँच शब्दों के पूर्व भारतीय शब्द का उपयोग नहीं किया है।

इसे युगांतरकारी कदम कहा जाना चाहिये या अपनी भूमि, अपनी मिट्टी से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण व महत्वाकांक्षी प्रयास। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जिस प्रकार से भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन-अध्यापन, लेखन-पठन पर विशेष रूप से केंद्रित किया गया है वह अपने आप में स्वयं को पहचानने का एक प्रयास है। हम पिछले दशकों में अंग्रेजों की दी हुई शिक्षा पद्धति में हम स्वयं को ही भूल चुके थे। यूजीसी द्वारा नई युवा, छात्र पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने के अनेक सार्थक व सकारात्मक प्रयास किए जा रहें हैं। विगत दो सौ वर्षों में भारत में चल रही शिक्षा पद्धति ने हमसे हमारा राष्ट्रीय गौरव भाव छीनकर हमें आत्म ग्लानि, व हीनता के भाव से भर दिया था। अब विषय चाहे कोई भी हो, सभी में भारतीयता से जुड़े हुए विषयों का समावेशन आत्म गौरव के भाव को बढ़ाता है। मैकॉले की शिक्षा पद्धति से हमारी विमति-असहमति दशकों पूर्व से चल रही थी। असहमति के स्वर थे किंतु इस असहमति का निराकरण नहीं हो पा रहा था। गणित, चिकित्सा विज्ञान, योग विद्या, शस्त्र निर्माण, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, कृषि विज्ञान, कला, साहित्य, संगीत, वास्तुकला, मूर्तिकला, धातु विज्ञान, वस्त्र निर्माण, न्याय, दर्शन, खगोल विज्ञान, ज्योतिष आदि आदि कई विषयों में हमारी समृद्ध, बलशाली व गौरवशाली विरासत हमें मिली है। हमें हमारी विरासत से सतत वंचित किया गया था। शिक्षाविद् सतत इस बात को कह रहे थे कि वर्तमान शिक्षा पद्धति हमें दीन-हीन स्थिति में ले जा रही है, किंतु उनके स्वर अनसुने ही रह रहे थे। मैकॉले की शिक्षा पद्धति ने हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा को समाप्त करने के संपूर्ण प्रयास किए थे। अंग्रेजों ने ये सब इसलिए किया क्योंकि वे जानते थे कि इस ज्ञान परंपरा के प्रवाह चलते रहने से वे हमें अपना गुलाम नहीं बना पायेंगे। स्वयं के हीनता बोध को समाप्त करने हेतु भी अंग्रेजों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को नष्ट किया। स्वातंत्र्योत्तर भारत में जो कार्य सर्वप्रथम होना चाहिये थे वह अब हो रहा है। हमारी ÷स्व÷ आधारित शिक्षा पद्धति हमें अब मिल रही है। शिक्षा क्या है, शिक्षण क्या है और शिक्षकत्व क्या है? विशुद्ध भारतीयता अर्थात् सनातन स्वमेव ही शिक्षण को व्यक्त करता है। शिक्षण में शिक्षा और शिक्षकत्व के सभी तत्त्व समाहित हो ही जाते हैं। ÷ईश्वर आज्ञा देता है कि विद्वान पुरुष और स्त्रियों को चाहिए कि विद्यार्थी कुमार व कुमारी को विद्या देने के लिए गर्भ की भाँति धारण करें जैसे क्रम क्रम से गर्भ के मध्य देह बढ़ती है वैसे अध्यापक लोगों को चाहिए कि अच्छी अच्छी शिक्षा से ब्रह्मचारी कुमार व कुमारी को श्रेष्ठ विद्या में वृद्धि करें तथा उनका पालन करें वह विद्या के योग से धर्मात्मा और पुरुषार्थ युक्त होकर सदासुखी हो। ऐसा अनुष्ठान सदैव करना चाहिए÷। वैदिक वाङ्मय में शिक्षक अर्थात् आचार्य शब्द के संदर्भ में व्याख्या है- आचार्य वह जो आचरण की शिक्षा दे, सदाचार दे, दुराचार से दूर रखे। महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने शिक्षा शब्द को भी परिभाषित करते हुए कहा है - शिक्षा वह जिससे मनुष्य की आत्मा, धर्मात्मा बने, व्यक्ति जितेन्द्रिय हो। हमारी वैदिक धरोहर यजुर्वेद के छठे अध्याय के 14 वें मंत्र मे वैदिक शिक्षा पद्धति को क्रमानुसार पाठ्यक्रम रूप में रचा गया है इस मंत्र में आचार्य अपने शिष्य से कहते हैं, मैं नाना प्रकार की शिक्षाओं से तेरी वाणी को शुद्ध करता हूं, तेरे नेत्र को शुद्ध करता हूं, तेरी समस्त इंद्रियों को शुद्ध करता हूं और इस प्रकार मैं तेरे चरित्र को शुद्ध करता हूं तेरे। वस्तुतः शिष्य का जितेन्द्रिय हो जाना ही शिक्षा को आत्मसात् कर लेना ही शिक्षा में भारतीयता है। ऐंद्रिय दृष्टि से जितेन्द्रिय हो जाने को अर्थात् विवेकशील हो जाने व शुचितापूर्ण हो जाने को ही सनातन ने प्रमाणपत्र माना है।

एक्सप्रेस आलेख

भाजपा हाई कमान तथा सत्तारूढ दल शायद अब भी इस भ्रम में है कि हिंदुत्व के नाम पर वह तमाम जातियां को अपने पक्ष में गोल बंद कर लेंगी। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता क्योंकि आम आदमी और यहां तक की लाभार्थी वर्ग भी अब ना केवल सतर्क हो गया है बल्कि समझ गया है कि भाजपा तर्कों के सहारे तथा आपसे वैमनस्य के जरिए सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं। आज जो लोग यह कहते घूम रहे हैं की जातीय जनगणना से देश में सामाजिक विभेद बढ़ेगा उन्हें यह सत्य स्वीकार करना ही होगा की जाति हमारे रग रग में है, खून में है तथा हमारी पहचान भी अब जाति के आधार पर हो रही है। जाति के ही आधार पर ही चुनाव में टिकट दिए जाते हैं।

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

हर्ज ही क्या है जातीय जनगणना से?

जबसे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की मांग पुरजोर तरीके से रखी है तथा इस बात की गारंटी ली की इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर इसी लोकसभा में जातीय जनगणना का कानून पास होगा। तब से भाजपा अचानक से न केवल परेशान हो उठी है बल्कि उसके लोकसभा सदस्यों की आक्रामकता भी काफी बढ़ गई है। भाजपा की आईटी सेल बहुत ज्यादा इस समय सक्रिय हो उठा है और बार-बार एक ही सवाल उठा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जाति क्या है? अरे भाई जब जातीय जनगणना शुरू होगी तो उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपनी जाति बताएंगे, उनके मंत्री भी अपनी जाति बताएंगे और नेता प्रतिपक्ष को भी अपनी जाति बतानी पड़ेगी। तो जब सबको अपनी जाति बतानी पड़ेगी तो यह शोर शराबा क्यों? यह हो हल्ला क्यों? लोकसभा में आसंसदीय भाषा का इस्तेमाल क्यों? क्या ही अच्छा होता यदि नेता प्रतिपक्ष द्वारा उठाए गए जातीय जनगणना के मुद्दे का जवाब पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा वर्तमान सांसद अनुराग ठाकुर अपने सारगर्भित उद्बोधन में तथ्यों को आधार बनाकर देते और उनके तर्कों को खारिज करते। लेकिन उन्होने सारी संसदीय परंपराओं की ही ऐसी की तैसी करके रख दी। अनुराग ठाकुर ने अपनी पार्टी यानी सत्तारूढ दल का बचाव करते हुए जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया और राहुल गांधी से उनकी जाति तक पूछी वह किसी भी लिहाज से उचित नहीं कहा जा सकता। क्या ही अच्छा होता यदि वे सत्ता पक्ष का बचाव करते हुए जातीय जनगणना की डिमैरिट बताते, उसकी कमियां बताते लेकिन उन्होंने तो अपने पूरे भाषण में सिर्फ और सिर्फ राहुल गांधी को टारगेट किया। इससे साबित होता है कि भाजपा जातीय का जनगणना के मामले में पूरी तरह से बैक फुट पर आ गई है। यही कारण रहा कि सत्ता पक्ष के अधिकांश सदस्यों ने अपने भाषण को हिंदू और हिंदुत्व तक ही सीमित रखा क्योंकि न केवल सत्तारूढ दल भाजपा बल्कि संघ परिवार भी यह बात भली भांति जानता है कि समाज जातियों में बट गया। तो हिंदुत्व की अपनी अवधारणा तारतार हो जाएगी । यह बेचैनी और व्याकुलता भाजपा को परेशान किए हुए हैं। जबकि विपक्ष और खास तौर से कांग्रेस जातीय जनगणना को लेकर काफी एग्रेसिव है। 2024 के लोकसभा चुनाव इसका जीता जागता उदाहरण है इसमें

क्या ही अच्छा होता कि सत्तारूढ दल भाजपा पुरानी डायरी बार-बार खोलने और बार-बार खंगालने से बाज आ जाती और 11 वर्ष पहले कि नहीं बल्कि 11 वर्ष की चर्चा करती। कबीर दास ने कभी कहा था की जाति न पूछो साधु की लेकिन अब जो समय आ रहा है उसमें सबकी जाति पूछी जाएगी और सबको अपनी जाति बतानी पड़ेगी।

मतदाताओं ने हिंदुत्व को नकार दिया था और स्थानीय मुद्दों तथा महंगाई, बेरोजगारी, नौकरी, पेपर लीक आदि मसलो को सामने रखकर इंडिया गठबंधन को वोट दिया था। भाजपा हाई कमान तथा सत्तारूढ दल शायद अब भी इस भ्रम में है कि हिंदुत्व के नाम पर वह तमाम जातियां को अपने पक्ष में गोल बंद कर लेंगी। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता क्योंकि आम आदमी और यहां तक की लाभार्थी वर्ग भी अब ना केवल सतर्क हो गया है बल्कि समझ गया है कि भाजपा तर्कों के सहारे तथा आपसे वैमनस्य के जरिए सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं। आज जो लोग यह कहते घूम रहे हैं की जातीय जनगणना से देश में सामाजिक विभेद बढ़ेगा उन्हें यह सत्य स्वीकार करना ही होगा की जाति हमारे रग रग में है, खून में है तथा हमारी पहचान भी अब जाति के आधार पर हो रही है। जाति के ही आधार पर ही चुनाव में टिकट दिए जाते हैं, जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर प्रत्याशी उतारे जाते हैं तथा जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर अब अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग की जाती है। अधिकार आखिर भाजपा को क्या आवश्यकता पडी थी कि गृहमंत्री अमित शाह को बिहार की एक चुनावी रैली में यह कहना पड़ा था की पहली बार हम पिछड़े वर्ग का प्रधानमंत्री दे रहे हैं। आखिर भाजपा को क्या जरूरत आ पड़ी थी कि उसे बताना पड़ा था कि हमने पहली बार जनजाति की महिलाओं को राष्ट्रपति बनाया। पहली बार दलित को राष्ट्रपति बनाया। क्या इससे पहले भारत का राष्ट्रपति दलित नहीं हुआ था? अल्पसंख्यक नहीं हुआ था। लेकिन भाजपा को तो यह कहने की आदत हो गई है कि कांग्रेस ने 70 सालों में क्या किया? अरे माना की कांग्रेस ने 70 सालों में कुछ नहीं किया तो आप ही बता दीजिए की 10 सालों में कितनों की नौकरी गई, कितनों को मिली? महंगाई कहां तक पहुंची, बेरोजगारी की फौज कहां तक पहुंची? आदि आदि। लेकिन भाजपा तो 2024 का सपना दिखा रही है और बता रही है कि हम विकसित भारत की श्रेणी में आ जाएंगे। जबकि आज का नौजवान, आज का मजदूर, आज का किसान, आज का छात्र, आज का बेरोजगार, आज के लिए सोच रहा। उसका कहना है कि कल किसने देखा? संविधान निर्माता डॉक्टर अंबेडकर ने कहा था कि यदि आर्थिक समानता का जिक्र नहीं किया गया तो संविधान कागज का एक टुकड़ा बनकर रह जाएगा। बहुजन नायक काशीराम ने कहा था कि जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी। इन्हीं सपनों को हकीकत का जामा पहनाने के लिए इंडिया गठबंधन ने जातीय जनगणना की बात शुरू की है। क्योंकि देश आहिस्ता आहिस्ता मंडल बनाम कमंडल की ओर बढ़ रहा है और भाजपा इसकी काट के लिए हिंदुत्व का सहारा ले रही हैं। भाजपा तथा संघ परिवार यह बात भली भांति जान जानता है कि अगर जाति की आंधी ने रफ्तार पकड़ ली तो हिंदुत्व की गर्मी कम हो जाएगी। क्योंकि देश में 349 ऐसी लोकसभा सीटे है जो मंडल के अंतर्गत आती है। क्या ही अच्छा होता कि सत्तारूढ दल भाजपा पुरानी डायरी बार-बार खोलने और बार-बार खंगालने से बाज आ जाती और 11 वर्ष पहले कि नहीं बल्कि 11 वर्ष की चर्चा करती। कबीर दास ने कभी कहा था की जाति न पूछो साधु की लेकिन अब जो समय आ रहा है उसमें सबकी जाति पूछी जाएगी और सबको अपनी जाति बतानी पड़ेगी।

भाजपा तो 2024 का सपना दिखा रही है और बता रही है कि हम विकसित भारत की श्रेणी में आ जाएंगे। जबकि आज का नौजवान, आज का मजदूर, आज का किसान, आज का छात्र, बेरोजगार, आज के लिए सोच रहा। उसका कहना है कि कल किसने देखा? संविधान निर्माता डॉक्टर अंबेडकर ने कहा था कि यदि आर्थिक समानता का जिक्र नहीं किया गया तो संविधान कागज का एक टुकड़ा बनकर रह जाएगा।

एक्सप्रेस कविता

हवाएँ तेरी,शहर तेरा,मंजिल तेरी,
पल ठहर जायेंगे,मर्जी होगी तेरी।
शब्द तेरे,छंद तेरे,कविता तेरी,
गुनगुनायेंगे हम,हामी होगी तेरीद्य
आसमान तेरा,रंग तेरे,परिंदे तेरे,कई
उकेरेंगे आकृति, गर मर्जी होगी तेरी.

भाव तेरा, मन तेरा, भावनाएं तेरी,
रच लेंगे पंक्तिया, गर होगी लेखनी तेरी।
कलिया तेरी, पुष्प तेरे,उपवन तेरा,
हाथों में सजा देंगे, गर होगी मेहंदी तेरी।
कुह कुह तेरी,चह चहाहट तेरी,
खूब चहकेंगे,होगी चांदनी तेरी।
झरने तेरे,नदिया तेरी,सागर तेरे,
पी लेंगे नीर, गर नदी होगी तेरी।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

जब आप जरूरतों और चाहतों के बीच का अंतर करने में सक्षम हो जाएं और अपनी चाहतों को छोड़ने को तैयार हों

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	चतुर्दशी 15:50 तक
नक्षत्रः	पुनर्वसु 11:58 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	शनिवार
योगः	हरषाना, 11:41
सूर्योदयः	05:45
सूर्यास्तः	19:08
चंद्रमाः	कर्क राशि में
राहुकालः	09:06-10:46
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वतः	1945
मासः	सावन
शुभ मुहूर्तः	12:03-12:51

जन एक्सप्रेस

छिछालेदर हो रही !

गिरा इतना स्तर ।
क्या कुछ कहना बाकी ।।
टाय टाय फिस्स हुई ।
आपकी चालाकी ।।
कार्यशैली पल पल ।
देख रहा है देश ।।
स्वत- धीरे धीरे ।
पहुंच रहा संदेश ।।
थे बदलने आए ।
जो गड़बड़ था तंत्र ।।
उतरे बदसलूकी पर ।
कर विचरण स्वतंत्र ।।
रहा ना कुछ अब गुप्त ।
खुल गए सारे राज़ ।।
छीछालेदर हो रही ।
फिर भी पहने ताज ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

हार्ट की बीमारी में किया जाता है होल्टर मॉनिटर टेस्ट

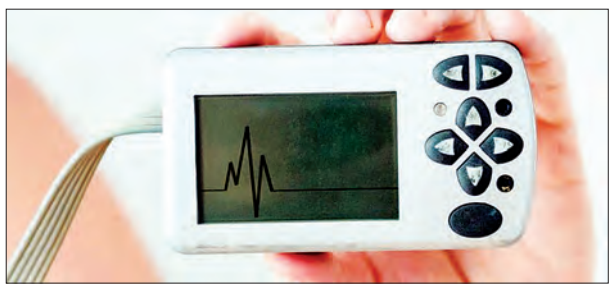

हार्ट की बीमारियों का पता लगाने के लिए कई तरह की जांच की जाती है। इसमें से ही एक टेस्ट है होल्टर मॉनिटर। कपूर हार्ट सेंटर के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ केके कपूर कहते हैं, ÷होल्टर मॉनिटर एक पोर्टेबल इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) मशीन है, जिसका उपयोग हार्ट की गतिविधि को 24 से 48 घंटों तक लगातार रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है। यह परीक्षण उन लोगों के लिए उपयोगी होता है जिनमें अनियमित हृदय धड़कन, छाती में दर्द या अन्य हार्ट से जुड़ी समस्याएं होती हैं। जब नॉर्मल ईसीजी से हार्ट की समस्याओं का पता नहीं लग पाता है, तो इस टेस्ट को कराने की सलाह दी जाती है। अनियमित हृदय धड़कन का पता लगानाः होल्टर मॉनिटर टेस्ट का सबसे आम उपयोग अनियमित हृदय धड़कन (अर्थात अतालता) का पता लगाना है, जो कभी-कभी ईसीजी के सामान्य टेस्ट में दिखाई नहीं देती है। छाती में दर्द का मूल्यांकनः यदि आपको छाती में दर्द होता है, तो होल्टर मॉनिटर टेस्ट यह निर्धारित करने में मदद कर सकता है कि यह दर्द हृदय से संबंधित है या नहीं।

दवाओं की प्रभावशीलता की जांच: यह टेस्ट यह निर्धारित करने में मदद कर सकता है कि हृदय की दवाएं कितनी अच्छी तरह काम कर रही हैं।

हार्ट की अन्य समस्याओं का निदानः होल्टर मॉनिटर अन्य हृदय समस्याओं जैसे हृदय की विफलता, हृदय की ब्लॉक और हृदय की संरचनात्मक समस्याओं के निदान में भी मदद कर सकता है।

इलेक्ट्रोड लगानाः टेस्ट के दिन, एक प्रशिक्षित तकनीशियन आपकी छाती और पेट पर छोटे, चिपकने वाले पैच (इलेक्ट्रोड) लगाएगा। ये इलेक्ट्रोड हृदय की विद्युत गतिविधि को रिकॉर्ड करते हैं।

मॉनिटर पहननाः होल्टर मॉनिटर एक छोटा, बैटरी से चलने वाला उपकरण है, जिसे आप एक पट्टी या बैग में पहन सकते हैं। यह उपकरण इलेक्ट्रोड से जुड़ा होता है और हृदय की गतिविधि को रिकॉर्ड करता है।

दैनिक गतिविधियांः टेस्ट के दौरान, आपको अपने सामान्य दैनिक गतिविधियों को जारी रखना होगा। आपको एक डायरी रखनी पड़ सकती है जिसमें आप अपनी गतिविधियों, लक्षणों और दवाओं का रिकॉर्ड रख सकें।

मॉनिटर हटानाः निर्धारित समय के बाद, तकनीशियन मॉनिटर और इलेक्ट्रोड को हटा देगा।

डेटा विश्लेषणः रिकॉर्ड किया गया डेटा एक कंप्यूटर द्वारा विश्लेषण किया जाता है। आपके डॉक्टर टेस्ट के परिणामों की समीक्षा करेंगे और आपको समझाएंगे।

होल्टर मॉनिटर टेस्ट के दौरान सावधानियां

- टेस्ट के दौरान नहाने से बचें, क्योंकि इससे इलेक्ट्रोड हट सकते हैं।
- टेस्ट के दौरान शारीरिक गतिविधियों में भाग लें, ताकि हृदय की विभिन्न स्थितियों में रिकॉर्डिंग हो सके।
- टेस्ट के दौरान किसी भी असामान्य लक्षण जैसे छाती में दर्द, चक्कर आना या बेहोशी की स्थिति होने पर तुरंत अपने डॉक्टर को सूचित करें।

एक्सप्रेस विशेष

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान और बाद में हमारे पास कुल मिलाकर चालीस लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए। पिछले सात वर्ष के अंदर लगभग करीब बीस लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने में सफलता प्राप्त हुई है। लगभग साठ लाख से अधिक नौजवानों को रोजगार से जोड़ने में मदद मिली है।

अर्थव्यवस्था और बजट

उत्तर प्रदेश उन राज्यों में है जिसने वाटरवे अथॉरिटी की स्थापना करके जलमार्गों की संभावनाओं को भी गति देने की कार्यवाही को अंजाम दिया है। नोएडा की तर्ज पर एक नया औद्योगिक शहर बसाने की कार्यवाही और बुंदेलखंड क्षेत्र के कायाकल्प की दिशा में सरकार के प्रयास का यह हिस्सा है। एफडीआई की पॉलिसी के साथ ही हमने सत्ताइस सेक्टोरल पॉलिसी भी बनाई हैं।

पारदर्शिता, समयबद्ध निर्णय लेने की प्रक्रिया, टीमवर्क कार्यों के विकेन्द्रीकरण की नीति और सकारात्मकता परिणाम होते हैं। यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अब प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्य के रूप में आगे बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। एक जनपद, एक उत्पाद' योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश में की गयी थी। प्रदेश के सभी जनपदों का एक यूनिक प्रोडक्ट है। ओडीओपी योजना ने प्रदेश के निर्यात को दोगुने से अधिक कर दिया है। उत्तर प्रदेश एक्सपोर्ट का हब बन रहा है। राज्य में डिफेंस कॉरिडोर भी आकार ले रहा है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल तथा झांसी में भारत डायनामिक्स यूनिट लग रही है। बजट में दोगुने से अधिक की वृद्धि हुई है। इस दौरान प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय दोगुने से अधिक हुई तथा जीडीपी में भी दोगुने से अधिक बढ़ोत्तरी हुई है। इस दौरान प्रदेश में बजट के दायरे को बढ़ाया गया है। यूपी सर्वाधिक एक्सप्रेस वे वाला प्रदेश बन गया है। इसके साथ ही सड़कों के निर्माण और इनके किनारे पर औद्योगिक गलियारा बनाने का भी अभूतपूर्व कार्य हुआ है। आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करके यहां के औद्योगिक विकास के लिए बेहतर माहौल तैयार किया गया है। उत्तर प्रदेश में वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिए एक रोडमैप तैयार हुआ है। प्रदेश के अंदर सभी विभागों को हमने दस सेक्टर में विभाजित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि देश को पांच ट्रिलियन की इकॉनमी बनाने का प्रधानमंत्री का जो विजन है। उत्तर प्रदेश ने भी तय किया कि हम उत्तर प्रदेश की इकॉनमी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के रूप में खुद को स्थापित करेंगे। उत्तर प्रदेश के अंदर एक्सप्रेसवे, इंटरस्टेट कनेक्टिविटी, हाईवे का एक बेहतरीन जाल बिछ चुका है। इसमें दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, दिल्ली आगरा एक्सप्रेसवे शामिल है। गंगा एक्सप्रेसवे के लिए इस सप्लीमेंट्री बजट में हमने धनराशि की मांग की है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, बलिया लिंक एक्सप्रेसवे के साथ ही हम लोग चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे पर कार्य हो रहा है। शाहजहांपुर से फर्रूखाबाद होते हुए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए एक नए एक्सप्रेसवे पर कार्य जल्द शुरू हो रहा है, जिसके लिए सर्वे पूरा हो गया है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ने की कार्यवाही को भी सरकार आगे बढ़ा रही है। लखनऊ कानपुर के बीच में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बन रहा है। चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट और ग्यारह डॉमेस्टिक एयरपोर्ट क्रियाशील हैं और बहुत जल्द ही हम लोग पांचवें इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में जेवर एयरपोर्ट को भी क्रियाशील करने जा रहे हैं। वाराणसी से हल्दिया के बीच में वाटरवे सफलतापूर्क कार्य कर रहा है, तो अयोध्या से हल्दिया के बीच में वाटरवे के सर्वे की कार्यवाही को भी हम आगे बढ़ा रहे हैं। उत्तर प्रदेश उन राज्यों में है जिसने वाटरवे अथॉरिटी की स्थापना करके जलमार्गों की संभावनाओं को भी गति देने की कार्यवाही को अंजाम दिया है। नोएडा की तर्ज पर एक नया औद्योगिक शहर बसाने की कार्यवाही और बुंदेलखंड क्षेत्र के कायाकल्प की दिशा में सरकार के प्रयास का यह हिस्सा है। एफडीआई की पॉलिसी के साथ ही हमने सत्ताइस सेक्टोरल पॉलिसी भी बनाई हैं। परंपरागत उत्पादों के लिए ओडीओपी की भी योजना लेकर आए हैं। हस्तशिल्पियों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत उनकी ट्रेनिंग कराई जा रही है। उनको प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से जोड़ने के साथ ही आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर करने की ओर कार्य हुआ है। निजी क्षेत्र में भी औद्योगिक पार्क का निर्माण हो, इसके लिए ग्यारह प्लेज पार्क के निर्माण की कार्यवाही को हम स्वीकृति दे चुके हैं। रेडीमेड गारमेंट्स के लिए एक नई योजना के साथ ही लखनऊ हरदोई के बीच में पीएम श्री टेक्सटाइल पार्क के निर्माण की कार्यवाही हो रही है, जो लगभग एक हजार एकड़ क्षेत्र में निर्मित होने जा रही है। इसमें अत्याधुनिक टेक्सटाइल तकनीक का उपयोग हो रहा है। पहले उत्तर प्रदेश का जो एक्सपोर्ट मात्र छियासी हजार करोड़ था वो आज बढ़कर दो लाख करोड़ रुपए से ऊपर का हुआ है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान और बाद में हमारे पास कुल मिलाकर चालीस लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए। पिछले सात वर्ष के अंदर लगभग करीब बीस लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने में सफलता प्राप्त हुई है। लगभग साठ लाख से अधिक नौजवानों को रोजगार से जोड़ने में मदद मिली है। लखनऊ को एआई सिटी के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

कांवड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ जा रहे दो कांवड़ियों की मौत

* दोनों कांवड़िए घाघरा नदी में जल भरने के लिए उतरे थे। इसी दौरान डूबकर उनकी मौत हो गई। दोनों सगे भाई थे। घटना की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया

खेती किसानी पर निर्भर है पूरा परिवार

अंजनी कुमार का पूरा परिवार खेती किसानी पर निर्भर है दोनों बेटे घर के काम में हाथ बंटाने के साथ मेहनत मजदूरी के लिए बाहर निकल जाते थे। दोनों बेटे पिता का सहारा थे।ग्रामीणों के मुताबिक अभी लगभग दस दिन पहले ही दोनों बाहर से घर आये थे। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कांवड़ लेकर छोटी काशी को जलाभिषेक के जाने की तैयारी में थे।

हाईस्कूल में पढ़ता था तेजपाल

अंजनी कुमार के दो बेटे थे व दो बेटियां है।जिनमे सबसे बड़ी बेटी सीमा व छोटी रीमा है।दोनो बेटे बहनों से छोटे थे।बड़ी बेटी सीमा की शादी हो चुकी है।छोटा भाई तेजपाल निघासन कस्बे के एक इंटर कॉलेज में हाई स्कूल का छात्र था।

सीएचसी पहुंचे प्रशानिक अफसर

दोनों कांवड़ियों की डूबने की खबर सुनते ही एसडीएम राजीव निगम व तहसीलदार भीमचंद सीओ व प्रभारी निरीक्षक एसके मिश्रा सीएचसी पहुंचे। तहसील प्रशासन के अधिकारियों ने प्रशासन की तरफ सहायता दिलाने की बात कही है।

जन एक्सप्रेस । सुनहरा/अख्तर अली

लखीमपुर/निघासन खीरी। घर से जल भरने के लिए हंसते-खेलते निकले दो सगे भाइयों की सरयू नदी ढखेरवा घाट में स्नान करते समय डूबने से मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनों के साथ-साथ पूरे इलाके मे मातम सा माहौल हो गया।हरीपुरवा गांव से कांवड़ियों का जत्था हर वर्ष की तरह इस बार भी गोला के लिए निकलने की तैयारी में था।सभी कांवड़िए दोपहर तकरीबन बारह बजे जल भरने के लिए सरयू नदी पहुंचे थे।जहां स्नान करते समय गहरे पानी में पहुंचने से दोनों सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई।
निघासन थाना क्षेत्र के हरीपुरवा निवासी अंजनी कुमार का बड़ा बेटा रामलखन उम्र 20 वर्ष व छोटा बेटा तेजपाल उम्र 19 वर्ष कांवड़ लेकर गोला जानें की तैयारी में थे। सरयू नदी में स्नान करते समय गहरे पानी में पहुंचने से दोनों भाइयों की डूबने से मौत हो गई। वहां पर मौजूद लोगों ने बचाने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। दोनों को बाहर निकाला वहां मौजूद परिजन आनन-फानन में सीएचसी निघासन लेकर पहुंचे जहां मौजूद डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।मौत की खबर सुनते ही क्षेत्र में मातम छा गया।
कांवड़ यात्रा को निरस्त कर दिया गया। वहीं पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पीएम के लिए जिलामुख्यालय भेज दिया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई सम्पन्न

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को सम्भव अभियान के तहत सैम व मैम के बच्चों की जानकारी लेते हुये निर्देशित किया कि सभी ग्राम पंचायतवार व ब्लॉकवार सैम व मैम के बच्चों की सूची तैयार की जाये तथा सैम व मैम के बच्चों की सूची उनके पारिवारिक,स्वास्थ्य स्थितियों के अनुसार ही तैयार की जाये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि सैम व मैम वाले बच्चों को पोषित करने हेतु एक पोषण किट तैयार करते हुये सूची के अनुसार वितरित की जाये। सैम व मैम के बच्चों को सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जाये। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 हरपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी हरिश्चन्द्र प्रजापति, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार राव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति,जिला टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय के कायाकल्प के अन्तर्गत कराये गये कार्यों की प्रगति रिपोर्ट देखी। उन्होंने संबंधित से स्कूल में पेयजल एवं शौचालय की स्थिति की जानकारी लेते हुये निर्देश दिये कि सभी स्कूलों में पेयजल एवं शौचालय की स्थितियों में सुधार लाया जाये, इसके बिना स्कूल अनुपयोगी है। जिन स्कूलों में शौचालय नहीं बने हैं उन स्कूलों में प्राथमिकता पर शौचालय बनाया जाना सुनिश्चित किया जाये, साथ ही बच्चों के मल्टीपल हैण्डवाश के लिये उचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिये कि सभी स्कूलों का निरन्तर निरीक्षण करते रहे। जलापूर्ति के लिये हैण्डपम्प,समरसेबल की जानकारी लेते हुये कहा कि स्कूल में टंकी रखकर पाईप लगाते हुये पानी की समस्या दूर की जाये तथा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत भी स्कूलों में पानी की आपूर्ति की जाये। कक्षाओं में टायलीकरण, विद्युत, विद्युत वायरिंग, उपकरण एवं संयोजन का भी कार्य कराया जाये। उन्होंने कहा कि जिन-जिन स्कूलों में रंगाई-पुताई सही ढंग से नही है वहां भी कार्य सही ढंग से कराया जाये तथा स्कूल की बाउन्ड्रीवाल एवं फर्नीचरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान जिन स्कूलों में रंगाई व पुताई का कार्य पूर्ण नही पाया गया तो संबंधित के खिलाफ कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्कूलों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुये इसे गुणवत्तापरक ढंग से पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया। कार्यों में गुणवत्ता से संबंधित जो भी शिकायतें आ रही उसका निस्तारण किया जाये। जर्जर स्कूलों या भवनों की नीलामी से पूर्व उसका मूल्यांकन सही ढंग से किया जाये।
स्कूल चलो अभियान के तहत नामांकन की स्थिति में सुधार के निर्देश देते हुये कहा कि ज्यादा से ज्यादा नामांकन किये जाये व इसका प्रेरणा पोर्टल पर भी रजिस्ट्रेशन कराया जाये। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों का आधार कार्ड किन्हीं कारणों से नही बन पाया हो, उनका आधार कार्ड तत्काल बनवाया जाये ताकि बच्चों के लिये जो पैसा खातों में पहुंचाया जा रहा है वह आसानी से पहुंच सके। पाठ्य पुस्तक वितरण की जानकारी लेते हुये उन्होंने संबंधित को निर्देशित करते हुये कहा कि पाठ्य पुस्तक की आपूर्ति बच्चों के घर पर जाकर की जाये, जो बच्चे स्कूल नही आ रहे है उनके अभिभावकों से मिलकर इस संबंध में उनसे जानकारी ली जाये। दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं नामांकन की जानकारी के साथ-साथ उपस्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जो दिव्यांग बच्चे स्कूल नही आ पा रहे हैं तो ऐसे बच्चों के घरों पर स्पेशल एजुकेटर जाकर उनको शिक्षित करें। उन्होंने विद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति की प्रगति की जानकारी लेते हुये कहा कि जहां-जहां पर बच्चों की उपस्थिति कम है तो उसके कारण की जानकारी करते हुये स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति शतप्रतिशत सुनिश्चित करायी जाये।

पिकअप बाइक की टक्कर में तीन घायल, एक की मौत

जन एक्सप्रेस । अमीरनगर खीरी

अमीरनगर मोहम्मदी लखीमपुर हाईवे पर भीखमपुर कुम्भी गांव में लखीमपुर की तरफ जा रही पिकअप और बाइक की टक्कर में तीन युवकों में एक युवक की मौत हो गई और दो लोग जख्मी हो गए। यह तीनों लोग बाबा टेंढेनाथ धाम पर जल चढ़ाने के लिए जा रहे थे।
जिन्हें इलाज के लिए मोहम्मदी सीएससी भेजा गया जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल लखीमपुर के लिए रेफर कर दिया। जिला सीतापुर के महोली निवासी मृतक आकाश 22 वर्ष की मौके पर मौत हो गई आकाश के पिता की चार वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है आकाश घर का अकेला था माता का रो रो के बुरा हाल है। जिला सीतापुर महोली निवासी शिवा 17 वर्ष, रितिक 16 वर्ष नई बस्ती रेलवे गंज हरदोई जख्मी हो गए।
जिन्हें सीएससी मोहम्मदी भेजा गया जहां से डॉक्टरों ने लखीमपुर के लिए रेफर कर दिया। यह तीनों कांवड़ियां बाबा टेढ़ेनाथ मंदिर पर जल चढ़ाने के लिए जा रहे थे। साथी की मौत पर कांवड़ियों और पुलिस के बीच हंगामा हुआ।
पुलिस को रूट डायवर्जन करना पड़ा। वाहनों को इंडियन बैंक कुंभी चौराहा से कमलापुर तिलकपुर होते हुए लालनगंज गुरुद्वारा के लिए वाहनों को निकाला गया घटनास्थल पर पुलिस फोर्स तैनात रहा।

चार लोगों को सर्प ने डस लिया, दो जिला अस्पताल रेफर

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

क्षेत्र में अलग-अलग थाना क्षेत्र में चार लोगों की सर्पदंश से हालत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।
मैलानी थाना क्षेत्र के उषाफॉर्म निवासी 17 वर्षीय अरसद पुत्र सफी, पचतौर नगर निवासी 17 वर्षीय हरप्रीत सिंह पुत्र रूबी सिंह, कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भुड़वारा निवासी 45 वर्षीय उर्मिला देवी पत्नी रामभरोसे, हैदराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बघहा निवासी उमाशंकर के सात वर्षीय पुत्र विशांत को जहरीले सर्प ने काट लिया। हालत बिगड़ने पर सभी को सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने अरशद व विशांत को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बाढ़ कटान प्रभावित गांव कोल्हू पुरवा में ब्लाक बेहटा के अधिकारी और कर्मचारी लापरवाह बने हुए हैं

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

तम्बौर। बाढ़ कटान प्रभावित गांव कोल्हू पुरवा में तहसील प्रशासन से लेकर सिंचाई विभाग के अफसर जहा संजीदगी दिखा रहे है वही ब्लाक बेहटा के अधिकारी और कर्मचारी लापरवाह बने हुए है। निर्देशों के बावजूद देवपालपुर में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी धनंजय चंद्रपति करीब 20 दिन से गांव नही पहुंचे है। ऐसा तब है जब शारदा नदी आबादी से महज 30 मीटर की ही दूरी पर है। बचाव कार्य में ग्रामीण भी मदद में जुटे है। तीन दिन पहले गांव पहुंचे नायब तहसीलदार को नदी के तटवर्ती चार परिवारों को शिफ्ट करने में भी मशक्कत करनी पड़ी थी। गांव के आंगनबाड़ी केंद्र से लेकर अधूरे पड़े पंचायत भवन तक में गंदगी का बोलबाला होने पर तत्काल सफाई करने के निर्देश दे नायब तहसीलदार ने पड़ोस की ग्राम पंचायत बसंतापुर के पंचायत भवन में पीड़ितो को शिफ्ट किया था। पंचायत भवन में गंदगी बया कर रही थी की गांव के काम काज केसे निपटाए जाते हैं। गांव के लोग बताते है की सचिव का कामकाज प्राइवेट मुंशी के सहारे होता है। ग्रामीण बताते है शारदा नदी के उफनाने के शुरुवाती दिन में केवल एक बार ही सचिव गांव पहुंचे थे। करीब 20 दिनों से गांव नही पहुंचे हैं। गांव में खेत जहा कटान का शिकार बने है वही आबादी पर भी खतरा मंडराने लगा है। शारदा नदी का जलस्तर कम होने के साथ ही सिंचाई विभाग द्वारा कराए गए काम का असर भी देखने को मिला और कटान थमा है। गांव के प्रधान प्रतिनिधि बालकृष्ण मौर्य ने बताया की कोल्हू पुरवा में सोहन, सर्वेश, राजकुमार, राम भूखन, अंकित, रामपाल, बजरंग, मोले, राजरानी, वैदनाथ करीब एक दर्जन परिवारों के घर शारदा नदी के मुहाने पर है।

वैज्ञानिक प्रफुल्ल चन्द्र राय जयन्ती मनाई गई

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

शुक्रवार को विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती विद्या मन्दिर में महान भारतीय वैज्ञानिक प्रफुल्ल चन्द्र राय जयन्ती के अवसर पर वन्दना वेला में कार्यक्रम आयोजित कर सभी को उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने का सन्देश दिया गया। दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती वन्दना के उपरान्त विद्यालय आचार्या श्रीमती शिवि गुप्ता जी ने प्रफुल्ल चन्द्र राय जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और बताया कि प्रफुल्ल चन्द्र राय जी ने अपनी प्रतिभा से सीमित संसाधनों के साथ सम्पूर्ण विश्व में भारत वर्ष को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर विद्यालय में विज्ञान सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित विज्ञान पोस्टर, स्लोगन, पत्रवाचन, प्रश्नमंच, प्रदर्श आदि प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रधानाचार्या श्रीमती शिप्रा बाजपेई जी द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।महान वैज्ञानिक प्रफुल्ल चंद्र राय जी की जयंती के अवसर पर विद्यालय में एक विज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई।इस परीक्षा में कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विज्ञान परीक्षा में कक्षाशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को दि0 5 अगस्त को वंदना वेला में पुरस्कृत किया जाएगा।

एआरटीओ दफ्तर में 04 अगस्त को लगेगा फिटनेस जांच शिविर

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

शुक्रवार आगामी 04 अगस्त दिन रविवार को एआरटीओ दफ्तर में स्कूली वाहनों एवं यात्री वाहनों की फिटनेस जॉच शिविर कैम्प का आयोजन किया गया है।
यह जानकारी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अखिलेश कुमार द्विवेदी ने दी।
उन्होंने जनपद के समस्त स्कूल, शिक्षण संस्थानों के प्रबन्धक, प्राचार्यो एवं यात्री वाहनों के स्वामियों को सूचित करते हुए कहा कि फिटनेस समाप्त वाहनों को उक्त कैम्प में नियमानुसार ठीक हालत में प्रस्तुत कर वाहनों का भौतिक और तकनीकी निरीक्षण,
कार्यालय सम्भगीय निरीक्षक (प्राविधिक) से कराकर फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त कर ले। यदिफिटनेस समाप्त वाहन से कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है तो समस्त उत्तरदायित्व सम्बन्धित स्कूल/ शिक्षण संस्थान एवं वाहन स्वामी का होगा।

सीता ग्रुप आफ एजूकेशन के शास्त्री सभागार में शिशु भारती छात्र सभा का हुआ गठन

सीतापुर

महमूदाबाद। सीता ग्रुप आफ एजूकेशन के शास्त्री सभागार में शुक्रवार को शिशु भारती छात्र सभा का गठन किया गया। नव गठित सभी पदाधिकारियों को चेयरमैन द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। सीता इंटर कॉलेज जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों को शुक्रवार को विद्यालय कार्यों में बच्चों में अंतर्निहित प्रतिभाओं को संवारने के साथ उन्हें सामाजिक व मानसिक रूप से विकसित करने के उद्देश्य से शिशु भारती द्वारा छात्रसभा का गठन किया गया। छात्रा वृत्तिका वर्मा को अध्यक्ष, कृष्ण रस्तोगी को उपाध्यक्ष, आयुषी मौर्य को महामंत्री, आकृति वर्मा को मंत्री, शौर्य सिंह को मुख्य प्रवक्ता, अंशिका यादव को प्रवक्ता, शौर्य जायसवाल को वक्ता व अक्षिता गुप्ता को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी का सम्मान कॉलेज की सांस्कृतिक प्रमुख प्रतिभा सिंह, मंजू सिंह व श्रद्धा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को कॉलेज के चेयरमैन आरके वाजपेयी द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। क्रीडा प्रभारी फराज अली ने भी खेल के क्षेत्र में बेहतर काम कर रहे विद्यार्थियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर जूनियर वर्ग के उप प्रधानाचार्य नीरज वर्मा, एसआर वर्मा, विजय वर्मा, शिक्षक अजय सिंह, अंजली वर्मा, उमेश यादव, संदीप वर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

फास्ट फॉरवर्ड

डीएम की अध्यक्षता में हुई पशु पालन विभाग की बैठक

जन एक्सप्रेस । हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माणाधीन वृहद गौशालाओं का निर्माण जल्द पूर्ण कर संचालन सुनिश्चित किया जाये। मुँहपका व खुरपका नियंत्रण अभियान को लक्ष्य के अनुरूप समय से पूर्ण कर लिया जाये। गौशालाओं का अवशेष भुगतान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाये। गौशाला से सम्बंधित डाटा समय से पोर्टल पर फीड न होने पर सम्बंधित की जवाबदेही तय की जाये। उन्होंने कहा कि सहभागिता योजना के अंतर्गत भुगतान को लंबित न रखा जाये। सीएफसी पूलिंग की धनराशि का सदुपयोग जल्द किया जाये। सभी विकास खण्डो में भूसा टेंडर जल्द कराये जाएं। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमिता क्षम्य नहीं होगी। सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं। सभी गौशालाओं में केयर टेकर की तैनाती सुनिश्चित की जाये। संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की तैयारी अभी से कर ली जाये। इस आवास पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, जिलाधिकारी कमलेश कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अशोक कुमार सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नवीनीकरण में मानकों का रखा जाये पूरा ध्यान: जिलाधिकारी

जन एक्सप्रेस । हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जनपद में संचालित वृद्धाश्रम अल्लीपुर के नवीनीकरण हेतु जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि वृद्धाश्रम में नवीनीकरण में मानकों का पूरा ध्यान रखा जाये। मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। आश्रम के लिए सरकारी भवन बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाये। नये आश्रमों के लिए भूमि की तलाश की जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, समाज कल्याण अधिकारी रमाकांत आदि उपस्थित रहे।

पालीटेक्निक में रिक्त पदों के लिए आवेदन करें: कविता त्रिपाठी

जन एक्सप्रेस । हरदोई। प्रधानाचार्य, राजकीय पालीटेक्निक कविता त्रिपाठी ने बताया है कि संस्था में रिक्त सिविल अभियंत्रण के दो, इलेक्ट्रानिक अभियंत्रण, आर्किटेक्चर असिटेंटशिप तथा कम्यूनिकेशन स्किल एक-एक पद के लिए शैक्षिक अर्हता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थी नवीनतम रिज्यूम संस्था की मेल श्वध्4.द्धद्दद्गह्लस्न्न्रश्चद्दद्गद्ध पर 05 अगस्त 2024 तक अवश्य भेज दें साथ ही 09 अगस्त 2024 को पूर्वान्ह 11 बजे समस्त अभिलेखों सहित साक्षात्कार हेतु संस्था में उपस्थित हो।

मूक बधिर दलित किशोरी से दुराचार, छेड़छाड़ की दर्ज हुई रिपोर्ट

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

गोला कोतवाली क्षेत्र के गांव में मुख बधिर दलित किशोरी से दुराचार का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने रिपोर्ट में खेल कर दिया है। छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज की है जबकि पीड़िता की मां दुराचार का आरोप लगा रही है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 29 जुलाई को सुबह 9.00 बजे 10 वर्षीय मूक बधिर दलित किशोरी खेत पर शौच को गई थी। आरोप है कि तभी एक दूसरे समुदाय के युवक किशोरी को गन्ने के खेत में खींच ले गया और दुराचार किया। किशोरी की मां का कहना है कि बेटी की चीखने की आवाज सुनकर वह मौके पर पहुंच गई। तभी आरोपी किशोरी की मां को धक्का देकर भाग निकला। वह कोतवाली आई। पुलिस ने रिपोर्ट तो दर्ज कर ली, पर युवक को बचाने के लिए खेल कर दिया। किशोरी की मां का कहना है कि युवक ने उसकी बेटी की असमत लूट ली। पुलिस ने दलित उत्पीड़न, छेड़छाड़ और लैंगिक अपराध से बालक का संरक्षण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है।सीओ अजेंद्र यादव का कहना है कि नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

कांवड़ियों का जत्था सरयू नदी से जल भरकर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ रवाना

जन एक्सप्रेस । निघासन खीरी

भोलेनाथ के जयकारों के साथ बोल बम के कहते हुए कांवड़ियों का जत्था सुबह ग्यारह बजे ढखेरवा घाट सरयू नदी से जल भरकर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के लिए रवाना हुआ।ग्राम पंचायत ढखेरवा खालसा से सैकड़ो कांवड़िए भोलेनाथ के जयकारों व संगीतमय वातावरण के साथ छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ को जलाभिषेक करने के लिए रवाना हुए।
प्रधान प्रतिनिधि सोनू पाण्डेय ने कांवड़ियों का तिलक चन्दन करके उनको रवाना किया। कांवड़ियों की टोली में नीरज कुमार, सत्यदेव, मोहित, शुभम, सूरज, गोलू, विपिन, विनीत, पुनीत, जग्गा, रामलखन, विकास, संदीप, अनुभव, राकेश, अजय, सहित सैकड़ो लोगों का जत्था भोलेनाथ की नगरी के लिए रवाना हुआ। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि सोनू पाण्डेय, रामऔतार, रामप्रकाश, रामकिशोर, सरोज, झब्बूलाल, रामखेलावन, शुभम सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने शुभकामनाएं देते हुए उनको रवाना किया।

सरयू में जल भरने जा रहा था पुनीत ट्राली में दबाकर हुई मौत

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी। शीतलपुर निवासी पुनीत ट्रैक्टर ट्राली पर सवार होकर सरयू नदी में जल भरने जा रहा था। खीरी थाना क्षेत्र के केवलपुरवा में वह टोचन कर ले जाई जा रहीं है। अपनी ही ट्रालियों के नीचे आ गया। इसमें उसकी दबकर मौत हो गई। सूचना के बाद भी नकहा चौकी की पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। डायल-112 ने मौके पर पहुंचकर आला अधिकारियों को सूचना दी। ट्रैक्टर में डबल ट्राली जोड़ कर चलाने से कई बार हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद अधिकारी इसके प्रति गंभीर नजर नही आ रहे हैं। इसी का नतीजा है कि गुरुवार की रात ट्रैक्टर में जुड़ी दो ट्रालियों के बीच एक कांवड़िया आ गया।उसकी दबकर मौत हो गई।

अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा हत्याकांड का हुआ खुलासा

जन एक्सप्रेस । हरदोई। अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा की हत्या का खुलासा आज पुलिस ने कर दिया। घटना के बाद से ही पूरे प्रदेश में अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। बीते कल विधानसभा से मुख्यमंत्री योगी ने भी इसका जिक्र किया था। एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि 30 जुलाई को हुए इस वीभत्स हत्याकांड के बाद पुलिस की 7 टीमें तैयार की गई थीं। इस संबंध में मृतक के भाई हर्ष मेहरोत्रा के द्वारा कोतवाली शहर पर मु0अ0सं0 486/24 धारा 61 (2)/103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। उच्च अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया एवं घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित कर लगायी गईं। पुलिस टीमों द्वारा सीसीटीवी फुटेज/सीडीआर व अन्य साक्ष्य संकलित कर अभियुक्तों को चिन्हित किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि घटना की पृष्ठभूमि वर्ष 2011 से बन रही थी। आदित्य भान सिंह पुत्र राजवर्धन सिंह निवासी सराय थोक पश्चिमी, वीरेन्द्र सिंह उर्फ वीरे यादव निवासी ग्राम बरगदापुर थाना अरवल, शिखर गुप्ता निवासी धर्मशाला रोड व नृपेन्द्र त्रिपाठी निवासी रामनगर कालोनी ने मिलकर मृतक कनिष्क महरोत्रा के किराए के मकान को खाली कराने के क्रम में इस घटना को अंजाम दिया। बताया, इसके लिए आदित्य भान सिंह और वीरेन्द्र सिंह उर्फ वीरे यादव से रामू महावत मिला था। रामू महावत इससे पूर्व सभी के साथ डेरी का काम कर चुका था। आदित्य भान सिंह, वीरे यादव, शिखर गुप्ता, नृपेन्द्र त्रिपाठी ने मिलकर रामू महावत के साथ कुल 04 लाख रूपये की डील की थी। रामू महावत ने रामसेवक उर्फ लल्ला निवासी जोगीपुर मजरा तत्यौरा, राजवीर ग्राम जोगीपुर व नीरज निवासी झरोइया थाना कोतवाली शहर से सम्पर्क कर घटना को अंजाम देने के लिये तैयार किया। बताया, आदित्य, वीरे, शिखर व नृपेन्द्र बीच बीच मे घटना को अंजाम देने के लिये आपस मे मिलते भी थे। इन चारो की अधिकतर मीटिंग रफी अहमद चौराहे के आस पास ही होती थी। घटना को अंजाम देने के लिये एडवान्स पेमेन्ट लगभग दो माह पूर्व कुल 01 लाख 40 हजार रूपये दिया गया था। जिसमे से 50 हजार रूपये नृपेन्द्र ने 50 हजार रूपये वीरे ने व 40 हजार रूपये आदित्य ने दिये थे। शिखर ने काम होने के बाद अपना हिस्सा देने की बात कही थी। आदित्य ने पल्सर मोटर साईकिल को उपलब्ध कराया था। घटना वाले दिन रामसेवक उर्फ लल्ला, राजवीर और नीरज जोगीपुर में इकट्ठा हुये थे।

फास्ट फॉरवर्ड

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर शीघ्र शुरू होगा भव्य मंदिर निर्माण- करुणेश पाण्डेय

जन एक्सप्रेस/चौरीचौरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा हिंदू पक्ष को राहत देने के फैसले पर हिंदू युवा चेतना महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष करुणेश पांडेय ने प्रसन्नता जताई है। पांडेय ने इस निर्णय को न्यायपूर्ण और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को सम्मान देने वाला बताया है। उन्होंने कहा, ष्यह फैसला न्याय के पक्ष में है और इससे हमें पूरा विश्वास है कि न्यायालय सही दिशा में कदम उठाएगा। हम आश्वस्त हैं कि इस मामले का समाधान शीघ्र निकलेगा और श्री कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण होगा।ष

श्री पांडेय ने बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिकाओं को पोषणीय मानते हुए मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया। इससे श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद पर फैसला सुनाए जाने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

फरेंदा पुलिस ने वांछित को छतरी पुल से किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/आनन्दनगर महराजगंज। वांछित चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने उत्तरी बाईपास से किया गिरफ्तार, आगे की कार्यवाही में जुटी। फरेंदा कोतवाल अभिषेक सिंह ने बताया कि वांछित अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 145 ध्24 में अभियुक्त फरार चल रहा था। उक्त अभियुक्त के खिलाफ धारा 363, 366, 376, 323, 504, 356 भादवि के तहत अभियुक्त दीपक कुमार गुप्ता पुत्र भोला 33 वर्षीय निवासी सिंगरहटा, पेड़ारी कला, थाना मेहदावल, जनपद संतकबीरनगर को पुलिस टीम उपनिरीक्षक गंगाराम यादव (चौकी इंचार्ज) कांस्टेबल अमित सिंह ने शुक्रवार को छतरी पुल के पास से मुखबिर की सूचना पर दिन में साढ़े बारह बजे के लगभग गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही की गई।

रेस्टोरेंट की कोल्ड कॉफी में मिले कीड़े, नोटिस- बिना पंजीकरण के ही चल था 'कोहिनूर'

जन एक्सप्रेस/गोरखपुर। गोरखपुर के सिविल लाइंस स्थित कोहिनूर रेस्टोरेंट में कोल्ड कॉफी में कीड़े की मिलने शिकायत खाद्य विभाग से की गई। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी हितेन मोहन त्रिपाठी के निर्देश पर विभाग की टीम ने रेस्टोरेंट की जांच की। टीम ने पनीर और दूध के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। रेस्टोरेंट संचालक के पास फूड लाइसेंस नहीं था। इसके लिए संचालक को नोटिस दिया गया है। टीम ने रिपोर्ट तैयार मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सौंप दी है। बुधवार को रेस्टोरेंट में कॉफी पीने गए एक व्यक्ति ने फोन करके मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी से शिकायत की थी कि जो कॉफी उन्हें दी गई उसमें कीड़े थे। इसकी वीडियो भी भेजी गई। जांच में गई टीम को साफ-सफाई भी ठीक नहीं मिली। इसके बाद खाद्य विभाग की टीम ने प्रतिष्ठान के किचन से लेकर पूरे रेस्टोरेंट की जांच की। जांच के दौरान साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया गया। सहायक आयुक्त खाद्य सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि कोहिनूर रेस्टोरेंट पर कोल्ड कॉफी में कीड़े पाए जाने की शिकायत पर टीम वहां पहुंची थी। जांच के बाद साफ-सफाई के लिए नोटिस दिया गया है।

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने के मास्टरमाइंड को गोरखपुर एटीएस ने कुशीनगर से दबोचा

कुशीनगर में गोरखपुर एटीएस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी, दो जालसाज को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। कुशीनगर

जिले से गोरखपुर ATS को बहुत बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जहां ATS ने दो जालसाज को गिरफ्तार किया। गोरखपुर की ATS ने कार्रवाई करते हुए कुशीनगर से सीएचसी के एक कर्मचारी के साथ सीएसपी संचालक को गिरफ्तार किया है। दोनों पर फर्जी सरकारी कागजात बनाने का आरोप है। कुछ दिन पूर्व ही कई कर्मचारी फर्जी आयुष्मान कार्ड घोटाले में गिरफ्तार हुए थे।

35 हजार फर्जी जन्म प्रमाण पत्र हुए थे जारी

मामला रायबरेली से लगभग 35 हजार फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किये जाने का है। जिनमें से मुस्लिम बहुल सिलोन गांव के ही लगभग 19 हजार जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए थे। इस खेल में एक प्रतिबंधित संगठन के एक सदस्य का प्रमाण पत्र शामिल था। इस मामले की जांच केरल पुलिस ने शुरू किया तो पता चला की कई जन्म प्रमाण पत्र रायबरेली के सालोन तहसील से जारी किया गया था, इसके बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मामले शिकायत की।

रायबरेली में फर्जी प्रमाण पत्रों की हो रही थी जांच

रायबरेली में फर्जी प्रमाण पत्रों की जांच कर रही ।जै टीम ने कुशीनगर से दो जालसाजों को हिरासत में ले लिया। यूपी ATS के आने की सूचना से हड़कंप मच गया। यूपी ATS टीम ने सबसे 'तरयासुजान थाने के भावपुर में सीएसपी चला रहे संजीव सिंह को हिरासत में लिया इसके बाद टीम ने विशुनपुरा सीएचसी में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर तैनात सतीश सोनी को गिरफ्तार किया। यूपी ATS की टीम दोनों को लेकर लखनऊ रवाना हो गई है।' बताया जा रहा है की यूपी ATS की गिरफ्त में आए संजीव और सतीश ने बड़ी संख्या में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाया था। दोनों के तार रायबरेली में बनाए गए लगभग 35 हजार फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह से जुड़े हुए हैं।

मामला केरल से भी जुड़ा

मामला केरल के एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा होने के कारण सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी ATS को जांच सौंप दिया। यूपी ATS ने जब जांच शुरू किया तो कुशीनगर के संजीव और सतीश का नाम भी सामने आया, जिसके बाद यूपी ATS की टीम ने तरयासुजान थानाक्षेत्र के भावपुर में सीएसपी चला रहे संजीव सिंह और विशुनपुरा सीएचसी में डाटा एंट्री के पद पर तैनात सतीश सिंह को गिरफ्तार कर लिया। टीम दोनों को साथ लेकर लखनऊ रवाना हो गई। विशुनपुरा सीएचसी के प्रभारी डाक्टर जीशान अलीम ने बताया की बीती शाम कुछ लोग सीएचसी पर आए उन्होंने ने अपने आप को स्पेशल टीम का सदस्य बताते हुए डाटा इंट्री ऑपरेटर संजीव से पूछताछ किया और फिर उन्हें अपने साथ लेकर चली गई।

सपाईयों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंप किया चबूतरा निर्माण कराए जाने की मांग

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

गोला तहसील मुख्यालय पर सपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष सपा अमरजीत यादव के नेतृत्व में राज्यपाल महोदया को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी गोला राजू कुमार को सौंप कर चबूतरे का निर्माण कराए जाने की मांग। पत्रक सौंपते हुए बताया कि चिल्लूपार के विकास पुरुष सात बार के पुर्व विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय पंडित हरिशंकर तिवारी जी के ग्राम सभा टाडा में ग्राम सभा के द्वारा व ग्राम प्रधान द्वारा चबूतरे का निर्माण कराया जा रहा था। जिस पर 5 अगस्त को स्वर्गीय पंडित हरिशंकर तिवारी की मूर्ति की स्थापना होनी थी। लेकिन उस चबूतरे को प्रदेश के मुखिया के आदेश पर प्रशासन पर दबाव बनाकर जबरन तुड़वा दिया गया। इस घटना से जनता में काफी आक्रोश व्याप्त है।मैं आपके माध्यम से यह मांग कर रहा हूं कि तत्काल चबूतरे का निर्माण कराया जाय और मूर्ति स्थापित कराई जाय। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम मनुरोजन यादव शशिकांत दुबे मिर्जा कदीर बेग संजय पहलवान सलीम शेख मनोज चंद अखिलेश मुख्तार शेख शिवम दुबे कपिल मुनि अरुण यादव जनार्दन यादव संजय पासवान रवि प्रताप यादव सुरेंद्र मौर्य भोलानाथ यादव अरुण यादव हरेंद्र यादव विकास ओंकारनाथ यादव अवध नारायन सहित अधिक संख्या में सपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

बिना पंजीकरण व मान्यता के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं, स्कूल व कोचिंग सेंटर

कोचिंग सेंटरों के नाम पर 12 तक संचालित की जाती रेगूलर कक्षाएं

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

जनपद के दक्षिणांचल में अवस्थित गोला, बडहलगंज,गगहा विकास खंड क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन, बिना मान्यता और कोचिंग सेंटर के नाम पर इंटरमीडिएट तक स्कूल बेखौफ संचालित किए जा रहे हैं। वातानुकूलित कमरों में बैठे शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों को परवाह नहीं। कुछ अभिभावकों का तो यहां तक कहना है कि यह अवैध कोचिंग सेंटर व बिना मान्यता के चल रहे विद्यालय शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कृपा पर फल फूल रहे हैं। क्योंकि एसे विद्यालयों से उनकी महीने में जो पाकेट गर्म होती रहती है। जबकि शासन स्तर से ऐसे विद्यालयों की जांच कर बहुत पहले कार्रवाई करने का आदेश आ चुका हैं। दूसरे यह कोचिंग सेंटर व विद्यालय मानक विहीन भी है। देखा जाए तो बिना पंजीकरण, बिना मान्यता संचालित स्कूलों व कोचिंग सेंटरों में मान्यता प्राप्त विद्यालयों की अपेक्षा दोगुने से अधिक फीस वसूली जाती है। विकास खंड क्षेत्र के बड़े बड़े चौराहों पर इस तरह के कोचिंग सेंटर स्कूल तरह दिन भर चलते मिल जाएंगे।

जांच अधिकारी जेब गरम करा, करते खानापूर्ति

ऐसा नहीं है कि इन विद्यालयों की शिकायत शिक्षा विभाग के अधिकारियों तक नहीं पहुंचती। अधिकारी जांच करने जाते हैं। शिकायत करने वाले का नाम बताकर कुछ पैकेट गर्म कर चलता बनते हैं। इस लिए कोई जल्दी शिकायत भी नहीं करता है। बिना रजिस्ट्रेशन के कोचिंग सेंटर के नाम पर दिन भर इंटर तक विद्यालय की तरह चल रहे इन कोचिंग सेंटर के बच्चों का नाम किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में लिखा कर परीक्षा दिलवा कर उनको सर्टिफिकेट उपलब्ध करा दिया जाता है। अधिकांश कोचिंग सेंटर और विद्यालय मानक विहीन हैं।

डीएम ने विशुनपुरा न्यू पीएचसी निर्माण फर्म को ब्लैकलिस्ट करने का दिया निर्देश

- निर्माण कार्य अनियमितता में ठेकेदार के विरुद्ध दर्ज होगी एफआईआर

जन एक्सप्रेस। देवरिया

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने सख्त तेवर अखितयार करते हुए जांच रिपोर्ट के आधार पर रामपुर कारखाना ब्लॉक के ग्राम विशुनपुरा में नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण करने वाले ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने तथा फर्म को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया है। उक्त परिसर में नवनिर्मित टाइप 2 आवास अपने निर्माण के प्रथम वर्ष में ही आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण परियोजनाओं में गुणवत्ता के साथ किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कमी मिलने पर सख्त से सख्त करवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए सीएमओ डॉक्टर राजेश झा ने बताया कि 189.79 लाख रुपये की लागत से विशुनपुरा में नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आवास इत्यादि बनाने का कार्य कार्यदायी संस्था यूपीआरएनएसएस द्वारा संपादित किया गया है।

टाइप टू आवास का गिरा था छज्जा, जांच टीम को मिली थी कई खामियां

उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व नया स्वास्थ्य केंद्र परिसर में नवनिर्मित टाइप-2 आवास का छज्जा टूटने की घटना हुई थी, जिसका संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने अधिशासी अभियंता लोकनिर्माण विभाग निर्माण खंड मनोज कुमार पांडेय की अगुवाई में चार सदस्यीय जांच टीम का गठन किया था। जांच टीम ने स्थलीय निरीक्षण कर परियोजना के सम्बंध में विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी है। जांच टीम ने रिपोर्ट में कई गंभीर खामियों का उल्लेख है जिनमें एक्सपोज्ड सरिया, स्ट्रक्चरल क्रैक्स, तालाब के किनारे रिटेनिंग वॉल का न होना, कुछ स्थानों पर रेलिंग का न होना भी शामिल है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर की जा रही है कार्रवाई: सीएमओ

जिलाधिकारी ने उक्त रिपोर्ट के आधार पर सीएमओ को कार्य करने वाले ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने तथा फर्म को ब्लैकलिस्ट कराने का निर्देश दिया है। सीएमओ ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

सीएम सिटी में जल जीवन मिशन योजना का हाल बेहाल, जिम्मेदार नहीं लेते संज्ञान

- जिम्मेदारों की मेहरबानी से ठेकेदार ने रास्ते व नालियों को किया बदहाल

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

सरकार द्वारा जल जीवन मिशन स्कीम (ग्रामीण) के तहत साल 2024 तक घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाना था, जिसके सापेक्ष राज्य सरकार व केंद्र सरकार द्वारा अलग-अलग बजट भी उपलब्ध कराया गया। निर्माण कंपनियों के ठेकेदार अपनी मनमानी से कार्य कर रहे है। जहां पाईप लाईन को बिछाने के लिए गांव के खड़ंजे, आरसीसी, इंटरलॉकिंग को उखाड़ व नालियों को तोड़ रहे है। वहाँ पर खड़ंजे व रास्ते को मजबूती से मरम्मत नहीं कर रहे हैं। जबकि सरकार द्वारा तोड़ फोड़ खड़ंजे रास्ते व नालियों के मरम्मत के लिए बजट दिया गया है, लेकिन ठेकेदारों द्वारा तोड़ फोड़ किये हुए खड़ंजे व रास्ते पर केवल मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। और शिकायत करने पर आनाकानी कर निकल जा रहे हैं। जन एक्सप्रेस की पड़ताल में विकास खण्ड बांसगांव के ग्राम पंचायत चकबैदपुरवा में रास्ते व नाली मरम्मद का कार्य वर्षो से बंद पड़ा है, जबकि टेंडर प्रक्रिया के अनुसार इसे 18 महीने में पूर्ण होना था। कंपनियों व ठेकेदार की लापरवाही से अभी तक अधर में लटका हुआ है। इस कारण लोगों को जल जीवन मिशन का लाभ नहीं मिल रहा है।

ठेकेदार ने तीन बर्षो से खोद कर छोड़ा सड़क

ग्राम प्रधान दिनेश यादव ने बताया कि तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी पाईप लाइन बिछाने के लिए खोदे गए रास्ते व नालियों का मरम्मत कार्य अबतक नहीं कराया गया है। इसकी शिकायत ठेकेदारों से कई बार की गई पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

अतिशीघ्र पूरा कराया जाएगा अधूरा कार्य: सीडीओ

इस संबंध में पूछे जाने पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखपुर संजय मीणा ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेकर अतिशीघ्र कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

सीएम योगी के जिले में बिजली आपूर्ति का हाल बेहाल

- दिन में कटौती और रात में लो बोल्टेज से उपभोक्ता हैरान परेशान

जन एक्सप्रेस। गोला

क्षेत्रीय विद्युत उप केन्द्र के पड़ौली फिडर में करीब एक सप्ताह से दिन में कटौती और रात में लो बोल्टेज से उपभोक्ता हैरान परेशान हैं। वहीं विभागीय जिम्मेदारों की लापरवाही से दिन में बिजली के आने जाने का क्रम लगा रहता है जिसके चलते स्कूलों में होने वाली उमस भरी गर्मी के चलते छोटे बच्चे स्कूल जाना नहीं चाह रहे हैं। ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर बिजली कटौती की समस्या से निजात दिलाने की मांग किया है। बता दें कि पड़ौली फिडर में करीब एक सप्ताह से दिन भर बिजली आ जा रही है, एक बार गयी तो कुछ घंटे के लिए फुर्सत। यह सिलसिला दिन भर चलता है। शाम 7 बजे के बाद फिर यही सिलसिला शुरु होता है। और कुछ देर के बाद बिजली लो हो जाती है। केवल पंखा हिलता है। और एल्इडी दो वाट तो जल रहे हैं। लेकिन चार वाट वो भी नहीं जल रहा है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्ग, महिलाओं और बच्चों को हो रही है। जो दिन रात उमस भरी गर्मी से बेचौन रह रहे हैं। फोन करने पर फिडर इंचार्ज फोन नही उठाते हैं। यदि उठा लिया तो उल्टा ही जबाब दे कर धमका देते हैं।

कृति बोली, 'बाबा हम नहीं जाएंगे स्कूल, बहुत होती है गर्मी, नहीं आती बिजली'

बिजली कटौती से प्राथमिक विद्यालय, मिडिल स्कूल, सीबीएससी और माध्यमिक के छात्र-छात्राओं को सर्वाधिक परेशानी हो रही है। जो इस उमस भरी गर्मी में बीना पंखा कमरें में बैठ कर पढ़ने के लिए विवस है। शुक्रवार को डड़वापार के हरेराम यादव अपनी नातिन कृति को स्कूल छोड़ने के लिए ले जा रहे थे। कृति रोते हुए कह रही है कि बाबा बाबा हम स्कूल नही जाना चाहते वहां बिजली नही रहती है। बहुत गर्मी होती है। चक्कर आने लगता है। क्षेत्र के सुधीर शुक्ल, देवेश शुक्ल, शिवप्रताप राय, सम्पूर्णानन्द पाण्डेय, पदमाकर मिश्रा, मोनू मिश्रा, सौरभ पाण्डेय, प्रेम शंकर पाण्डेय, संजीत दुबे, चिलवां प्रधान रणवीर चन्द, राजकुमार मिश्र, बेनीमाधव मिश्र, संगम पाण्डेय, डा राणा सत्यप्रकाश सिंह सिसौदिया, फरेश शर्मा, सुरेन्द्र कुमार आदि ने शाशन प्रशाशन से अविलंब इस विद्युत समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

एमबीबीएस की 675 सीटों पर शुरू होगी पढ़ाई, एक साल में बढ़ीं 300 सीटें

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

जिस गोरखपुर मंडल में इलाज और चिकित्सा शिक्षा के लिए एकमात्र मेडिकल कॉलेज था, बीते सात साल में योगी सरकार ने उसे हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल एजुकेशन का हब बना दिया है। इस मंडल में इस साल एमबीबीएस की 300 नई सीटों पर दाखिला शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही गोरखपुर मंडल में एमबीबीएस की 675 सीटों पर पढ़ाई शुरू हो जाएगी। सरकार के प्रयास से इस मंडल में सात साल में एमबीबीएस की करीब सात गुना सीटें बढ़ गई हैं।

सात साल पहले तक गोरखपुर को केंद्र मानकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के माथे पर बदहाली की पहचान चस्पा थी। गोरखपुर समेत आसपास के कई मंडलों, सीमाई बिहार और नेपाल तक के लोगों के इलाज के लिए उम्मीद की एकमात्र किरण बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ही था। इस पूरे अंचल में एमबीबीएस की पढ़ाई का भी एकमात्र केंद्र यही था। अव्यवस्था के चलते बीआरडी मेडिकल कॉलेज खुद बीमार नजर आता था तो कई बार इसकी एमबीबीएस की मान्यता पर तलवार लटकती रही।

उत्तर रेलवे
आजादी का अमृत महोत्सव
इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, आलमबाग लखनऊ-226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	51245333	Supply of Kit for Modification of junction Box Assembly as per Annexure-A for Kit Part No.-FT0053903-K00 (FT WSP Type) and Installation of WSP Junction Box Assembly as per RDSO Drawing (Drg.No.-CG-18246-Alt-'Nil') in LHB Coaches. Make-Faively.	55 Set	02.09.2024
02	51245333	Supply of Kit for Modification of junction Box Assembly as per Annexure-A for Kit Part No.-FT0053903-K01 (KES WSP Type) and Installation of WSP Junction Box Assembly as per RDSO Drawing (Drg.No.-CG-18246-Alt-'Nil') in LHB Coaches. Make-Faively.	62 Set	02.09.2024

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।
टेंडर नोटिस सं. 51245333 दिनांक : 01.08.2024
2356/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जिले में ऐसी पहली पंचायत लर्निंग सेंटर व डिजिटल लाइब्रेरी है, जहां निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही ये सुविधाएं

ग्राम पंचायत में खुली डिजिटल लाइब्रेरी, युवा कर रहे हैं हाईटेक तरीके से तैयारी, 24 घंटे इंटरनेट, बिजली व शुद्ध पानी की है व्यवस्था

जन एक्सप्रेस। निचलौल/महराजगंज

मंजिल कितनी भी दूर हो मगर सफर की शुरुआत दो कदमों से ही होती है। ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है निचलौल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत बजहा उर्फ अहिरौली में जहां ग्राम प्रधान व सचिव की दूरगामी सोच ने एक और पहल करते हुए ग्राम सचिवालय में गांव के युवाओं की तैयारी के लिए जनपद का पहला पंचायत लर्निंग सेंटर व डिजिटल लाइब्रेरी बनाया, इसके लिए धन उन्होंने शासन की योजना से प्राप्त किया। इस उत्कृष्ट कार्य हेतु बीते दिनों तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार राय ने ग्राम प्रधान व सचिव को सम्मानित किया वही बेहतर समन्वय को लेकर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की भी सराहना की। इस पंचायत लर्निंग सेंटर पर प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में युवा आकर ऑनलाइन कोचिंग के साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारिया कर रहे है। लर्निंग सेंटर पर 24 घंटे बिजली, कंप्यूटर, इंटरनेट, पुस्तकालय, आरओ वाटर, किताब रखने की अलमारी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के साथ ही साथ

बैठने के लिए फर्नीचर लगाए गए है। लाइब्रेरी आए युवाओं का कहना है की ग्राम पंचायत में संचालित यह निरूशुल्क लर्निंग सेंटर काफी सुविधाजनक है, यहां के स्थानीय युवा समेत अन्य गावों के बच्चे पहले तैयारी के लिए शहर जाते थे, जो काफी महंगा होता था।वह अब गांव में भी मिल रही है।यह अच्छी पहल है।

ग्राम प्रधान अरविंद कुशवाहा ने बताया युवाओं को ऑन लाइन कोचिंग और लाइब्रेरी की सुविधा के लिए लगभग 10 किलोमीटर दूर साइकिल से 2 से 3 घंटे में दूसरे कस्बो या फिर शहरों की तरफ जाने को मजबूर होना पड़ता था। गांव में ही डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित होने से युवा अपने समय का सदुपयोग कर सकेंगे। सेक्रेटरी पिंटू रौनियार ने कहा कि लार्निंग सेंटर डिजिटल लाइब्रेरी में बच्चों को पढ़ाई के लिए मुफ्त वाई-फाई की व्यवस्था भी की गई है. सुरक्षा के मद्देनजर कैमरे लगवा दिए गए हैं।दूरदराज तैयारी करने जाने वाले बच्चों को गांव में ही रहकर लाइब्रेरी में तैयारी करने का मौका मिल रहा है। जो इलाके के छात्रों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा।

पशुओं का परीक्षण करने फिलिपीन्स के विदेशी डॉक्टर पहुंचे पींजरी पैंठ

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

आज अलीगढ़ गोंडा रोड पर पींजरी में शुक्रवार को लगने वाली पशु पैंठ में फिलिपींस के पशु डॉक्टर ड्विन सी अबदिल्ला व डॉक्टर फ्रांसिस जी दिमालंटा की टीम ने पशु पैंठ पींजरी में पशुओं के स्वास्थ्य की जानकारी कि व पैंठ की व्यवस्थाओं को देखा जहां सभी व्यवस्थाएं ट्रांसपोर्ट पानी चारा व वाहर के व्यापारियों के रुकने का स्थान व स्वस्थ पशुओं को देखकर विदेशी टीम पूर्ण तरह खुश नजर आई वहीं पींजरी पैंठ के व्यवस्थापक की सराहना की अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष व किसान नेता चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो द्वारा विदेशी लोगों के आगमन की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर मौजूद रही विदेशी टीम के साथ मोहम्मद हाजी जहीर खान अमित पांडे स्थानीय पशु चिकित्सा अधिकारी चौधरी रबेन्द्र सिंह अबरार खान नासिर खान उदयवीर सिंह अचल सिंह वीरपाल सिंह सहित क्षेत्र के सैकड़ो पशुपालक व किसान मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने क्रासी चौराहे पर निर्माणाधीन फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य का किया औचक निरीक्षण

- सुगम यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए सर्विस रोड की मरम्मत एवं अतिक्रमण मुक्त रखे जाने निर्देश
- निर्माण कार्य को तीव्र गति से पूर्ण सुरक्षा मानकों के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण किये जाने के दिये निर्देश

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

आमजन को सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा अलीगढ़-रामघाट कल्याण मार्ग पर क्रासी चौराहे पर निर्माणाधीन 04 लेन फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य का गुरूवार की रात्रि में औचक निरीक्षण किया गया। डीएम ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि जनसामान्य को निर्माण सामग्री एवं मौके पर हो रहे कार्य से कोई परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रह सके। उन्होंने कहा कि फ्लाई ओवर का निर्माण कार्य अभी अपने शुरूआती चरण में है, और उसे पूर्ण होने में समय लगेगा, ऐसे में निर्माण कार्यों से यातायात व्यवस्था में व्यवधान न हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्विस रोड को समय-समय पर गड्ढामुक्त कराते हुए यातायात व्यवस्था सुचारू रखी जाए। उन्होंने कहा कि जहां निर्माण कार्य नहीं हो रहा है वहां से कवर्ड एरिया को यातायात के लिए मुक्त कर दिया जाए जब आवश्यकता हो तो पुनः कवर्ड कर सकते हैं। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से चौराहे के आस-पास अभियान चलाते हुए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्य स्थल पर जनसामान्य एवं वाहनों के सुगम आवागमन के लिए निर्माण कार्य कर रही फर्म एवं सेतु निगम के सम्बन्धित अधिकारियों को कार्य स्थल पर सर्विस रोड को डवजवतंइसम अर्थात वाहन चलने योग्य स्थिति में रखने, ट्रैफिक मार्शल लगाने एवं लगे हुए बैरिकेडिंग पर रिफलेक्टिव टेप लगाये जाने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि निर्माणाधीन सेतु शहर के मध्य घनी आबादी में स्थित है। ऐसे में धूल आदि के द्वारा होने वाले प्रदूषण से बचाव के लिए कार्य स्थल पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए और ग्रीन नेट की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कार्य को तीव्र गति से पूर्ण सुरक्षा मानकों के साथ निर्धारित समयावधि में कार्य को पूर्ण किये जाने के भी निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक यातायात, मुख्य अभियन्ता नगर निगम, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, उप परियोजना प्रबन्धक सेतु निगम उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में कार्यदायी संस्था द्वारा दीनदयाल चिकित्सालय की ओर कवर्ड किए गये क्षेत्र को कम कर सुगम यातायात के लिए मुक्त किए जाने का कार्य तत्काल प्रारम्भ कर दिया गया है, इससे आमजन को जाम की समस्या से राहत मिलेगी और सुगम यातायात संभव हो सकेगा।

फास्ट फॉरवर्ड

संविदा कर्मियों ने 10 सूत्री मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

जन एक्सप्रेस/आगरा। सरकार द्वारा एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की मांगों को पूरा नहीं किए जाने को लेकर शुक्रवार को प्रदेश संगठन के आवाहन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिनाहट के संविदा कर्मियों ने शुक्रवार को संगठन के जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में एकजुट होकर काली पट्टी बांधकर नर सीएचसी पर विरोध जताया। संविदा कर्मियों ने अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया है।10 सूत्रीय मांगों में वेतन विसंगतियां, संविदा कर्मियों की ईपीएफ, ग्रेड पे, डी ए का निर्धारण, कोविड -19 कर्मचारियों का एनएचएम के कार्यक्रम में समायोजन सेवा समाज, आदि प्रमुख मांगे हैं। इस मौके पर डॉक्टर कपिल यादव, डॉक्टर विनय प्रताप, अवधेश कुमार, डॉ नीलिमा यादव, डॉ अतुल कुमार, मीनेश कुमार, विष्णु परिहार आदि लोग मौजूद रहे।

तालाब से निकलकर गांव में घुसा मगरमच्छ, ग्रामीणों में मचा हड़कंप

जन एक्सप्रेस/आगरा। शुक्रवार को थाना मनसुखपुरा क्षेत्र के अंतर्गत गांव परजा पुरा में अचानक मगरमच्छ के आने से गांव वालों में दहशत फैल गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर वन विभाग टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ा। मगरमच्छ को पकड़कर चम्बल नदी में छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार थाना मनसुखपुरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत सेहा के उपगांव परजा पुरा में शुक्रवार दोपहर को मगरमच्छ आने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जिसके बाद ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। जिसके बाद वन विभाग की टीम मगरमच्छ को अपने साथ ले गई। तब कहीं जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। सूचना मिलते ही तुरंत वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तालाब में पंप सेट लगाकर कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ने में सफलता हासिल की। तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। जिसके बाद वन विभाग की टीम मगरमच्छ को अपने साथ लेकर चली गई टीम द्वारा मगरमच्छ को चम्बल नदी नदी में छोड़ा गया है।

पिनाहट घाट चंबल नदी पर कांवड़ियों की उमड़ी भीड़

जन एक्सप्रेस/आगरा। शुक्रवार को पिनाहट घाट बड़ी संख्या में कांवड़ियों की भीड़ उमड़ पड़ी।कांवडियो को चंबल नदी सुरक्षित पार कराने के दिनभर चंबल नदी पर पुलिस बल भी मौजूद रहा। जानकारी के अनुसार बड़ी संख्या में मध्यप्रदेश के नयापुरा, उसेथ, विंडवा फूलशाह पुरा, खुर्दराय पुर, अंबाह, मुरैना, पोरसा, ग्वालियर सहित कई कई गांव के शिव भक्त सावन के महीनों में कांवड लेने के लिए सोरो जाते हैं। सोरों से कावड़ लेने के बाद पिनाहट घाट चंबल नदी पर पहुंचते हैं। पिनाहट घाट चंबल नदी पर स्टीमर के द्वारा कांवड़ियों को चंबल नदी पार कराई जाती है। वहीं मध्य प्रदेश के लिए आने जाने वाले कांवड़ियों के लिए कस्बे के व्यापारियों द्वारा जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया। वहीं सुरक्षा के दृष्टिगत पिनाहट पुलिस फोर्स के साथ हर तरफ चौकन्नी बनी रही।

अधिकारियों की मनमानी से आयुर्वेद, यूनानी डॉक्टरो की छवि हो रही धूमिल

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

आयुष चिकित्सकों पर हो रही नियम विरूद्ध कार्यवाही और इसकों लेकर समाज में फैल रहे भ्रम को दूर करने के लिए अलीगढ़ नीमा द्वारा रामघाट रोड स्थित एक होटल पर एक प्रेसवार्ता आयोजन किया गया।

जिसमें आयुर्वेद यूनानी चिकित्सकों के चिकित्सालयों एवं क्लीनिक के निरीक्षण करने का अधिकार सरकार द्वारा गठित टीम का है, लेकिन डिवीजनल आयुर्वेद यूनानी अधिकारी की अनुपस्थिति में किसी भी आयुर्वेद यूनानी चिकित्सालय का निरीक्षण नहीं जा सकता और ना ही कोई कार्यवाही नही की जा सकती है, लेकिन अधिकारी अपनी मनमानी कर निरीक्षण करते है और आयुर्वेद यूनानी डाक्टरों की छवि को भ्रमित कर समाज में एक नकरात्मक संदेश प्रेषित करते हैं जिसको समाज एवं अलीगढ़ नीमा कतई बर्दास्त नहीं करेगी।

यह उद्गार व्यक्त नीमा के अध्यक्ष डा0 मैराज अली और नीमा सचिव अलीगढ़ ने किए। उन्होने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी का लगातार अथक प्रयास रहा है कि किस प्रकार आयुष चिकित्सकों को बेहतर पटल पर लाया जाये। प्रधानमंत्री द्वारा अप्रैल 2022 में गुजरात के गांधी नगर में अन्य देश के नागरिको के लिए स्पेशल आयुष बीजा की भी घोषणा की गई और 8 अप्रैल 2023 को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली द्वारा 20 देशों के प्रतिनिधियों को लेकर इन्टीग्रेटिड हॉलिस्टिक हैल्थ के लिए जी 20 समूह मेजबानी की गई।लेकिन इस प्रकार के अधिकारियों द्वारा इस प्रयास को लगातार कमजोर करने के कार्य किया जा रहा है। प्रेसवार्ता में डा. देवेन्द्र कुमार, डा. अमितेष गर्ग, डा. काजल सिंह, डा. नुजाहत अख्तर आदि मौजूद थे।

चीनी मिल का निर्माण नहीं कराया तो होगा आंदोलन

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

साथ चीनी मिल संघर्ष समिति के बैनर तले एक विशाल पंचायत का आयोजन चीनी मिल के गेट पर किया गया, जिसकी अध्यक्षता अजय चौहान निवासी ग्राम साथा ने की व बैठक का संचालन श्यामवीर सिंह ठाकुर निवासी ग्राम साथा ने किया, जिसमे कई किसान नेता और हजारों की संख्या में आस-पास और दूरदराज के किसान मौजूद रहे। पंचायत उपरांत जिला गन्ना अधिकारी अलीगढ़ को ज्ञापन दिया। किसान नेता धीरज कुमार सिंह ने कहा कि 21 जुलाई को पिछली बार हुई पंचायत में आज की तिथि नियत की गई थी।

मुख्यमंत्री जी अपना ढाई वर्ष पूर्व किया गया वादा पूरा करें, अन्यथा की स्थिति में हजारों की संख्या में जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना देने को बाध्य होगे। ग्राम साथा निवासी डाक्टर संजीव हरियाणा ने कहा की साथा चीनी मिल का निर्माण मेरे स्वर्गीय पिताजी श्री केशव देव हरियाणा जी ने कराया था आज चीनी मिल की यह दुर्दशा देखकर उनकी आत्मा बहुत दुखी होगी, क्षेत्र की जनता बहुत आक्रोशित है और अगर जल्द चीनी मिल का निर्माण कार्य नही कराया गया तो उग्र आंदोलन करने को किसान बाध्य होगे, किसान नेता शेलेंद्र पाल सिंह ने कहा की सरकार किसानों की अनदेखी कर रही है, किसानों को सिर्फ और सिर्फ कोरा आश्वासन दिया जा रहा है और कुछ नहीं बैठक में मुख्य रूप से, गोपाल चौहान, ओंकार चौहान, प्रमोद रावत, जहरी, रॉबी, प्रदीप कुमार, दफेदार सिंह, सत्यपाल सिंह, इंद्रपाल, विनोद कुमार, इस्माइल फारूकी, भूदेवी, किशनपाल, जसवंत सिंह, महेश, संजय, राजकुमार, हरवंश, अमर सिंह, बाबूसिंह, रमेशचंद, संतोष, देवेंद्र, बनवारी लाल, गंगा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

स्केटिंग टाइम ट्रायल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

एसएमबी इंटर कॉलेज में अलीगढ़ स्केटिंग क्लास के सौजन्य से स्केटिंग टाइम ट्रायल प्रतियोगिता संपन्न हुई।। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश स्केट खो-खो संघ के अध्यक्ष विवेक बंसल पूर्व विधायक ने स्केटिंग टाइम ट्रायल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। अध्यक्ष विवेक बंसल ने कहा स्केटिंग खेल एक रोमांचकारी खेल है इस खेल से खिलाड़ी में हमेशा स्फूर्ति बनी रहती है। एक कुशल खिलाड़ी अपने देश का नाम रोशन करता है। विवेक बंसल ने कहा अलीगढ़ स्केटिंग क्लास के खिलाड़ी हमेशा प्रदेश और देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी रोशन करते रहे हैं। मुख्य अतिथि विवेक बंसल का स्वागत स्केटिंग सचिव प्रदीप रावत ने किया। प्रदीप रावत ने बताया स्केटिंग टाइम ट्रायल प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग में विभिन्न आयु में प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता में 72 प्रतिभा किया। प्रतियोगिता के समय राशिद खान, रिंकू दिक्षित, राहुल भाटी, श्रीमती नितेश, का विशेष सहयोग रहा है। टाइम ट्रायल प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में कल्याणी और बालक वर्ग में हिमांशु धनगर चैंपियन रहे हैं। प्रतियोगिता का संचालन सचिव प्रदीप रावत ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम आए खिलाड़ी मोहम्मद मुस्तफा खान, प्रणव सिंह, सुमित कुमार अवनीत यादव तनिक दीक्षित, अथर्व भारद्वाज, जयंत शर्मा, हिमांशु धनगर, राघव भारद्वाज, कुनाल, अयान गुप्ता अधिराज सिंह, आदित्य ठाकुर, विपाक्ष वार्ष्णेय, निर्वाण भारद्वाज, रवनीत अरोड़ा, गर्वित अग्रवाल, योग कुमार, अविराज होरा, दिव्यांश शर्मा, ओजस शर्मा, समृद्ध गोस्वामी, हर्ष गुप्ता, मयंक अग्रवाल स्केटिंग टाइम ट्रायल प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में जैस्मिन शर्मा, शिव जादौन, कल्याणी, दिव्यांशी अग्रवाल, काव्या शर्मा, हर्षिता राठौर प्रथम रहे हैं।

कानपुर सेन्ट्रल - लखनऊ सेक्शन पर ट्रैफिक ब्लॉक के कारण 'ट्रेन हैंडलिंग प्लान'

आधारिक अवसंरचना एवं संरक्षा मानकों को और बेहतर करने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे द्वारा लखनऊ डिवीज़न के कानपुर सेन्ट्रल – लखनऊ सेक्शन के बीच जैतीपुर स्टेशन पर नॉन–इंटरलॉकिंग का कार्य सम्पादित किया जायेगा। इस कार्य के सुरक्षित सम्पादन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा दिनांक 06.08.2024 से 14.08.2024 तक उपयुक्त ट्रैफिक ब्लॉक लिए जायेंगे। परिणामस्वरूप इस दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ उनके समक्ष दर्शायी गई तिथियों को निम्नानुसार प्रभावित होंगी:

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

रेलगाड़ी सं.	रेलगाड़ी का नाम	निरस्तीकरण की तिथि (प्रारंभिक स्टेशन से)
01823/01824	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी – लखनऊ – वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	12.08.24 से 14.08.24
05380	कासगंज–लखनऊ जं. पैसेंजर	12.08.24 एवं 13.08.24
05379	लखनऊ जं.–कासगंज पैसेंजर	13.08.24 एवं 14.08.24
14124	कानपुर सेंट्रल–मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ इंटरसिटी	12.08.24 से 14.08.24
14123	मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–कानपुर सेंट्रल इंटरसिटी	13.08.24 से 15.08.24
04297	उतरहटिया–कानपुर सेंट्रल एमईएमयू	12.08.24 से 14.08.24
04296	कानपुर सेंट्रल–लखनऊ एमईएमयू	13.08.24 से 15.08.24
12180/12179	आगरा किला – लखनऊ जं. – आगरा किला इंटरसिटी	14.08.24

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी सं० एवं गाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग	तिथि
09417 अहमदाबाद जं. – दानापुर एक्सप्रेस	वाया उन्नाव जं.–डलमऊ–रायबरेली–मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–वाराणसी	12.08.24
12589 गोरखपुर जं.– सिकंदराबाद जं	वाया गोरखपुर–अयोध्या धाम जं.–अयोध्या कैंट–सुल्तानपुर जं.– मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–प्रयाग जं.–प्रयागराज जं.–कानपुर सेंट्रल	14.08.24
12103 पुणे जं.–लखनऊ	वाया उन्नाव जं.–मार्खी–बालामऊ जं.–आलम नगर–लखनऊ	13.08.24
09418 दानापुर – अहमदाबाद जं. एक्सप्रेस	वाया पं. दीन दयाल उपाध्याय–मिर्जापुर – प्रयागराज जं.–कानपुर सेंट्रल	13.08.24
12875 पुरी – आनंद विहार (ट)	वाया रायबरेली–डलमऊ–उन्नाव जं.–कानपुर सेंट्रल	13.08.24
12173 लोकमान्य तिलक – माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़	वाया उन्नाव जं.–डलमऊ–रायबरेली – मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़	13.08.24
09405 साबरमती–पटना जं	वाया कानपुर सेंट्रल–प्रयागराज जं.–मिर्जापुर–पं. दीन दयाल उपाध्याय	13.08.24
09112 गोरखपुर जं. – वडोदरा जं	वाया गोरखपुर–अयोध्या धाम जं.–अयोध्या कैंट–सुल्तानपुर जं.– मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़–प्रयाग जं. –प्रयागराज जं.–कानपुर सेंट्रल	14.08.24

रोककर चलाई जाने वाली रेलगाड़ियाँ

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	स्टेशन जहाँ पर रेलगाड़ी रोक कर चलाई जाएगी
09111 वडोदरा जं.–गोरखपुर जं	रेलगाड़ी दिनांक 06.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 80 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
14124 कानपुर सेंट्रल–मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़	रेलगाड़ी दिनांक 06.08.24 और 07.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 17:30 के स्थान पर 18:00 बजे 30 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
15084 फर्रुखाबाद–छपरा	रेलगाड़ी दिनांक 06.08.24 और 07.08.24 को अपने रूट पर 15 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
04137 ग्वालियर जं.–बरौनी जं	रेलगाड़ी दिनांक 07.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 140 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
11124 बरौनी जं.–ग्वालियर जं	रेलगाड़ी लखनऊ से दिनांक 09.08.24 को बाराबंकी जं. पर 50 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
15269 मुजफ्फरपुर जं.–साबरमती	रेलगाड़ी लखनऊ से दिनांक 09.08.24 को बाराबंकी जं. पर 40 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
12511 गोरखपुर जं.–कोच्चुवेली	रेलगाड़ी दिनांक 09.08.24 को अपने रूट पर 15 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
04296 कानपुर सेंट्रल–लखनऊ	रेलगाड़ी दिनांक 11.08.24 को कानपुर सेंट्रल 07:50 के स्थान पर 09:50 बजे 120 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
12522 एरणाकुलम जं.–बरौनी जं	रेलगाड़ी दिनांक 11.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 120 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
19409 साबरमती–गोरखपुर जं	रेलगाड़ी दिनांक 11.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 65 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
01823 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी–लखनऊ	रेलगाड़ी दिनांक 11.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 30 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
12594 भोपाल–लखनऊ	रेलगाड़ी दिनांक 12.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 150 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
19715 जयपुर जं.–गोमती नगर	रेलगाड़ी दिनांक 12.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 90 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी–लखनऊ	रेलगाड़ी दिनांक 12.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 15 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
12512 कोच्चुवेली–गोरखपुर जं	रेलगाड़ी दिनांक 13.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 120 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
19401 साबरमती–लखनऊ	रेलगाड़ी दिनांक 13.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 65 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
04298 कानपुर सेंट्रल–लखनऊ	रेलगाड़ी दिनांक 14.08.24 को कानपुर सेंट्रल से 12:20 के स्थान पर 15:20 बजे 180 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
15066 पनवेल–गोरखपुर जं	रेलगाड़ी दिनांक 14.08.24 को कानपुर सेंट्रल पर 145 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
22531 छपरा–मथुरा जं	रेलगाड़ी दिनांक 14.08.24 को छपरा पर 05:20 के स्थान पर 07:20 बजे 120 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
15067 गोरखपुर जं. – बान्द्रा (ट)	रेलगाड़ी दिनांक 14.08.24 को गोरखपुर से 05:25 के स्थान पर 06:35 बजे 70 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
04295 लखनऊ–कानपुर सेंट्रल	रेलगाड़ी दिनांक 14.08.24 को लखनऊ पर 14:30 के स्थान पर 16:00 बजे 90 मिनट रोक कर चलाई जाएगी
12003 लखनऊ–नई दिल्ली	रेलगाड़ी दिनांक 14.08.24 को लखनऊ जं. पर 15:30 के स्थान पर 15:45 बजे 15 मिनट रोक कर चलाई जाएगी

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
पर हमें फॉलो करें

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। अम्बेडकर नगर

जनपद के जैतपुर थाना क्षेत्र में बच्ची के साथ दुष्कर्म करने से मामले में त्वरित कारवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कुछ घंटे बाद ही आरोपी को दबोच कर न्यायालय भेज दिया मामला जैतपुर थाने के एक गांव का है। बच्ची के पिता ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया था कि रवि किशन निवासी बंदीपुर थाना जैतपुर एक मनबढ़ और दबंग किस्म का आदमी है। बीते गुरुवार को जब पीड़ित पिता अपनी दुकान पर था तब आरोपी मोबाइल चार्ज करने के बहाने उसके घर गया तथा उसकी तीन वर्षीय पुत्री का हाथ पकड़ कर दुकान पर घुमाने के बहाने उसकी पत्नी के पास से लेकर चला आया। नियत खराब होने की वजह से वह बच्ची को पास के ही मंदिर के पीछे ले गया और बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।बच्ची के चीख पुकार सुनकर लोगों को अपनी ओर आता देख आरोपी रवि किशन बच्ची को छोड़कर फरार हो गया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता तथा पॉक्सो एक्ट कि विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज करने के पश्चात जैतपुर पुलिस द्वारा बड़ी सरगर्मी से वांछित की तलाश की जा रही थी। अंततः पुलिस द्वारा आरोपी रवि किशन उर्फ छोटू पुत्र रामअजोर

निवासी ग्राम बंदीपुर थाना जैतपुर को शुक्रवार की सुबह लगभग साढ़े सात बजे जैतपुर बाग के पास से गिरफ्तार किया गया है। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना प्रभारी वंदना अग्रहरि के नेतृत्व में उपनिरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्रा, हेड कांस्टेबल रंजीत यादव तथा कांस्टेबल अरविंद कुमार की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी के परिजनों को सूचित करते हुए पुलिस द्वारा आरोपी को विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय के सम्मुख भेज दिया गया।

औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोरों का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। अम्बेडकरनगर

औषधि निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह द्वारा करन मेडिकल स्टोर टांडा, एस आर ए फार्मा हायतगंज टांडा एवं न्यू भारत मेडिकल स्टोर हयातगंज टांडा के औषधि भंडारण का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान औषधियों के रख रखाव को देखा गया मौके पर औषधियों के अभिलेखों की भी जांच की गई, जांच के दौरान प्रतिष्ठान पर लाइसेंस चस्पा हुआ नहीं पाया गया एवं अभिलेखों का रख रखाव ठीक नहीं पाया गया, कैमरा लगे हुए नहीं पाए गए उपरोक्त कमियो के सुधार हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान न्यू भारत मेडिकल स्टोर से संदिग्ध प्रतीत हो रहे जानवरों के 03 औषधियों का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया।

एसडीएम ने किया विधुत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण, मनमानी पर बिफरे

* एसडीएम ने डीएम को भेजी निरीक्षण रिपोर्ट
* एसडीओ सहित कई कर्मचारियों पर गाज गिरना तय

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

पूरनपुर। एसडीएम ने शुक्रवार सुबह नगर के विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ सहित कई कर्मचारी गायब मिले। विद्युत उपकेंद्र पर मनमानी को लेकर एसडीएम ने नाराजगी जताई। निरीक्षण रिपोर्ट डीएम को भेजी गई है। जिम्मेदारों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में बीते कई दिनों से बिजली व्यवस्था पूरी तरह वेपटरी हो गई है। उपभोक्ता लगातार अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगा रहे थे। लगातार मिल रहीं शिकायतों के बाद शुक्रवार सुबह उप जिलाधिकारी राजेश कुमार शुक्ला ने नगर के विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिम्मेदार एसडीओ सहित कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले।दूरभाष पर पूछने के दौरान उन्होंने साइट पर होने की बात कही। उनके कार्यालय में उपस्थिति पंजिका गायब मिली। कार्यालय में कर्मचारी शिवांशु मिश्रा (कार्यालय सहायक) उपस्थित मिले। उन्होंने बताया कि उनकी पोस्टिंग डिवीजन कार्यालय में है।अधिशासी अभियंता के निर्देश पर कार्यालय में उपस्थित हुए। एक अन्य कर्मचारी उपेंद्र कुमार ने स्वयं को कंप्यूटर ऑपरेटर बताया। निजी व्यक्ति अथवा संविदा पर होने के बारे में जानकारी पर वह कोई संतोषजनक जबकि नहीं दे सका।कमरों में दस्तावेजों का रखरखाव ठीक नहीं पाया गया। केस काउंटर पर चार-पांच उपभोक्ता खड़े थे।सुबह 10:10 पर केस काउंटर बंद मिला। उपस्थित पंजिका का अवलोकन करने पर नौ कर्मचारियों के नाम अंकित पाए गए। इसमें 4 और 7 पर अंकित कर्मचारी परिसर में उपस्थित मिले।रजिस्टर पर हस्ताक्षर नहीं थे। एसडीएम के निर्देश पर उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर कराए गए। परिसर में गंदगी झाड़ियां और मुख्य मार्ग पर कीचड़ होने पर नाराज व्यक्त की।साफ सफाई करने के निर्देश दिए। एसटीएम ने निरीक्षण के बाद पूरे मामले की रिपोर्ट डीएम को भेजी है। निरीक्षण से स्टाफ में खलबली मची रही। लापरवाह अधिकारियों पर करवाई तय मानी जा रही है।

आवारा पशु से घायल बृद्ध की उपचार के दौरान हुई मौत ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

केराकत क्षेत्र के हुरहुरी गांव में आवारा पशु के मारने से हुई वृद्ध की मौत पर बौखलाए सैकड़ों ग्रामीणों ने शुक्रवार की सुबह शिवमन्दिर के पास पहुंच जौनपुर केराकत मार्ग को जाम कर प्रदर्शन कर अपना विरोध जता रहे थे। जैसे प्रदर्शन की खबर पुलिस को हुई तो आनन-फानन में हुरहूरी गांव में क्राइम इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह मय टीम के साथ मौके पर पहुंच प्रदर्शन कर रहे लोगो को समझा बुझा कर रोड खाली करा कर आवागमन को सुचारू रूप से चालू कराया। वही मौके पर पहुंचे खण्ड विकास अधिकारी पवन कुमार को परिजनों ने पत्रक सौंप जिम्मेदार ग्राम प्रधान व सचिव पर कार्यवाही की मांग की मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्व की टीम ने आवारा पशु को पकड़कर उसे गौशाला भेज दिया। गौरतलब है कि हुरहुरी गांव निवासी कृष्णदेव सिंह 80 वर्ष बुधवार की शाम गांव में टहल रहे थे कि तभी अचानक आवारा पशु ने हमला कर दिया हमले में बृद्ध की मौत हो गई।

मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ की जाएगी कार्यवाही: एसडीएम

आवारा पशु के हमले में मृतक परिवार से बात की गई जो उनका आरोप था उसके लिए मौजूद क्षेत्राधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी से बात की गई मामले की जांचोपरांत दोषी पाये जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

हरदोई घटना को लेकर अधिवक्ताओं में रोष, तहसील में किया प्रदर्शन

* मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा
* जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे अधिवक्ता

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

पूरनपुर। हरदोई में अधिवक्ता कनिष्ठ मेहरोत्रा की हत्या को लेकर प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन ने तहसील में विरोध प्रदर्शन किया। हत्यारोपियों को फांसी की सजा और परिवार को 50 लाख मुआवजा दिलाए जाने की मांग की।मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन अध्यक्ष अमिताभ मिश्रा की अगुवाई में तहसील परिसर में बैठक की गई। इसके बाद जुलूस की शक्ल में सैकड़ो अधिवक्ता नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौपा।दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि हरदोई के वरिष्ठ अधिवक्ता कनिष्ठ मेहरोत्रा के घर में घुसे बेखौफ बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस एक भी हत्यारोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। वारदात से अधिवक्ता समाज में रोष व्याप्त है। अधिवक्ताओं की सुरक्षा पर भी प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। उन्होंने शीघ्र अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को लागू करने की मांग की। अधिवक्ता के हत्यारों की गिरफ्तारी कर फांसी की सजा और परिवार को कम से कम 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की।ज्ञापन में कहा गया कि अधिवक्ता समाज व जनहित को लेकर हरसंभव प्रयास करता है। ज्ञापन देने वालों में अमिताभ मिश्र अध्यक्ष,संजय पांडे महामंत्री, मुकेश कुमार गुप्ता, प्रेमपाल श्रीवास्तव,देवेंद्र कुमार, राजकुमार सागर,सूरज सिंह,संजय शुक्ला,तेज बहादुर शर्मा,आलोक शर्मा सहित दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ मारपीट कर छत से फेंका

* गंभीर हालत में सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर
* कार्रवाई के लिए विवाहिता के भाई ने पुलिस को दी तहरीर

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

पूरनपुर। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने विवाहिता के साथ मारपीट कर जान से मारने की नीयत से छत से फेंक दिया। गंभीर हालत में महिला को उपचार के लिए पूरनपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। कार्रवाई के लिए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी गई है। थाना माधोटांडा क्षेत्र के गांव रुद्रपुर निवासी विजय सिंह ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसने अपनी बहन का विवाह पांच माह पूर्व कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक के साथ किया था। सामर्थ्य के अनुसार दाना दहेज भी दिया था। शादी के बाद से ही ससुर, ददिया सास,सास,ननद शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगी। विरोध पर गाली गलौज कर मारपीट की गई।अतिरिक्त दहेज में एक बुलेट ,दो लाख रुपए नगदी की मांग करने लगे। आरोप है की मांग पूरी न होने पर शुक्रवार ससुरालियों ने एक राय होकर विवाहिता के साथ लात घूसों और लाठी डंडों से जमकर मारपीट की। जान से मारने की नीयत से छत से नीचे फेंक दिया। गंभीर हालत में मायके पक्ष के लोगों ने विवाहिता को उपचार के लिए पूरनपुर सीएससी में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। आरोप है कि पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी।प्रभारी निरीक्षक राजीव शर्मा ने बताया कि महिला का मेडिकल कराया जा रहा है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नगर मजिस्ट्रेट ने ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह के निर्देशानुसार आज नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने प्रातः 10:15 बजे ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय सुदीप वेदार, प्राचार्य एवं अधीक्षक, ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, पीलीभीत महाविद्यालय/चिकित्सालय में उपस्थित नहीं मिले जिनके सम्बन्ध में उपस्थित कर्मचारी के माध्यम से दूरभाष पर हुई वार्ता में संज्ञानित हुआ कि वह शासकीय कार्यवश मुख्यालय पर उपस्थित है।

उक्त के अतिरिक्त महाविद्यालय/चिकित्सालय में रक्षित उपस्थिति पंजिकाओं में से चिकित्सालय स्टॉफ अनुभाग की पंजिकानुसार कार्यरत कुल 40 कर्मचारियों में से शंकर लाल गंगवार फार्मा0 आकस्मिक अवकाश पर, रविन्द्र कुमार शर्मा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सचिन शर्मा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये, मुन्नी देवी कहार की अनुपस्थिति के विषय में अवगत कराया गया कि उनकी ड्यूटी दोपहर से रहती है, जबकि विकास कुमार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (रात्रि) निलम्बित होना पाये गये हैं।

महाविद्यालय/चिकित्सालय में रक्षित चिकित्सालय शिक्षण अनुभाग की पंजिकानुसार कार्यरत कुल 24 कर्मचारियों में से गुरुवार 1 अगस्त को कोई भी स्टाफ अनुपस्थित नहीं पाया गया। इसी प्रकार कालेज स्टॉफ की उपस्थिति पंजिका के अनुसार कार्यरत कुल 26 कर्मचारियों में से गुरुवार को गोपाल शर्मा स्वच्छक अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान संज्ञान में लाया गया कि आयुर्वेदिक कालेज/चिकित्सालय में सम्बन्धित चिकित्सकों/कर्मचारियों की ड्यूटी पालियों के अनुसार आवंटित हैं। उक्त के सम्बन्ध में अपेक्षा की गई कि सम्बन्धित चिकित्सक /शिक्षक/कर्मचारी अपनी पाली के अनुसार उपस्थिति पंजिका में उपस्थिति के हस्ताक्षर अंकित करते हुये उपस्थिति के समय का भी अंकन करें।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 60 लोगों ने कराई मलेरिया की जांच, सभी निगेटिव

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

* मलेरिया पॉजिटिव महिला मिलने के बाद हरकत में आया स्वास्थ्य विभाग

हजारा(पूरनपुर)। ट्रांस शारदा क्षेत्र में मलेरिया पॉजिटिव मरीज मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने गांव में विशेष मेडिकल कैंप लगाया गया।ग्रामीणों के मलेरिया जांच के लिए रक्त का नमूना लेकर जांच की। मलेरिया नेगेटिव रिपोर्ट आने पर ग्रामीणों और स्वास्थ्य विभाग ने राहत की सांस ली। पूरनपुर तहसील के ट्रांस शारदा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भरतपुर हजारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव शांति नगर में एक महिला मलेरिया पॉजिटिव आने पर गांव में खलबली मच गई।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भरतपुर हजारा की महिला एमबीबीएस डॉक्टर रश्मि श्रीवास्तव ने शुक्रवार को गांव शांति नगर में पहुंचकर विशेष मेडिकल कैंप का आयोजन किया।कैंप में लगभग 60 ग्रामीणों के रक्त की जांच कराई गई। इधर डाक्टर रश्मि श्रीवास्तव द्वारा कैंप में आये मरीजों को सर्दी, खांसी-जुकाम, बुखार, खुजली,पेट रोग आदि रोगों की जांच कर निशुल्क दवाईयों का वितरण किया है।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भरतपुर हजारा की डॉक्टर रश्मि श्रीवास्तव ने मेडिकल कैंप पर पहुंचने वाले सैकड़ो ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरों से बचने और मच्छरदानी का प्रयोग करने का सुझाव दिया। साथ ही घर के आसपास पानी जमा न होने देने के लिए भी जागरूक किया। बताया कि एकत्र पानी में मच्छर तेजी पनपते है जिसके काटने से मलेरिया बुखार हो सकता है। कैंप के दौरान शांति नगर ग्राम प्रधान रामकृपाल वर्मा उर्फ सुखम एएनएम व आशा बहू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उप जिलाधिकारी सदर ने मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह के निर्देशानुसार उप जिलाधिकारी सदर ने प्रातः 10:10 बजे मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में नियमित कर्मचारियों में गीता रानी आशु लिपिक, मो0 इरशाद आशुलिपिक, अदनखान बी0एच0डब्लू0, संजय कुमार एआरओ अनुपस्थित रहे। अवगत कराया गया कि राजकुमार द्विवेदी शासकीय कार्यों से लखनऊ गए हुए है। शेष नियमित कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में डीपीएम यूनिट में मो0 नाजिर डी.पी.एम. एवं कौशल कुमार डी0डी0ए0 निरीक्षण के अनुपस्थित रहे।

कार्यालय में कार्यरत संविदा कर्मचारियों में सुशील कुमार, डा0 अटल मणि शुक्ला, डा0 महविश सिद्दीकी, बृजेश कुमार, अरूण कुमार, विवेक मिश्रा अनुपस्थित पाए गए। शेष संविदा कर्मचारी उपस्थित पाए गए। चिकित्साधिकारी/अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि डॉ0 एस0के0 सिंह, उप मुख्य चिकित्साधिकारी अनुपस्थित रहे, जिसम सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि उनका स्वास्थ्य ठीक नही है, जिस कारण से कार्यालय नहीं आए हैं। मलेरिया अधिकारी के कार्यालय में अनुपस्थित कर्मचारी अमित अग्रवाल एवं सदाकत उल्लाखान की ड्यूटी कलेक्टेट/आफिसर कॉलोनी में लगी है, वह वहां कार्य करने गए है। रतन कुमार आई0एम0डब्लू0 अनुपस्थित रहे। कृष्ण प्रकाश दुबे एम0एफ0 बीमार होने के कारण अनुपस्थित रहे। राजकुमार एम0एफ0, पंकज द्विवेदी डीएमओ अनुपस्थित रहे। शेष समस्त कर्मचारी अनुपस्थित रहे। जिला कुष्ठ अधिकारी कार्यालय में कार्यरत समस्त कर्मचारी निरीक्षण के समय उपस्थित पाए गए।

फास्ट फॉरवर्ड

स्कूल वाहनों के फिटनेस जांच हेतु 04 अगस्त को होगा कैंप का आयोजन

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) ने जिले के समस्त स्कूलों के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य को अवगत कराया है कि 04 अगस्त, 2024 को सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय जौनपुर में स्कूली वाहनों के फिटनेस किये जाने हेतु एक वृहद कैम्प का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी अपने फिटनेस फेल वाहनों के आवेदन शुल्क आनलाइन जमा करके दिनांक 04 अगस्त 2024 का स्लॉट बुक करके वाहन के समस्त प्रपत्र को लेकर कार्यालय में वाहन के साथ प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 05:00 बजे तक अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

शादी का झांसा देकर बनाया शारीरिक संबंध

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। शाहगंज। कोतवाली शाहगंज के उसरहटा निवासी एक युवक ने क्षेत्र के नगहरा निवासी युवती के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया और बाद में शादी से मुकर गया। पीड़िता शुक्रवार को थाने पहुंच गई और आरोपित के विरुद्ध लिखित शिकायत की। पुलिस ने शिकायत की जांच-पड़ताल कर आवश्यक कार्यवाही करने की बात कही। आरोपित युवक का पीड़िता के गांव में आना जाना था। किसी प्रकार दोनों की जान पहचान हुई तो मामला प्रेम प्रसंग तक पहुंच गया।

पीड़िता का आरोप है कि युवक उसके साथ शादी करने का वादा करके शारीरिक संबंध बनाता रहा। कुछ दिनों पहले से जब भी वह शादी की बात करती आरोपित कोई न कोई बहाना बनाकर बात को टाल देता था। जब उसने अधिक दबाव बनाया तो वह शादी करने से सीधे-सीधे मुकर गया।

कप्तान के आदेश पर 11 लोगों के विरुद्ध मुकदमा

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। सरपतहा थाना क्षेत्र के गैरवांह (नजोपुर) में जून माह में घटित एक पुराने मामले में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर शुक्रवार को कुल 11 लोगों के विरुद्ध मारपीट, बलवा, गाली-गलौज, जान से मारने धमकी सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। गांव निवासी परमानंद ने पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा को प्रार्थना पत्र दिया कि उसके पट्टीदार जैसराज, प्रिंस, फूला, गरिमा, अनन्या, हिरजू, भीमराज, योगराज, साधे, धर्मेंद्र व एक अज्ञात व्यक्ति बीते पांच जून को लाठी डंडे से लैश होकर उसके घर पर धावा बोल दिए और जो भी मिला उसे मारने पीटने लगे। पीड़ित जान बचाकर घर मे भागा तो उसका एक दर्जन से अधिक सीमेंट शेड, एक बाइक व दरवाजा आदि कुल्हाड़ी से काटकर क्षतिग्रस्त कर दिए। पीड़ित थाने गया तो उसका मुकदमा नहीं लिखा गया। पुलिस अधीक्षक ने मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना का आदेश सरपतहां पुलिस को दिया है।

स्थाई लोक अदालत की सदस्य बनीं रजनी सिंह

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर नगर के मुरादगंज निवासी रजनी सिंह के स्थाई लोक अदालत का सदस्य बनाये जाने पर परिजनों में खुशी है। इसके पूर्व रजनी सिंह 2002 से 2020 तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय , महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय से जुड़कर कई सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं में काम कर चुकी हैं। कठिन चयन प्रक्रिया के पश्चात जनपद जौनपुर की स्थाई लोक अदालत में सदस्य पद पर चयन हुआ है । श्रीमती सिंह को पूर्व में किये गये सामाजिक कार्यों एवं अनुभव के साथ ही साक्षात्कार में बेहतर प्रदर्शन के पश्चात यह मुकाम हासिल हो सका। रजनी सिंह ने कहा कि मुझे जो दायित्व मिला है,उसका पूरी निष्ठा, ईमानदारी से पालन करुंगी। अपनी सफलता का श्रेय पति राकेश सिंह सहित परिजनों को दिया है। श्रीमती सिंह की सफलता पर उनके आवास पर परिजनों एवं शुभचिंतकों द्वारा बधाई देने सिलसिला जारी है।

इस मौके पर प्रीति गुप्ता, डा. कविता राय, एकता सिंह,ममता श्रीवास्तव, प्रदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

जौनपुर पुलिस ने बीते दिनों हुई लूट की घटना का किया खुलासा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जिले के बक्सा थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह सर्विलांस की मदद से लूट की घटना का शुक्रवार को खुलासा कर दिया।मुख्य अभियुक्त धमेंद्र गौड़ और चोरी का माल खरीदने वाला सोनार सुनील सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है इनके कब्जे से दो सोने की चैन दो लाकेट एक तमंचा 315 बोर दो जिंदा कारतूस एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। बरामद किए गए माल का पीड़ित परिवार द्वारा पहचान किया गया। जो पीड़ित परिवार संतुष्ट हैं घटना का मुख्य आरोपी अतुल गौड़ को पहले ही पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। और इस घटना में सम्मिलित अन्य अभियुक्त जो अभी वांछित है उसमें अरविंद केवट और सुरेन्द्र गौड़ की गिरफ्तारी शेष है। पुलिस टीम लगातार काम कर रही है।शेष अभियुक्तों की गिरफ्तार जल्द हो जाएगी। गिरफ्तार अभियुक्त धमेंद्र गौड़ और चोरी का माल खरीदने वाले सोनार सुनील सोनी के खिलाफ समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेजने की अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।बता दें कि स्थानीय थाना क्षेत्र के चक मिर्जापुर गांव के पास बीते 13 जुलाई की रात्रि एक बजे वाराणसी लखनऊ राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर चढ़ने के दौरान बारात से लौट रही इनोवा कार में बैठी महिलाओं से बाइक सवार बदमाशों ने असलहे के बल पर आभूषण व कुछ नगदी लूट फरार हो गए थे। पीड़ित पक्ष ने रात्रि में ही घटना की जानकारी पुलिस को दी थी।पुलिस अधीक्षक ने घटना की जानकारी लेने के बाद मातहतों को आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया।

दर्जनों खण्ड शिक्षा अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में हुआ फेरबदल

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

बेसिक शिक्षा विभाग में गुणवत्ता संवर्द्धन एवं विभिन्न योजनाओं में गति को तीव्र करने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने जिलाधिकारी के अनुमोदन से जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में कार्यरत 18 खण्ड शिक्षा अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है।

बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित योजनाएं, निपुण भारत मिशन, कायाकल्प, डी0बी0टी0, डिजिटाइजेशन, नामांकन, बच्चों के ठहराव हेतु शैक्षिक वातावरण व परिवेश एवं बालिका शिक्षा के बेहतर क्रियान्वयन हेतु अरविंद कुमार पाण्डेय को वि0ख0 सुजानगंज से बदलापुर, राजेश कुमार वैश्य को वि0ख0 सुईथाकला से धर्मापुर, कन्हैयालाल को वि0ख0 रामनगर से मुफ्तीगंज, अजीत कुमार सिंह को वि0ख0 मड़ियाहू से सिकरारा, अमरदीप जायसवाल को वि0ख0 शाहगंज से मछलीशहर, डॉ0 किरण पाण्डेय को वि0ख0 महराजगंज से सुजानगंज, रमेशचन्द्र पटेल को वि0ख0 धर्मापुर से महाराजगंज, श्रीमती शिखा मिश्रा को वि0ख0 बदलापुर से बक्शा, आनंद प्रकाश सिंह को वि0ख0 सिकरारा से करंजाकला, बसंत कुमार शुक्ला को जिला मुख्यालय से शाहगंज, श्रवण कुमार यादव को वि0ख0 करंजाकला से सुईथाकला, उदयभान कुशवाहा को वि0ख0 बक्शा से मडियाहूँ, सुभाष गुप्ता को नगरक्षेत्र से वि0ख0 रामनगर, अश्वनी कुमार सिंह को वि0ख0 खुटहन से रामपुर, गौतम प्रसाद को वि0ख0 रामपुर से बरसठी, विपुल कुमार उपाध्याय को वि0ख0 मछलीशहर से खुटहन, राजीव रंजन को वि0ख0 बरसठी से नगर क्षेत्र तथा नीरज कुमार श्रीवास्तव को वि0ख0 मुफ्तीगंज से जिला मुख्यालय आवंटित किया गया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इससे विभाग की कार्यकुशलता, पारदर्शिता एवं निष्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।

बसंत शुक्ल बने शाहगंज के नये खंड शिक्षा अधिकारी

ब्लाक संसाधन केन्द्र, शाहगंज पर नये खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में बसंत शुक्ल ने कार्य भार ग्रहण किया।पूर्व में खंड शिक्षा अधिकारी रहे, अमरदीप जायसवाल ने मछली शहर की कमान सम्भाली।शिक्षकों ने खंड शिक्षा अधिकारी द्वय को सम्मानित किया। शिक्षकों से खचाखच भरे सभागार में शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किये। ए आर पी एसोसिएशन के प्रदेश मंत्री एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ शाहगंज, प्रशांत मिश्र ने स्वागत करते हुये, कहा कि नये खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में शाहगंज पूर्व की भांति जनपद में नया आयाम प्राप्त करता रहेगा । कार्यक्रम में वीरेंद्र प्रताप सिंह, अभिषेक सिंह, अशोक कुमार, रत्नेश सिंह, वीरेंद्र, विवेक राज, महेन्द्र यादव, सुजीत सोनकर, राजमणि,रेनू गुप्ता, नीतू सिंह, गुफरान अहमद, बृजेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता ,रजनीश सिंह, राजन, मो तल्हा, आदि रहे।

कोचिंग सेंटर सैकड़ों, पंजीकरण सिर्फ 20 का

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सैकड़ों की संख्या में कोचिंग सेंटर संचालित हैं, लेकिन डीआईओएस कार्यालय में सिर्फ 20 का ही पंजीकरण है। बाकी बिना मानक अवैध तरीके से संचालित हो रहे हैं। इनमें न तो आग से बचाव के इंतजाम हैं, न ही जल भराव के खतरे से बचने की व्यवस्था। कई इतनी संकरी गलियों में हैं, जहां दमकल का पहुंचना भी मुश्किल है। बेसमेंट में भी कक्षाएं चलती हैं। संचालक यहां कक्षा छह से प्रतियोगी परीक्षाओं तक की तैयारी कराते हैं।

कई कोचिंग सेंटर ऐसे हैं जिनमें दिल्ली जैसा जलभराव या आग लगने पर खतरा मंडरा रहा है। शहर में पन्नालाल पार्क, आवास विकास कालोनी, इंद्रानगर, पीडी नगर, शिव नगर और हरदोई पुल के नीचे सहित पूरे शहर में घरों और गोदामों में कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं। शहर में छोटी-बड़ी 40 से अधिक कोचिंग सेंटर हैं, जिनमें बोर्ड परीक्षा से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं तक की तैयारी कराई जाती है। कई में ई-लाइब्रेरी भी संचालित हैं। इनमें कई सेंटरों के भवन पुराने और जर्जर हो चुके हैं। कई के रास्ते इतने संकरे हैं कि आग लगने पर फायर ब्रिगेड तक नहीं पहुंच सकती, लेकिन इन संचालकों पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई अब तक नहीं की गई। संचालक भी बिना रोकटोक संलालन करके मनमानी फीस वसूल रहे हैं। डीआईओएस एसपी सिंह ने बताया कि कोचिंग संचालकों को नोटिस जारी करने के लिए बाबू को निर्देश दिए गए हैं। अवैध कोचिंग सेंटरों के खिलाफ अभियान भी चलेगा। बिना फायर एनओसी और गाइड लाइन की अनदेखी करके कोचिंग सेंटर का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। पहले भी संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कोचिंग पंजीकरण के लिए छात्र संख्या के आधार पर जमा होता शुल्क

डीआईओएस एसपी सिंह ने बताया कि कोचिंग पंजीकरण के लिए छात्र संख्या के आधार पर शुल्क जमा करने का प्रावधान है। 50 छात्र से कम होने पर 10 हजार और 50 छात्रों से अधिक संख्या होने पर 25 हजार रुपये शुल्क जमा करने का प्रावधान है। इसके लिए कोचिंग संचालक फार्म भरकर डीआईओएस कार्यालय में जमा करेगा। वहां से उसे एक कोड दिया जाएगा। उसी कोड नंबर के आधार पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में जाकर शुल्क जमा करना होगा। कोचिंग संचालन के लिए भवन होना चाहिए। कोचिंग में अध्ययन सामग्री की व्यवस्था हो। पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित स्टॉफ होना जरूरी है।

खड़े ट्रेलर में पीछे से घुसा गिट्टी लदा डंपर, चालक क्लीनर फंसे

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

सोनिक। दही थाने के सामने खड़े ट्रेलर में गिट्टी लदा डंपर पीछे से भिड़ गया। डंपर के चालक और क्लीनर उसी में फंस गए। एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को निकाला जा सका।

कानपुर नगर के गजफ्फरपुर निवासी जितेंद्र कुमार ट्रेलर में सरिया लादकर अयोध्या जा रहा था। गुरुवार तड़के कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दही थाने के सामने ट्रेलर का ब्रेक फेल हो गया। चालक ने गाड़ी वहीं पर खड़ी कर दी और चला गया। इसी दौरान जिला हमीरपुर निवासी सुशील (32) क्लीनर पवन (28) के साथ कबरई से गिट्टी लेकर बहराइच जा रहा था। थाने के सामने खड़े सरिया लदे ट्रेलर में पीछे से डंपर घुस गया। चालक और क्लीनर केबिन में फंस गए।

पुलिस ने एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों की हालत गंभीर देख रेफर कर दिया गया। हादसे से जाम की स्थिति बन गई। वाहन रेंगते नजर आए। गुरुवार दोपहर एक बजे तक हाईवे से दोनों वाहन न तो एनएचएआई ने हटवाए और न ही पुलिस ने कोई प्रयास किए। दही थानाध्यक्ष अनुराग सिंह ने बताया कि वाहनों को हटवाने का प्रयास किया गया, लेकिन जाम होने से थोड़ा देरी हुई। दोनों वाहन हटवाए जा रहे हैं।

बालिका से की अश्लील हरकत, फोटो सोशल मीडिया पर की वायरल

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

महिला ने पड़ोसी युवक पर आरोप लगाया है कि उसने बेटी की अश्लील फोटो लेकर ब्लैकमेल किया और सोशल मीडिया पर फोटो वायरल कर दी। तहरीर लेकर पुलिस जांच कर रही है। सफीपुर कोतवाली के एक गांव निवासी महिला ने तहरीर दी है कि खेत जाते समय 12 साल की बेटी के साथ पड़ोसी युवक ने गलत हरकत की और आपत्तिजनक फोटो ले ली।

अब ब्लैकमेल का प्रयास कर रहा है। चौकी इंचार्ज दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रार्थनापत्र के आधार पर जांच की जा रही है।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 10 साल का कारावास

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

न्यायालय ने दुष्कर्म के दोषी को 10 साल कारावास की सजा सुनाई। उस पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

आसीवन थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि दो सितंबर 2014 की सुबह उसकी नाबालिग बेटी कपड़ा सिलाने की बात कहकर घर से निकली थी। रास्ते में एक आम के बाग के पास बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के आंबेडकर नगर निवासी संजय कुमार मिला। वह बेटी को बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अपहरण की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी।

कुछ दिन बाद पुलिस ने किशोरी को तलाश कर उसके बयान और चिकित्सकीय परीक्षण के आधार पर आरोपी संजय के खिलाफ दुष्कर्म की धारा बढ़ाई थी। इसकी विवेचना कृष्णकांत यादव ने की और 28 फरवरी 2015 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट नंबर 12 में पूरी हुई। न्यायाधीश शैलेंद्र यादव ने दोषी संजय को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

हाईवे पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार व्यापारी की मौत

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

सोनिक। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दही थानाक्षेत्र के वर्कशॉप मोड़ के पास ट्रक की टक्कर से बाइक सवार व्यापारी की मौत हो गई। वह लखनऊ का रहने वाला था। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग निकला। बाइक चालक हेलमेट लगाए था।

लखनऊ के थाना आलमबाग के चंद्रनगर मोहल्ला की रिफ्यूजी कालोनी निवासी गगनजोत सिंह कोहली (40) लखनऊ और कानपुर की दुकानों में कोल्डड्रिंक की सप्लाई करते थे। बुधवार शाम पांच बजे वह व्यापार के सिलसिले में कानपुर आए थे। लौटते समय रात 11 बजे कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दही थानाक्षेत्र के रोडवेज वर्कशाप मोड़ के पास ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर घायल हो गए। पुलिस जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

जेब में मिले मोबाइल से परिजनों को सूचना दी गई। मृतक के चाचा महेंद्र सिंह ने बताया कि गगनजोत के पिता की 20 साल पहले मौत हो गई थी। गगनजीत पर मां चरनजीत कौर और बहन परिवंदर की जिम्मेदारी थी। अभी उसने अपनी शादी नहीं की थी। बेटे की मौत से मां और बहन सदमे में हैं।

एसओ अनुराग सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में युवक की मौत हुई है। हादसा करने वाले ट्रक की तलाश की जा रही है।

सड़क से नीचे उतरी रोडवेज बस, यात्रियों में चीख पुकार

उन्नाव

लखनऊ से सवारियां लेकर कानपुर जा रही रोडवेज बस गुरुवार सुबह हिनौरा चौकी के पास सड़क से उतरकर 200 मीटर जंगल की ओर चली गई। सवारियों में चीख-पुकार मच गई। एक महिला को हल्की चोट आई है। हादसे के वक्त बस में 24 यात्री थे।

बस्ती डिपो की बस का चालक कप्तानगंज बस्ती निवासी सर्वेश यादव, कंडक्टर गोंडा के परसरपुर निवासी आदेश मिश्र के साथ गुरुवार सुबह छह बजे लखनऊ से 24 सवारियां लेकर कानपुर जा रहा था। लखनऊ- कानपुर हाईवे पर सोहरामऊ थानाक्षेत्र के हिनौरा चौकी के पास चालक को झपकी आने से बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। हालांकि बस न कहीं टकराई और न पलटी। इससे सवारियां सुरक्षित बच गईं।

हादसे में बस में बैठीं कानपुर ग्वालटोली की झोरा देवी पत्नी संतराम को मामूली चोट आईं।

मौके पर पहुंची पुलिस ने सवारियों को बस से बाहर निकाला और दूसरी बस से गंतव्य के लिए भेजा।

चालक ने पुलिस को बताया कि डंपर चालक क ओवरटेक करने से घटना हुई।

जबकि सवारियां ने चालक को झपकी आने की बात बताई। थानाध्यक्ष शरद कुमार ने बताया कि चालक को झपकी आने से बस सड़क के नीचे उतर गई थी। यात्रियों को चोट नहीं आई।

अधिवक्ताओं ने हरदोई की घटना के विरोध में प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर बार और द लायर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बारी-बारी से ज्ञापन एसडीएम को सौंपा हरदोई में तीस जुलाई को अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा की घर में घुसकर गोली मारकर की गई निर्मम हत्या के मामले में शुक्रवार को बिल्हौर तहसील के दोनों अधिवक्ता संगठन बार एसोसिएशन और द लायर्स एसोसिएशन के आक्रोशित अधिवक्ताओं ने पटना की निंदा करते प्रशासन से नाराजगी की व्यक्त की।शुक्रवार को बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने संगठन के अध्यक्ष आलोक मिश्रा उर्फ टुन्नू और महामंत्री महेंद्र कुशवाह के नेतृत्व में और द लायर्स एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष प्रवीण कटियार और महामंत्री राजीव कटियार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम रश्मि लंबा को सौंपा। अधिवक्ताओं ने शासन से घटना को अंजाम देने वाले सभी आरोपियों कि जल्द से जल्द गिरफ्तारी कर कठोर सजा दिलाने और अधिवक्ताओं के सुरक्षा हितों के लिए जल्द से जल्द अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की। इस मौके पर दोनों संगठनों के सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद रहे।

नौनिहालों को जोखिम में डालने वाले अनफिट वाहनों के रद्द होंगे पंजीकरण

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

एक सप्ताह में फिटनेस न कराने पर स्कूली वाहनों का पंजीकरण निलंबित और फिर रद्द किया जाएगा। अमर उजाला में अनफिट वाहनों को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद एआरटीओ ने यह निर्देश दिए हैं।

एआरटीओ कार्यालय से सभी अनफिट स्कूली वाहनों का फिटनेस कराने के लिए स्कूल और वाहन संचालकों को नोटिस भेजे गए हैं। एआरटीओ श्वेता वर्मा ने बताया कि जिले के 70 स्कूलों के 180 वाहन फिटनेस कराए बिना ही बच्चों को लेकर आ-जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आठ से 22 जुलाई तक कार्यालय में विशेष कैंप लगा था लेकिन इसमें भी सभी वाहनों का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है।

उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी अनफिट वाहन को सड़क पर न चलने दिया जाए। वह खुद इसकी लगातार समीक्षा कर रहे हैं। एआरटीओ ने बताया कि सभी स्कूलों और स्कूल वाहन चालकों को नोटिस भेजे गए हैं। एक सप्ताह में फिटनेस कराने की मोहलत दी गई है। इसके बाद भी न कराने पर इन अनफिट वाहनों के रजिस्ट्रेशन का निलंबन और निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। रजिस्ट्रेशन रद्द होने के बाद यह वाहन कबाड़ माने जाएंगे और इनका उपयोग करने पर एफआईआर दर्ज होने के साथ जुर्माने की भी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल वाहनों के लिए मानक

- स्कूल वाहन का रंग पीला होना चाहिए।
- वाहन के आगे-पीछे स्कूल प्रधानाचार्य का नाम व मोबाइल नंबर लिखा हो।
- वाहन के दोनों तरफ स्कूल का नाम लिखना आवश्यक है।
- वाहन में सीसीटीवी कैमरा और जीपीएस सिस्टम चालू हालत में हो।
- वाहन में आपातकालीन द्वार सही स्थिति में हो।
- वाहन की खिड़कियों में ग्रिल लगी हो, ताकि बच्चे सुरक्षित रहें।
- सभी लाइटें, इंडीकेटर, ब्लिंकर चालू हालत में हों।

डीएम की सख्ती का असर, दूर हुआ दलाली का दलदल

प्रशासन की सख्ती और छापे के बाद बाद एआरटीओ कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस जारी होने में तेजी आई है। जिले के लिए प्रतिदिन 108 लाइसेंस जारी करने का स्लॉट है। अभी तक रोजाना 40 से 50 लाइसेंस बन रहे थे लेकिन अब 80 से 100 लाइसेंस बन रहे हैं। एआरटीओ कार्यालय में दलालों के दखल पर अंकुश लगाने के लिए 25 जुलाई को डीएम गौरांग राठी के निर्देश पर एडीएम विकास कुमार ने छापा मारा था। हालांकि मुखबिरी हो जाने से कार्यालय में धमाचौकड़ी करने वाले दलाल एडीएम के पहुंचने से पहले ही निकल गए थे। डीएम की सख्ती का असर यह हुआ कि ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य काम में इन दिनों दलाली बंद है। लोग सीधे कार्यालय पहुंचकर अपने काम करा रहे हैं। कार्यालय के बाहर स्थित जिन दुकानों से यह गोरखधंधा चलाया जा रहा था, उनके भी पिछले छह दिनों से शटर बंद हैं। एआरटीओ श्वेता वर्मा ने बताया कि जिले के लिए रोजाना 108 लाइसेंस जारी करने का स्लॉट निर्धारित है, वर्तमान में 80 से 100 जारी हो रहे हैं।

नहीं बना ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक

एआरटीओ कार्यालय में ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक न होने से आरआई ऑनलाइन टेस्ट होने के बाद आवेदकों से वाहन को आगे-पीछे चलवाकर और गियर, इंडीकेटर, डिपर आदि की फौरी जानकारी लेकर लाइसेंस की प्रक्रिया पूरी करा रहे हैं। आरआई केके यादव ने बताया कि किसी ड्राइविंग स्कूल का प्रशिक्षण प्रमाणपत्र भी मान्य होता है। एआरटीओ कार्यालय ने बताया कि बड़ा ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक न बनने तक कार्यालय परिसर में ही एक टेस्टिंग ट्रैक की व्यवस्था कराई जा रही है।

फास्ट फॉरवर्ड

अनियंत्रित लोडर ने बाइक व कार में मारी टक्कर, आठ घायल

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। सोनिक। कटरा मंदिर के पास कानपुर लेन पर जा रहा लोडर अनियंत्रित होकर लखनऊ लेन पर आ गया और बाइक में टक्कर मारते हुए कार से टकरा गया। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के छह लोगों समेत आठ घायल हो गए। जिला अस्पताल से दो को हैलट रेफर किया गया। माखी के मेथीटीकुर गांव निवासी सुलेमान (70) का पैर टूटने से परिजन उन्हें अजगैन में दिखा रहे थे। गुरुवार शाम करीब सात बजे परिवार के यार मोहम्मद (45), रजिया बेगम (65), ईदगाह निवासी शहनाज बानो (45), खेमईखेड़ा निवासी शमशुन (35) उन्हें कार से ले जा रहे थे। कार बहराई के सरांय जगना निवासी सादिक चला रहे थे। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दही थानाक्षेत्र के कटरा मंदिर के पास लखनऊ से कानपुर जा रहे तेज रफ्तार लोडर ने अनियंत्रित होकर दूसरी लेन पर आकर बाइक में टक्कर मार दी और फिर कार से टकरा गया। इससे अजगैन के बिचपरी निवासी किशन नारायण (50) और कार सवार लोग घायल हो गए। घटना में लोडर चालक नंतुलिया मैनपुरी निवासी राजेश तिवारी (48) को गंभीर चोटें आईं। पुलिस घायलों को जिला अस्पताल लाई। किशन नारायण व राजेश की हालत गंभीर देख कानपुर हैलट रेफर किया गया। थानाध्यक्ष अनुराग सिंह ने बताया कि तीनों वाहन कब्जे में हैं। घायलों को भर्ती करा दिया गया है।

बिल्हौर पुलिस ने गांजा तस्कर को गिरफ्तारकर जेल भेजा

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो। बिल्हौर थाना पुलिस द्वारा पुलिस उपायुक्त के निर्देशन पर अपराध व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं धड़पकड़ अभियान के तहत थानाध्यक्ष केशव कुमार तिवारी की अध्यक्षता में पुलिस टीम ने औरंगपुर सांभी गांव में मुखबिर खास की सूचना पर छोटे सिंह पुत्र छुन्नी को 1100 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा के साथ उत्तरीपुरा चौकी प्रभारी सत्येन्द्र सिंह उपनिरीक्षक व सत्यवीर गौतम, उप निरीक्षक यूटी संजय सिंह, उप निरीक्षक यूटी प्रियंका, उप निरीक्षक यूटी रितु, हेड कांस्टेबल बृजेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल मदन कुमार, धर्मपाल सिंह, राजेंद्र सिंह के द्वारा अभियुक्त को घेराबंदी करते हुए दबोचा गया संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। एसीपी अजय त्रिवेदी ने बताया कि टीम ने सराहनीय कार्य किया है भेजे गए आरोपित पर पहले से ही मुकदमे पंजीकृत हैं चिकित्सीय परीक्षण कराकर न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

निजी अस्पतालों में पूरे नहीं मिले आग बुझाने के इंतजाम

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। आग की घटनाओं से लोगों को बचाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के लिए डीएम के निर्देश पर निजी अस्पतालों के साथ व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की जांच चल रही है। गुरुवार को दो निजी अस्पताल और कपड़े के शोरूम की हुई जांच में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले। अलग-अलग प्रदेशों और जिलों में हो रहीं आग की घटनाओं को देखते हुए डीएम गौरांग राठी ने सभी प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के आदेश दिए हैं। इसके लिए तीन कमेटी बनाई हैं। गुरुवार को तहसीलदार अविनाश चौधरी के नेतृत्व में अग्निशमन अधिकारी शिवराम यादव और नायब तहसीलदार ने आवास विकास स्थित शिवाय हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। उसमें आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले। अस्पताल के अंदर जाने वाला जीना भी सड़क पर बना मिला। दूसरा कोई जीना नहीं था। तहसीलदार ने उसे सड़क से हटवाने के निर्देश दिए। उसके बाद कपड़े के शोरूम गए। वहां पर आग से बचाव की व्यवस्था सही मिली। कुछ काम बाकी था जिसे संचालक ने जल्द पूरा कराने के लिए कहा। आदर्श नगर स्थित शुभी अस्पताल में आग से बचाव के ठोस इंतजाम नहीं मिले। निकास द्वार भी एक था। संचालक को एक महीने का समय दिया गया है। इसके बाद कार्रवाई के लिए कहा है। अग्निशमन अधिकारी शिवराम यादव ने बताया कि कहीं भी आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले हैं। सभी को एक महीने का समय दिया गया है।

अल्ट्रासाउंड के लिए पंजीकरण न होने पर मायूस लौटीं 50 गर्भवतियां

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। नवाबगंज सीएचसी पहुंची गर्भवतियों ने ई- वाउचर के तहत अल्ट्रासाउंड कराने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। लेकिन उनके मोबाइल पर प्राप्त होने वाला ई-वाउचर तकनीकी खराबी के कारण नहीं मिले। इससे 50 महिलाएं मायूस होकर लौट गईं। जिले के जिन स्वास्थ्य केंद्रों पर अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था नहीं है। वहां पर शासन की ओर से संचालित ई-वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं का निजी पैथोलॉजी में अल्ट्रासाउंड करवाया जाता है। इसका भुगतान शासन से किया जाता है। लेकिन ई-वाउचर लेने के लिए गर्भवतियों को सीएचसी में पंजीकरण कराना पड़ता है।

192 वर्ष से अपना जन्मस्थान पाने को महाभारत लड़ रहे श्रीकृष्ण

जन एक्सप्रेस । मथुरा

अधर्म पर धर्म की जीत को 18 दिन चले महाभारत के युद्ध में पांडवों के सारथी बन उन्हें हस्तिनापुर की राजगद्दी दिलाने वाले श्रीकृष्ण अपने जन्मस्थान को पाने की लड़ाई 192 वर्ष से लड़ रहे हैं। कोर्ट में तारीख दर तारीख वह इतिहास के पन्नों को पलटते हैं। किसी तारीख पर ठाकुर केशवदेव तो किसी तारीख पर श्रीकृष्ण विराजमान बनकर पेश होते हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान-ईदगाह प्रकरण में अब तक 18 वाद दायर हुए हैं। वादकारियों ने वादी स्वयं भगवान श्रीकृष्ण को बनाया है और दूसरे स्थान पर खुद को भक्तगणों की हैसियत से रखा है।

15 मार्च 1832 को अताउल्ला खातिब ने कलेक्टर कोर्ट में पहला मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें 1815 में पटनीमल के नाम पर कटरा केशव देव की जमीन की नीलाम की गई थी, उसको रद्द कर मस्जिद की मरम्मत कराए जाने की मांग की गई। यह इस विवाद का पहला मुकदमा था। इसके बाद वर्ष 1897, वर्ष 1920, वर्ष 1928, वर्ष 1944, वर्ष 1945, वर्ष 1955, वर्ष 1960 और वर्ष 1965, 1967 में अलग-अलग वाद दर्ज हुए। वर्ष 1968 में मथुरा में डीएम के पद पर आरके गोयल और एसपी के पद पर गिरीश बिहारी थे। उन्होंने इस प्रकरण को खत्म करने का रास्ता समझौते के तौर पर निकाला। समझौता हुआ, जो कि तब से अब तक विवादित है।

उपासना स्थल अधिनियम इस केस पर नहीं लागू

अधिवक्ता एवं जन्मभूमि की पक्षकार रीना एन सिंह बताती हैं कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यदि कोई इस अधिनियम का उल्लंघन करने का प्रयास करता है तो उसे जुर्माना और तीन वर्ष की जेल भी हो सकती है। ये कानून 1991 में तत्कालीन नरसिम्हा राव की सरकार लेकर आई थी। हालांकि कानून में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को अलग रखा गया था। इसके अलावा इसी कानून में उल्लेख है कि अगर कोई स्मारक 100 वर्ष से अधिक पुराना है और वह प्राचीन है तो उस पर उपासना अधिनियम लागू नहीं होगा। अगर, किसी प्राचीन धार्मिक स्थल पर लगातार केस चल रहे हो तो वहां भी यह प्रभावी नहीं होगा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि 100 वर्ष से अधिक प्राचीन स्मारक/मंदिर है। इसके अलावा 1832 से इस कटरा केशव देव की भूमि पर केस चल रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट पहले ही कह चुका है कि किसी भी संपत्ति का धार्मिक चरित्र क्या यह कोर्ट में विचारण के दौरान ही तय होगा। तो लिहाजा उपासना अधिनियम 1991 इस विवादित संपत्ति पर लागू नहीं होता है।

फैसला आते ही मथुरा-वृंदावन में बंटी मिठाई, लगे जयकारे

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पक्ष में वादों के पोषणीय होने का फैसला आते ही मथुरा-वृंदावन में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। श्रीकृष्ण के जयकारे लगे। इसके अलावा मिठाई भी वितरित की गई। बृहस्पतिवार दोपहर दो बजे जैसे ही फैसला आया कचहरी के सामने साधु-संतों के साथ पक्षकार दिनेश शर्मा ने जश्न मनाया। उन्होंने मिष्ठान वितरण किया। वृंदावन में पक्षकार महेंद्र प्रताप ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया। अदालत के आदेश को लेकर पुलिस और प्रशासन सुबह से ही अलर्ट थे। जन्मभूमि और ईदगाह पर पूरे दिन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। फैसला आते ही ब्रज में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। कचहरी पर पहुंचे भगवा धारियों ने कहा कि यह फैसला हिंदू पक्ष की पहली जीत है। उम्मीद है कि अब हर मोर्चे पर जीत होगी। कृष्ण भक्त एसएस अवस्थी ने कहा कि धर्म की लड़ाई पक्षकारों द्वारा मजबूती के साथ लड़ी जा रही है। इसी का नतीजा है कि यह पहली जीत हुई है।

पहचान छिपाकर दोस्ती की फिर बनाए संबंध

जन एक्सप्रेस । मथुरा। सोशल मीडिया पर नाम बदलकर आरोपी ने युवती से दोस्ती की। इसके बाद उसके साथ संबंध भी बनाए। जब बात शादी की आई तो राज खुल गया। आरोपी धर्मांतरण कर शादी का दबाव बनाने लगा। विरोध करने पर उसके फोटो वायरल कर दिए। मथुरा के गोविंद नगर इलाके की एक युवती से नाम बदलकर दोस्ती करने व संबंध बनाने का आरोप गैर समुदाय के युवक पर लगाया है। आरोप है कि युवक उसे धर्मांतरण कर शादी के लिए दबाव बना रहा है। उसकी बात न मानने पर परिजनों को जान से मारने की धमकी देता है। सोशल मीडिया पर उसके फोटो-वीडियो भी वायरल कर दिए हैं। वाकया बुधवार रात का है। गोविंद नगर इलाके की एक युवती परिजनों के साथ थाने पर पहुंची। बताया कि कोसीकलां मोहल्ला नाटू नगर का आसिफ उससे एक साल पहले पिता की दुकान पर मिला था। उसने अपना नाम राहुल बताया था। काम के बहाने से मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद फोन पर बात करने की जबरदस्ती करने लगा। बात न करने पर परिजनों को मारने की धमकी देने लगा। कुछ समय बाद उसने शारीरिक संबंध बनाए। उस दौरान फोटो-वीडियो भी ले लिए। इसके बाद बताया कि उसका असली नाम आसिफ है। इसकी जानकारी परिवार वालों को दी गई। इंस्पेक्टर देवपाल सिंह पुंढीर ने बताया कि तहरीर आधार पर आरोपी पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उसे मसानी लिंक रोड के पास से गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है।

मथुरा पुलिस ने 24 घंटे में सकुशल बरामद किया अपहृत बालक

जन एक्सप्रेस । मथुरा

मथुरा के फरह थाना क्षेत्र के ओल कस्बे के गांव गांजोली के मार्ग से एक 12 साल के बालक के अपहरणकर्ताओं को बुधवार को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया।

बालक को उनके चंगुल से सकुशल बरामद किया गया है। 10 लाख रुपये की फिरौती के लिए आगरा के अछनेरा थाना क्षेत्र के गांव तुर्किया के दो दोस्तों ने इस वारदात को अंजाम दिया था। खुलासा करने वाली टीम को एसएसपी स्तर से 25 हजार रुपये पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र दिया गया है। वहीं, डीजीपी स्तर से मेडल दिलाने की मांग उच्चाधिकारियों से की है।

एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बुधवार रात पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता कर बताया कि अपहरणकर्ता देवेंद्र पुत्र नवल सिंह निवासी तुरकिया, अछनेरा, आगरा और खड़ग सिंह उर्फ अरब पुत्र भजनलाल निवासी तुरकिया, अछनेरा, आगरा को करनाल नहर शहजादपुर गुर्जर पुलिया के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। देवेंद्र के दोनों और खड़ग सिंह के एक पैर में गोली लगी।

इनकी निशानदेही पर अपहृत बालक रूपेश चौधरी पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम गांजौली, फरह को शहजादपुर गुर्जर पुलिया के पास एक गड्ढे में हाथ-पैर व मुंह बंधी हुई हालत में बरामद किया गया।

गिरफ्तारी व खुलासा करने वाली टीम में इंस्पेक्टर फरह कमलेश सिंह, वृंदावन इंस्पेक्टर रवि त्यागी, सदर बाजार इंस्पेक्टर संजीव कुमार दुबे, जमुनापार इंस्पेक्टर छोटेलाल, स्वाट प्रभारी अभय शर्मा, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा, एसओजी प्रभारी राकेश कुमार, एसआई नितिन त्यागी, नितिन तेवतिया, अर्जुन सिंह, केशव वशिष्ठ, अशोक कुमार व इनकी टीम शामिल रही।

10 लाख की फिरौती मांगी, राहगीरों से फोन मांगकर कर रहे थे कॉल

एसपी सिटी डा. अरविंद कुमार ने बताया देवेंद्र और खड़ग सिंह ने 5.30 बजे करीब बालक का अपहरण किया था। 9.30 बजे करीब पहला कॉल फिरौती के लिए बालक की मां के फोन पर आया, जो कि सैपऊ, धौलपुर से किया गया था। इसके बाद रात भर कोई फोन नहीं किया था। बुधवार को सुबह से लेकर दोपहर तक तीन बार अपहरणकर्ताओं ने बच्चे की मां के फोन पर कॉल किया। धमकी दे रहे थे कि 10 लाख का शाम तक इंतजाम नहीं किया तो जान से मारने की धमकी दी।

केरल ने ऐसी त्रासदी नहीं देखी मुद्दे को दिल्ली में उठाएंगे: राहुल

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। केरल

केरल के वायनाड में मंगलवार को हुए भूस्यकलन ने तबाही मचा दी। अबतक इस भूस्खलन के कारण मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 276 पर पहुंच चुका है। अभी भी करीब 250 लोग लापता है और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए बचाव कार्य जारी है। बारिश और विपरित परिस्थियों का सामना करते हुए बचावकर्मियों ने शुक्रवार को यानी की तौथे दिन भी बचाव कार्य शुरू किया। 190 फुट बेली ब्रिज के पूरा होने कारण सुबह से जारी राहत और बचाव अभियान में गति मिली। यह ब्रिज अब सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र मुंडक्कई और चूरलमाला तक एंबुलेंस की सुविधा पहुंचाने में मदद करेगा।

वायनाड की स्थिति पर राहुल ने बात की

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वायनाड भूस्खलन पर बात की। उन्होंने कहा, मैं कल से यहां हूं। यह एक भयानक त्रासदी है। हमने आज प्रशासन के साथ बैठक की। उन्होंने हमें हताहतों की संख्या के बारे में बताया। हमने उनसे कहा कि हम यहां उनकी मदद के लिए हैं। केरल ने ऐसी त्रासदी नहीं देखी थी। यहां के मुख्यमंत्री से हमने बात की और कहा कि यह त्रासदी का एक अलग स्तर है। इससे अलग तरीके से निपटना होगा। कई रिपोर्ट में दावा किया गया है क कांग्रेस ने इस हादसे के पीड़ितों के लिए 100मकान बनाने का भी वादा किया।

वायनाड में बचाव कार्य जारी

कॉलम कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राहुल ने वायनाड में राहत एवं बचाव अभियान पर हा कि बचाव अभियान जारी है। आज यह चौथा दिन है, कल छुष्टक्की मदद से मलबा हटाया गया। हमारे साथ डॉग स्कॉयड भी मौजूद है। आर्मी, एसओजी, आईआरडब्ल्यू आदि के साथ मिलकर हम मलबा हटाकर शवों को निकाल रहे हैं

भाजपा नेता मुरलीधरन ने वायनाड भूस्कलन पर बात की

भाजपा नेता वी. मुरलीधरन ने वायनाड में भूस्खलन पर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम लोगों को बचाने में सक्षम होंगे, उम्मीद करते हैं कि जब राहत अभियान आगे बढ़ेगा तो हम और अधिक लोगों की जान बचा पाएंगे। मेरे पास 18 और 25 तारीख को दी गई चेतावनी की प्रतियां भी हैं, जिसमें कहा गया है कि अलर्ट था और एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए, अगर ऐसा नहीं किया जा सका तो सरकार को पता लगाना चाहिए कि गलती किसकी थी और फिर आवश्यक कदम उठाने चाहिए। सदन के सामने तथ्य रखना गृह मंत्री की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार को विस्तार से सोचना होगा और योजना बनानी होगी कि कैसे अवैध संरचनाओं की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। केरल में लगभग 240 अवैध निर्माणों में से 100 वायनाड में हैं, ऐसे अवैध निर्माण की अनुमति कैसे न दी जाए, पारिस्थितिकी की सुरक्षा कैसे की जाए, जब भारी बारिश हो तो लोगों को तुरंत वहां से हटाया जाए, इन सबके बारे में राज्य सरकार को सोचना चाहिए।

ब्रिगेडियर अर्जुन सेगन ने मौजूदा स्थिति पर की बात

वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में खोज और बचाव अभियान पर ब्रिगेडियर अर्जुन सेगन(पैरा रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर के कमांडेंट) ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, आज खोज और बचाव अभियान का चौथा दिन है और रास्ता खोला जा रहा है ताकि यहां पर उपकरण पहुंच सके। यहां पर घर और दुकाने थी लेकिन पानी के बहाव से सब कुछ बह गए और टूट चुके हैं। हम जहां पर खड़े हैं ये 80-100 फीट ऊपर हैं इससे अंदाजा लग सकता है पानी का बहाव कितना तेज था। जहां-जहां लोगों के फंसे होने की आशंका है वहां तलाशी की जा रही है। अभी तक यहां कोई शव नहीं मिला है लेकिन यहां पर कल शव मिले थे इसलिए आज विस्तृत में तलाशी की जा रही है।

एनएसएस 150 परिवारों के लिए घर बनाने में करेगा मदद

केरल के उच्च शिक्षा विभाग की मंत्री आर. बिंदु ने शुक्रवार त्रिशूर में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएनएस) उन 150 परिवारों के लिए घरों का निर्माण करेगी, जिन्होंने हाल ही में वायनाड में हुए भूस्खलन के कारण अपने घर खो दिए हैं।

वायनाड में जारी है बचाव अभियान

वायनाड के भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला में खोज और बचाव अभियान जारी है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार, वर्तमान में मरने वालों की संख्या 308 है। केरल के एडीजीपी (कानून व्यवस्था) एम. आर. अजीत कुमार ने वायनाड भूस्खलन पर कहा, भारतीय सेना, वायुसेना, स्थानीय पुलिस, विशेष अभियान समूह, अग्निशमन बल, एनडीआरएफ की संयुक्त टीम यहां काम कर रही है। आज भारी मशीनरी के साथ हम ज्यादा से ज्यादा इलाकों में तलाशी कर पाएंगे। दूसरे राज्यों के भी काफी लोग हैं, हर विभाग डेटा इकट्ठा कर रहा है और पता लगा रहा है कि कितने लोग लापता हैं। हमने अब तक 200 से ज्यादा शव और उनके अंग बरामद किए हैं। जब तक पूरे क्षेत्र की गहन तलाशी नहीं हो जाती, हम तलाशी नहीं रोकेंगे।

मलवे में शवों को तलाशने में जुटे बचावकर्मी

ये 40 टीमें भूस्खलन से प्रभावित छह क्षेत्रों अट्टामाला और अरनमाला, मुंडक्कई, पुंचिरीमट्टम, वेल्लारीमाला गांव, जीवीएचएसएस वेल्लारीमाला और नदी तट पर तलाशी अभियान चलाएंगी। इन टीमों में सेना, एनडीआरएफ, डीएसजी, तटरक्षक बल, नौसेना और एमईजी के साथ तीन स्थानीय लोग और एक वन विभाग का कर्मचारी शामिल है। चालियार नदी पर तीन खोज अभियान शुरू किया जाएगा। इसके अलावा पुलिस हेलीकॉप्टर का उपयोग करके एक और तलाशी अभियान चलाया जाएगा। राज्य के राजस्व मंत्री के राजन ने बताया कि मलबे में दबे शवों का पता लगाने के लिए दिल्ली से एक ड्रोन-आधारित रडार शनिवार को आएगा। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल तलाशी अभियान में छह कुत्तों को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा चार अन्य कुत्तों को तमिलनाडु से वायनाड भेजा जाएगा।

पदवेट्टी कब्रू में सेना ने चार लोगों को बचाया

भारतीय सेना को वायनाड के पदवेट्टी कुब्रू में फंसे चाल लोगों को बचाया, जिसमें दो महिलाएं भी शामिल थीं। इस बचाव अभियान को बहुत ही सावधानी से अंजाम दिया गया था, जिससे सभी व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। हालांकि, बचाव्भियान के दौरान एक महिला को पैर मे चोट लग गई। फिलहाल उसका इलाज किया जा रहा है।

वायनाड में 30 जुलाई को साल की छह फीसदी वर्षा कुछ घंटों में हो गई

भूस्खलन से एक दिन पहले 29 जुलाई को सामान्य से कम वर्षा से वायनाड जूझ रहा था, वहीं 30 जुलाई को बहुत भारी बारिश हुई। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार सालाना करीब औसत 2,800 मिलीमीटर बारिश हासिल करने वाले वायनाड ने करीब 20 दिनों में सालाना वर्षा का करीब 30 फीसदी हासिल कर लिया। वहीं एक दिन में ही 30 जुलाई को साल की छह फीसदी वर्षा कुछ घंटों में हो गई।

मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा सबसे ज्यादा प्रभावित

भूस्खलन के कारण मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में भारी तबाही हुई है। प्रशासन के लिए अभी अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है कि कुल कितने लोग प्रभावित हुए हैं। मुंडक्कई में बचाव दल के एक सदस्य ने कहा, हम एक इमारत की छत पर खड़े थे। नीचे से आ रही बदबू से लगा कि वहां शव दबे हैं। इमारत पूरी तरह कीचड़ और उखड़े पेड़ों से दबी है।

'बांहें फैलाकर इंतजार कर रहा हूं'

राहुल का दावा, चक्रव्यूह वाले बयान के बाद ईडी बना रही छापेमारी की योजना

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दावा किया कि 29 जुलाई को संसद में उनके चक्रव्यूह बयान के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उन पर छापेमारी की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि वह बाहें फैलाकर इंतजार कर रहे थे, जब ईडी के सूत्रों ने उन्हें बताया कि छापेमारी की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एकिस पर पोस्ट करते हुए कहा, ÷जाहिर है कि दो में से एक को मेरा चक्रव्यूह वाला बयान पसंद नहीं आया होगा। ईडी के सूत्रों ने बताया कि छापेमारी की योजना बनाई जा रही है। मैं बाहें फैलाकर इंतजार कर रहा हूं। मेरी तरफ से चाय और बिस्किट। बता दें कि लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने 29 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला किया था। उन्होंने कहा कि देश के किसान, मजदूर और नौजवान भयभीत है।

राहुल गांधी ने की पीएम मोदी की आलोचना

राहुल गांधी ने कमल के चिह्न को प्रदर्शित करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और दावा किया कि 21 वीं सदी का नया चक्रव्यूह रचा गया है। उन्होंने आगे कहा, कुरुक्षेत्र में हजारों साल पहले छह लोगों ने अभिमन्यु को चंक्रव्यूह में फंसाकर मार डाला था। मैंने थोड़ा रिसर्च किया और पाया कि चक्रव्यूह को पद्मव्यूह से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है कमल का निर्माण। चक्रव्यूह कमल के आकार का होता है। 21वीं सदी में नया चक्रव्यूह रचा गया है। प्रधानमंत्री इसका चिह्न अपने सीने पर पहनते हैं। जो अभिमन्यु के साथ किया गया, वही अब जेश की जनता के साथ किया जा रहा है। अभिमन्यु को छह लोगों ने मारा था। आज छह लोग चक्रव्यूह के केंद्र में है। आज छह लोग भारत को चला रहे हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, अजीत डोभाल, मोहन भागवत, अंबानी और अदाणी। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष ने मध्यम वर्ग पर वार किया है। जो चक्रव्यूह केंद्रीय सरकार रच रही है, वह करोड़ों लोगों को नुकसान पहुंचा रहा है।

राहुल गांधी के बयान पर अनुराग ठाकुर का पलटवार

राहुल गांधी के इस बयान पर अनुराग ठाकुर ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने चक्रव्यूह का मुद्दा उठाकर अच्छा किया, क्योंकि इस देश ने कांग्रेस के कई सारे चक्रव्यूह को अच्छे से देखा है। उन्होंने कांग्रेस पर सात चक्रव्यूह का जिक्र कर कहा कि पहला चक्र चक्रव्यूह कांग्रेस खुद है जिसने देश को बांट दिया। इस पर पीएम मोदी ने अनुराग ठाकुर के इस बयान पर उनकी सराहना की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, मेरे युवा और ऊर्जावान सहयोगी अनुराग ठाकुर का यह भाषण अवश्य सुनना चाहिए। यह तथ्य और हास्यों के साथ विपक्षी गठबंधन इंडिया की गंदी राजनीति को उजागर करता है। बता दें कि संसद में बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू हुआ था। इस सत्र का समापन 12 अगस्त को होगा।

किसान विरोधी होना कांग्रेस के डीएनए में है: शिवराज

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि किसान विरोधी होना कांग्रेस के डीएनए में है। विपक्षी पार्टियों द्वारा केंद्र की मोदी सरकार पर कृषि क्षेत्र के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया जा रहा है। विपक्ष के आरोपों के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पार्टी को ही किसान विरोधी कह दिया। शुक्रवार को राज्यसभा में चर्चा के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने बीते 10 वर्षों में कृषि क्षेत्र के बजट में अच्छी खासी बढ़ोतरी की है। किसानों को सब्सिडी पर फर्टिलाइजर्स मिल रहे हैं और आगे भी मिलते रहेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि किसान विरोधी होना कांग्रेस के डीएनए में है। कांग्रेस की प्राथमिकताएं शुरुआत से ही गड़बड़ रही हैं।

शाह से मिलने दिल्ली आने की बात सच साबित हुई तो सियासत छोड़ दूंगा: अजित

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि अगर भाजपा से गठबंधन करने से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए उनके दिल्ली आने की खबरें सच साबित हो जाती हैं तो वह राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं को चुनौती दी कि अगर ये खबरें गलत पाई जाती हैं तो जिन लोगों ने उन पर ये आरोप लगाए हैं, उन्हें सियासत छोड़ देनी चाहिए। पवार ने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया है कि हाल ही में हुई एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान अजित पवार ने खुद कहा कि उन्होंने दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर नई दिल्ली में अमित शाह के साथ बैठकें कीं। पवार ने कथित तौर कहा, मैं उन बैठकों में भाग लेने के लिए दिल्ली जाते समय हवाई यात्रा के दौरान मास्क और टोपी पहनता था। मैंने हवाई यात्रा के दौरान अपना नाम भी बदल दिया था। उनके कथित बयानों के आधार पर शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरद चंद्र पवार) ने उन पर निशाना साधा था। हालांकि, अजित पवार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह छिपकर राजनीति नहीं करते हैं।

जन औषधि केंद्रों से दवाइयां खरीदकर मरीजों ने बचाए 28000 करोड़: जेपी नड्डा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के तहत कम कीमतों पर बेची जाने वाली दवाओं और चिकित्सा उपकरणों से लोगों को अब तक 28,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत करने में मदद मिली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रील जेपी नड्डा ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देशभर में जन औषधि केंद्रों के माध्यम से 1,965 दवाएं और 235 चिकित्सा उपकरण बेचे जाते हैं। यह केंद्रों पर 52 से 80 फीसदी कम कमत पर उपलब्ध हैं। संसद में प्रश्नकाल के दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि जनऔषधि केंद्रों पर कीमतों में कमी के कारम मरीज अबतक 28,000 करोड़ रुपये बचाने में सफल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इलाज के लिए सस्ती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण (अमृत) योजना के तहत मरीज 24,273 करोड़ रुपये बचा सकते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना फार्माक्यूटिकल्स विभाग द्वारा जन औषधि केंद्र नामक दुकानों में गरीबों और वंचितों को कम कीमत पर दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई एक योजना है। इस योजना का एकमात्र उद्देश्य कम कीमतों पर दवाएं उपलब्ध करके प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य देखभाल बजट को कम करना है। जेपी नड्डा ने बताया कि अगस्त 2022 से कुल 3,029 ट्रांसजेंडर को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत शामिल किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि ट्रांसजेंडर को राष्ट्रीय स्वस्थ्य बीमा योजना का लाभ देने के लिए राष्ट्री. स्वास्थ्य प्राधिकरण और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के बीच एक समझैता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। जेपी नड्डा ने बताया कि लाभार्थियों को स्वास्थ्य लाभ पैकेज 2022 के अनुसार कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं मिलती हैं।

सीएम धामी ने विदेश मंत्री को भेजा पत्र, म्यांमार फर्जी नौकरी रैकेट मामले में हस्तक्षेप का किया अनुरोध

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने म्यांमार के फर्जी नौकरी रैकेट मामले में विदेश मंत्रालय से राजनयिक हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को पत्र भेजकर इस संबंध में भारतीय दूतावास की एडवाइजरी का भी हवाला दिया है। बृहस्पतिवार को उन्होंने खुद विदेश मंत्री से इस बाबत फोन पर बात भी की। मुख्यमंत्री ने पत्र में मीडिया रिपोर्ट की सूचना का भी जिक्र किया है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी आई है कि आकर्षक नौकरी के नाम पर थाईलैंड से करीब कई भारतीय म्यांमार के फर्जी नौकरी रैकेट के हवाले कर दिए गए। इनमें उत्तराखंड राज्य के 15 से अधिक पुरुष और नौ महिलाएं वहां बंधक बनाए गए हैं। विदेश मंत्री को लिखे पत्र में कहा, मैं आपको इस विषय के संदर्भ में आपातकालीन आधार पर लिख रहा हूं।

एयर इंडिया ने इस्राइल के लिए उड़ान सेवाएं बर्खास्त कीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते फैसला

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की ईरान में हत्या के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। ईरान ने हानिया की मौत का बदला लेने के लिए इस्राइल पर हमले की धमकी दी है। इस्राइल हाई अलर्ट पर है। ऐसे हालात को देखते हुए भारतीय एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया ने भारत और इस्राइल की राजधानी तेल अवीव के बीच संचालित होने वाली उड़ान सेवाओं को बर्खास्त करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि बुधवार को ईरान में हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की हत्या हो गई थी। हमास ने इसका आरोप इस्राइल पर लगाया। वहीं ईरान ने भी इस्राइल को हमले की धमकी दी। इसके जवाब में इस्राइल ने भी ईरान को कड़ा जवाब देने की बात कही है। इस्माइल हानिया की मौत से एक दिन पहले ही लेबनान के बेरूत में भी इस्राइल के हमले में हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर की मौत हो गई थी। जिस पर हिजबुल्ला ने भी इस्राइल को बदला लेने की धमकी दी है। हिजबुल्ला ने तो इस्राइल पर रॉकेट से हमले शुरू भी कर दिए हैं। इस्राइल हमास युद्ध की वजह से पहले से ही पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है, लेकिन अब ताजा घटनाक्रम से तनाव चरम पर पहुंच गया है और आशंका जताई जा रही है कि इस्राइल हमास युद्ध अब पूरे पश्चिम एशिया में फैल सकता है। अमेरिका ने भी एलान किया है कि अगर ईरान ने इस्राइल पर हमला किया तो वह इस्राइल की रक्षा के लिए हरसंभव मदद देगा। यही वजह है कि एयर इंडिया ने फिलहाल एहतियातन तेल अवीव के लिए उड़ान सेवाएं बर्खास्त करने का फैसला किया है।

8 अगस्त तक एयर इंडिया ने बर्खास्त की सेवाएं

एयर इंडिया ने एक बयान जारी कर बताया कि पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए हमने तेल अवीव के लिए प्रस्तावित संचालन को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त करने का फैसला किया है। तेल अवीव से यहां आने वाली और यहां से तेल अवीव जाने वाली विमानन सेवाएं फिलहाल 8 अगस्त 2024 तक बर्खास्त की गई हैं। हम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि इस अवधि के दौरान जिन यात्रियों ने अपने टिकट बुक किए हुए हैं, उन्हें दोबारा टिकट बुक कराने पर एक बार छूट और कैंसिलेशन चार्ज से राहत दी जाएगी। अपने यात्रियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। अधिक जानकारी के लिए हमें 011-69329333 / 011-69329999 कॉल कर सकते हैं।

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा में लागू होगा एंटी पेपर लीक कानून, पिछली बार परीक्षा के समय पहुंचे थे उत्तर

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। पटना

दूध का जला छाछ भी फूंक कर पीता है... कुछ इसी तर्ज पर इस बार बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा ली जाएगी। सिपाही भर्ती परीक्षा में वही कानून लागू होगा, जो पिछले महीने बिहार विधानमंडल से पास हुआ है- एंटी पेपर लीक कानून। रिटायरमेंट के बाद केंद्रीय चयन (सिपाही भर्ती) पर्षद के अध्यक्ष बनाए गए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी संजीव कुमार सिंघल के राज में पिछले साल परीक्षा शुरू हुई तो प्रश्नपत्र का हल तैयार होकर परीक्षा भवन में पहुंचा मिला था। एक नहीं, कई जगह मिला। दूसरे परीक्षार्थी की जगह परीक्षा देने वाले भी पकड़े गए। इतनी तरह की गड़बड़ी सामने आई, लेकिन केंद्रीय चयन पर्षद के तत्कालीन अध्यक्ष एसके सिंघल ने इन सभी बातों को नकारते हुए कोई कार्रवाई नहीं की। मामला आर्थिक अपराध शाखा के पास गया और अंततः तीन अक्टूबर को आदेश आया कि ली जा चुकी परीक्षा रद्द हो गई है और आगे वाली स्थगित। उसके बाद सीएम नीतीश कुमार ने डीजी शोभा ओहटकर को जिम्मेदारी दी, वह भी परीक्षा नहीं ले सकीं। अब आईपीएस जितेंद्र कुमार ने केंद्रीय चयन (सिपाही भर्ती) पर्षद के अध्यक्ष के रूप में इसकी तैयारी रखी है। एडमिट कार्ड जारी हो चुके। शुक्रवार को उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस परीक्षा में भी एंटी पेपर लीक कानून लागू होगा।

परीक्षा अगले हफ्ते से शुरू हो रही

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा 7, 11, 18, 21, 25 और 28 अगस्त 2024 को आयोजित की जाएगी। लिखित परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी। छह पालियों में यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रत्येक दिन एक पाली में परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय दोपहर 12 बजे से दो बजे तक रहेगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर सुबह साढ़े नौ बजे रिपोर्ट करना होगा। परीक्षा केंद्र में प्रवेश सुबह साढ़े 10 बजे बंद कर दिया जाएगा। प्रवेश से पूर्व उनकी DFMD/HHMD तथा जिला पुलिस के प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों द्वारा चेकिंग की जाएगी। परीक्षा 12:00 बजे से 02:00 बजे तक होगी।

पेन, पेन्सिल भी नहीं ले जा सकते हैं

अभ्यर्थियों की पहचान के लिए पर्षद द्वारा निर्गत ई-प्रवेश पत्र एवं उनके पहचान-पत्र (आधार कार्ड, मतदाता पहचान-पत्र आदि) के साथ ही प्रवेश की अनुमति होगी। परीक्षा कक्ष में उनके दोनों हाथों के अंगूठे का निशान, फोटो एवं शॉर्ट वीडियो लिये जाएंगे। जिनका उपयोग उनकी तत्समय पहचान तथा चयन के अगले चरणों में पहचान करने तथा पररूपधारण की संभावना को नकारने के लिए किया जाएगा। अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र में किसी प्रकार की लेखन सामग्री यथा पेन, पेन्सिल आदि तथा कोई अन्य वस्तु नहीं ले जा सकेंगे। ओएमआर शीट भरने एवं अन्य लेखन कार्य के लिए उन्हें पेन प्रश्न-पुस्तिका के साथ ही उपलब्ध कराया जाएगा।

किसी के भी झांसे में नहीं आएं

सभी अभ्यर्थियों को आगाह किया जाता है कि वे सोशल मीडिया एवं अन्य किसी माध्यम से दुष्प्रचार अथवा झांसे में न आएं। यह एक प्रकार से साईबर फॉड कर अवैध वसूली का माध्यम हो सकता है, इसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना अथवा साईबर थाना को दें। पर्षद के स्तर से किसी भी अभ्यर्थी को दूरभाष या मोबाईल अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्तिगत सम्पर्क नहीं किया जाता है। पर्षद एवं अभ्यर्थियों के बीच संवाद का माध्यम केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार की वेबसाईट अथवा अभ्यर्थियों के आवेदन में रजिस्टर्ड ई-मेल या मोबाईल नंबर पर प्री-रिकार्डेड ग्रुप संवाद ही हैं। इसके अतिरिक्त यदि किसी अन्य स्वरूप में उनसे कोई सम्पर्क करता है तो वे इसकी सूचना थाना को दें।

साइबर सेल कर रही है निगरानी

पर्षद, पुलिस मुख्यालय एवं राज्य सरकार द्वारा परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राज्य के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक के स्तर से सभी जिला पदाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक कर उन्हें कड़ाई से स्वच्छ परीक्षा सम्पादन के लिए निदेशित किया गया है। साइबर थाना एवं आर्थिक अपराध इकाई के स्तर से सोशल मीडिया आदि पर परीक्षा से संबंधित निगरानी प्रारम्भ की जा चुकी है और संदिग्ध बातों अथवा व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है। पर्षद द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर स्वच्छतापूर्ण परीक्षा के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ की गई हैं. जिसमें प्रत्येक कक्ष एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीव से निगरानी की जाएगी जिसकी लाईव फीड पर्षद मुख्यालय के नियंत्रण कक्ष को प्राप्त होगी तथा प्रत्येक कक्ष में जैमर अधिष्ठापित किये गये हैं जो स्त्र एवं वाई-फाई के सिग्नल को भी जैम करने की क्षमता रखते हैं। साथ ही केन्द्राधीक्षकों से सीधे संवाद के लिए हॉटलाइन के रूप में विशेष फोन भी लगाए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) (नेशनल हेडः कमलेश फाइटर) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)